सुविचार

सिर्फ उसको अपनी संपत्ति समझो, जिसको तुमने अपने परिश्रम से कमाया हो।

–प्रेमचंद

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Friday, 21 March 2025 ● Year : 03 ● Issue : 65 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Priyanka Chopra Flaunts Belly...

मंईयां योजना के अयोग्य लाभुकों की सूची जारी करेगी सरकार

बीजेपी विधायक नीरा यादव के सवाल का कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने दिया जवाब

भोजन अवकाश से पहले ऊर्जा विभाग में कार्यरत मानव दिवस कर्मियों का उठा मुद्दा

PHOTON NEWS RANCHI :

गुरुवार को झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के 14वें दिन मंईयां सम्मान योजना को लेकर फिर चर्चा हुई। बीजेपी विधायक नीरा यादव द्वारा उठाए गए सवाल पर जवाब देते हुए कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि आपके सुझाव पर सरकार विचार करेगी और इसमें आवश्यक सुधार करने का काम करेगी। अयोग्य लाभुकों की सूची कारण बताते हुए सरकार जारी करेगी। दरअसल, नीरा यादव ने अल्पसूचित प्रश्न के जरिए सदन में सवाल किए थे। सवाल किया कि विधानसभा चुनाव 2024 से पहले तीन महीने की राशि पाने वाली लाभुक महिलाओं को बगैर कोई कारण बताए सरकार ने अयोग्य ठहरा दिया। इसके कारण महिलाओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विधायक ने कहा योजना के लाभ के लिए महिलाएं प्रखंड कार्यालय से लेकर विभिन्न कार्यालय में चक्कर लगाती फिर रही हैं। ऐसे में सरकार को शिविर लगाकर कारणों को बताते हुए अयोग्य की सूची जारी करना चाहिए।

भोजन अवकाश से पहले सदन में ऊर्जा विभाग में कार्यरत मानव दिवसकर्मियों को ईपीएफ, ईएसआईसी और उन्हें स्थायी करने का मुद्दा उठा। सरकार की ओर से मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने जवाब देते हुए कहा कि सभी मानव दिवसकर्मियों को ईपीएफ और ईएसआईसी और अन्य मुआवजे की सुविधा दी जा रही है। मानव दिवस कर्मी होने की वजह से उन्हें अनुकंपा का लाभ नहीं दिया जाता है।

राइस मिलों पर जयराम के सवालों का मुख्यमंत्री हेमंत ने दिया जवाब

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि धान क्रय की प्रक्रिया एक रोटेशन सिस्टम है। उस हिसाब से उठाव होता है। बिलिंग होती है। कंटीन्यूस प्रोसेस है। कभी-कभी किसी वर्ष अधिक समय लग जाता है। राइस मिल की संख्या बढ़ाई जा रही है। वे सदन में जयराम महतो के सवाल का जवाब दे रहे थे। जयराम महतो ने कहा कि माननीयों का वेतन एकमुश्त आता है और किसानों को किस्तों में राशि दी जाती है। अगर किसानों को समर्थन मूल्य का पैसा देर से मिलता है तो क्या सरकार इसका ब्याज भी देगी। इस पर मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि धान लेने के समय किसानों को 50 फीसदी राशि देते हैं। उसके बाद 50 फीसदी राशि दी जाती है। एक मुश्त देने से करप्शन बढ़ेगा।

सदन में हो एक्यूरेट प्रश्न : स्पीकर

हेमलाल मुर्मू ने कहा कि टू द प्वाइंट प्रश्न नहीं होने से एक-दो प्रश्न ही हो रहा है। स्पीकर ने कहा कि मैं आपकी बात से सहमत हूं। एक्यूरेट प्रश्न हो। सारे सवालों का मान समान है। सीपी सिंह ने कहा कि सदन में कार्य संचालन नियमावली से चलता है। अल्पसूचित प्रश्न 20 मिनट का और 40 मिनट तारांकित में। समय नहीं मिल पा रहा है। तारांकित प्रश्न को समाप्त कर दिया जाए। इसपर स्पीकर ने कहा कि कभी सदन के सदस्यों की भावना के अनुकूल भी निर्णय लेना पड़ा है। सदन की कार्यवाही के दौरान जमशेदपुर पूर्वी से विधायक पूर्णिमा साहू ने शून्यकाल में सवाल पूछने के लिए महिलाओं को अलग से समय आरक्षित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सदन में मात्र 12 महिलाएं हैं। ऐसे में शून्यकाल में सवाल रखने के लिए महिलाओं को परेशानी उठानी पड़ती है। विधायक पूर्णिमा साहू ने कहा कि रात 12 बजे से रात 1 बजे तक सूचना देने का समय है। ऐसे में महिला विधायकों को काफी परेशानी होती है। भोजन अवकाश से पहले सदन में स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी द्वारा 74 अरब 70 करोड़ 50 लाख 86 हजार का अनुदान मांग रखा गया।

इफ्तार (शुक्रवार) : 06:02

सेहरी (शनिवार) : 04:33

SHARE

सेंसेक्स	:	76,348.06
निफ्टी	:	23,190.65

SARAFA

सोना	:	8,500
चांदी	:	114.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

कार पर पलटा ट्रक, परिवार के छह सदस्यों की मौत

BIKANER : बुधवार देर रात राजस्थान के देशनोक में एक तेज रफ्तार ट्रक पास चल रही कार पर पलट गया। कार में सवार छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में चार भाई शामिल हैं। सभी लोग शादी समारोह से लौट रहे थे। हादसे के बाद करीब आधा घंटे तक पीड़ित ट्रक के नीचे ही दबे रहे।पुलिस के अनुसार करणी मंदिर के पास रेलवे क्रासिंग पर बने पुल पर यह हादसा हुआ। नोखा से बीकानेर की ओर आ रहा ट्रक असंतुलित होकर नोखा की ओर जा रही कार पर पलट गया। कार पूरी तरह से सड़क पर पिचक गई। इस कार में छह लोग थे। हादसे के आधे घंटे बाद तक सभी लोग ट्रक के नीचे दबे रहे।

शंभू बॉर्डर पर यातायात बहाल, किसानों का प्रदर्शन

CHANDIGARH : पंजाब पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारी किसानों को हिरासत में लेने और विरोध स्थल पर उनकी ओर से बनाए गए अस्थायी ढांचों को ध्वस्त करने के एक दिन बाद गुरुवार को शंभू-अंबाला राजमार्ग पर यातायात एक साल से अधिक समय बाद फिर शुरू हो गया। वहीं हरियाणा पुलिस द्वारा सड़क पर से अवरोधक हटाने के साथ खनौरी बॉर्डर से भी आवाजाही शुरू होने वाली है। प्रशसन द्वारा सड़क पर से अवरोधक हटाने का काम जारी रहा, जबकि नाराज किसानों ने बुधवार शाम प्रदर्शनकारियों पर की गई कार्रवाई के खिलाफ मोगा, तरनतारन, मुक्तसर और फरीदकोट सहित पंजाब में कई स्थानों पर प्रदर्शन किया।

बीजापुर में 26, कांकेर में मिलीं 4 डेड बॉडी, हथियार बरामद

छत्तीसगढ़ में दो मुठभेड़, 30 नक्सली ढेर, 1 जवान शहीद

AGENCY JAGDALPUR :

गुरुवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर इलाके में सुबह से जारी दो मुठभेड़ों में 30 नक्सली मार गिराए गए। पहली मुठभेड़ बीजापुर-दंतेवाड़ा बॉर्डर पर और दूसरी कांकेर-नारायणपुर सीमा पर हुई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बीजापुर में 26 और कांकेर में 4 नक्सली मारे गए। बीजापुर की मुठभेड़ में डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) का एक जवान भी शहीद हुआ है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि घटनास्थल से नक्सलियों के शव और कई ऑटोमेटिक हथियार बरामद किए गए हैं। तीसरी घटना में नारायणपुर-दंतेवाड़ा बॉर्डर पर स्थित थुलथुली इलाके में आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आने से दो जवान जख्मी हो गए। दोनों की हालत खतरे से बाहर है। आईजी ने बताया कि ऑपरेशन जारी है। रह-रहकर दोनों तरफ से लगातार फायरिंग हो रही है। सावधानी पूर्वक सर्च अभियान भी चल रहा है। इसके चलते अभी और भी नक्सलियों की लाशें मिल सकती हैं।

नारायणपुर-दंतेवाड़ा बॉर्डर पर आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आकर दो जवान जखमी

एंट्री इलाके में एक दिन पहले पहुंची थी फोर्स

पुलिस को गंगालूर इलाके में बड़ी संख्या में नक्सलियों की मौजूदगी की जानकारी मिली थी। इसके बाद दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन लॉन्च किया। फोर्स एक दिन पहले एंट्री इलाके में पहुंच गई थी। गुरुवार की सुबह यहां मुठभेड़ हुई। बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव और दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय ने जानकारी दी है कि मुठभेड़ देर रात भी जारी रही। कांकेर और नारियलपुर के सीमावर्ती इलाके में भी मुठभेड़ जारी है। इसमें सुबह 8 बजे से लगातार कई बार मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के बाद अब तक कुल 4 माओवादियों की लाशें बरामद हुई हैं। इसके साथ ही ऑटोमेटिक सेमी ऑटोमेटिक हथियार भी बरामद किए गए थे। आईजी ने बताया कि इस इलाके में भी फायरिंग और सर्च अभियान जारी है।

बीजापुर और दंतेवाड़ा में संयुक्त अभियान

बीजापुर और दंतेवाड़ा के सीमा क्षेत्र में थाना गंगालूर क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान चलाया गया। राज्य सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सुरक्षा बलों ने संयुक्त रूप से इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। अभियान के दौरान नक्सलियों के ठिकानों को घेरकर मुठभेड़ शुरू हुई, जो घंटों तक चली। इसके बाद भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। बीजापुर और कांकेर में हुई इस मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके में सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। मारे गए नक्सलियों की पहचान की जा रही है और उनके ठिकानों से मिले हथियारों और गोला-बारूद का भी विश्लेषण किया जा रहा है। ऑपरेशन को लेकर राज्य सरकार और पुलिस अधिकारियों ने इसे माओवादी उग्रवाद के खिलाफ एक बड़ी सफलता करार दिया है।

मंईयां सम्मान के लाभ से वंचित लाभुकों को जल्द मिलेगी राशि

एक साथ खातों में जाएंगे तीन महीनों के रुपये

PHOTON NEWS RANCHI :

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की प्रोत्साहन राशि से वंचित लाभुकों को नाराज होने की जरूरत नहीं है। उनके खाते में तीन माह की किस्त यानी 7500 रुपये जल्द जाने वाले हैं। उसके लिए तैयारी की जा चुकी है। विभाग ने जिला स्तर पर पैसे ट्रांसफर करने की प्रक्रिया शुरू करने को कह दिया है। वैसे तो 18 मार्च को कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने भी सदन में कह दिया था कि अकाउंट के आधार लिंक्ड नहीं होने की वजह से लाभुकों को पैसे ट्रांसफर नहीं हो पाए थे। इसके लिए कैबिनेट से स्वीकृति लेकर पैसे भेजे जाएंगे। बता दें कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 8 मार्च को तीन माह की किस्त 37.55 लाख लाभुकों के खाते में ट्रांसफर करने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। होली से पहले सभी लाभुकों के खाते में 7500 रुपये ट्रांसफर हो गए थे। 19.06 लाख महिलाओं के खाते में राशि नहीं पहुंचने पर सरकार को गंभीर सवालों का सामना करना पड़ा था। विपक्ष बार-बार पूछ रहा था कि 6 जनवरी को 56 लाख 61 हजार 791 महिलाओं को 2500 रुपये के हिसाब से दिसंबर की किस्त दी गई थी। लेकिन, मार्च में 19.06 लाख महिलाओं के खाते में राशि क्यों नहीं गई।

बड़ी संख्या में फर्जी लाभुकों ने उठाया है लाभ

6 जनवरी को 2500 रुपये की बढ़ी हुई राशि ट्रांसफर करने के दौरान विभाग को जानकारी मिली थी कि बड़ी संख्या में वैसे लोग भी इसका लाभ ले रहे हैं जो पात्रता नहीं रखते हैं। गिरिडीह के एक कार्यक्रम में सीएम हेमंत सोरेन ने खुद कहा था कि बड़ी संख्या में पुरुष भी योजना का लाभ उठा रहे हैं। इसी वजह से प्रखंड और अंचल स्तर पर संदिग्ध खातों की जांच चल रही थी। इसमें बड़ी संख्या में फर्जी लाभुकों के नाम काटे गए हैं। यह प्रक्रिया निरंतर चलेगी। अभी जिनका बैंक खाता आधार से लिंक्ड था, उनको प्रोत्साहन राशि दे दी गई। एक अनुमान के मुताबिक करीब 18 लाख लाभुकों के खाते में जनवरी, फरवरी और मार्च माह की किस्त ट्रांसफर करने की तैयारी शुरू हो चुकी है। बड़ी संख्या में ऐसी भी लाभुक हैं, जिन्होंने केवाईसी नहीं करवाया है, उनके अकाउंट में पैसे नहीं पहुंचे हैं।

3 दिन बाद हटाया गया कर्फ्यू, 84 अरेस्ट

नागपुर हिंसा : मास्टरमाइंड सहित 6 पर देशद्रोह का केस

AGENCY NAGPUR :

औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर 17 मार्च को नागपुर में हुई हिंसा के मामले में मास्टरमाइंड फहीम सहित 6 आरोपियों के खिलाफ देशद्रोह का केस दर्ज हुआ है। फहीम पर 500 से ज्यादा दंगाइयों को इकट्ठा करने और हिंसा को बढ़ावा देने का आरोप है। पुलिस ने अब तक 84 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के भी 8 कार्यकर्ता शामिल हैं। 19 आरोपियों को 21 मार्च तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। वहीं,

तीन दिन बाद हिंसा प्रभावित सभी 9 इलाकों से कर्फ्यू हटा दिया गया है। इसके अलावा पुलिस ने बुधवार को मामले में बांग्लादेश कनेक्शन मिलने का दावा किया है। साइबर सेल ने अफवाह फैलाने और हिंसा भड़काने के मामले में 34 सोशल मीडिया अकाउंट पर कार्रवाई की है।

मणिपुर में उग्रवादियों के खिलाफ अभियान जारी, कई गिरफ्तार

IMPHAL : मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग अभियानों में कई उग्रवादियों को गिरफ्तार किया। पुलिस द्वारा गुरुवार को दी गई जानकारी के अनुसार सुरक्षा बलों ने केसीपी (सिटी मैतेई) के एक कैडर खुमुकचम इबोमचा सिंह (47) सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया। अन्य दो में युमनाम प्रेमकुमार सिंह (42) और युमनाम आनंदकुमार सिंह (36) शामिल हैं। बरामद सामानों में एक एम-20 पिस्तौल, एक एम-20 मैगजीन, दो एम-20 कारतूस, 34 कारतूस (9 मिमी), पांच कारतूस (7.62 मिमी, एसएलआर), तीन बाओफेंग वायरलेस सेट, एक सेट चार्जर शामिल है। एक अलग अभियान में कुम्बी थाना क्षेत्र से सोरपा कंगलेइपाक के कैडर सलाम ब्रोजन सिंह (47) गिरफ्तार को गिरफ्तार किया।

सुबह से ही बदला हुआ दिखा मौसम का मिजाज, छाए काले बादल

अचानक हुआ अंधेरा, गरज के साथ शुरू हुई बारिश

PHOTON NEWS RANCHI :

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, गुरुवार को सुबह से ही मौसम के मूड में बदलाव दिखने लगा। राजधानी रांची में दिन में ही अंधेरा छा गया शाम 4 बजे के बाद पहले दिन में धीमी और रात में तेज गति से बारिश होने लगी। साथ ही आसमान में काले बादल छाए और तेज गर्जन शुरू हो गई। सड़क पर चल रहे वाहनों को लाइट जलाकर चलना पड़ा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पश्चिम बंगाल और ओडिशा के लिए अलर्ट जारी किया था। विभाग ने इन राज्यों में गरज के साथ बारिश, तेज हवाएं और संभवत: ओलावृष्टि की आशंका जताई थी। आईएमडी के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम हवाओं और एक कम दबाव के क्षेत्र के प्रभाव से यह मौसमी बदलाव देखने को मिल रहा है। रांची, जमशेदपुर, हजारीबाग और धनबाद जैसे क्षेत्रों में प्रभाव बने रहने की आशंका है।

सड़कों पर दिन में ही लाइट जलाकर चलाने पड़े वाहन

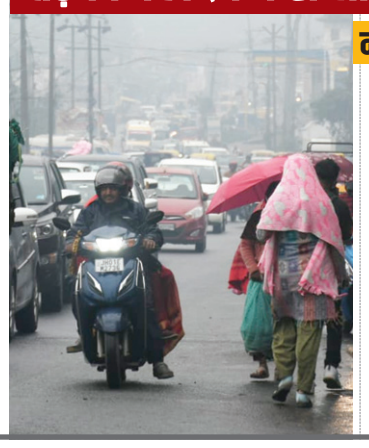

न्यूनतम तापमान में आएगी गिरावट

आईएमडी के अनुसार, पूर्वी भारत में अगले दो दिनों तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा, लेकिन न्यूनतम तापमान में 4-6 डिग्री सेल्सियस की गिरावट संभव है। 40-60 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार संभावित। अवधि: प्रभाव 21 मार्च तक रह सकता है। गरज और बारिश के साथ ही 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। कुछ इलाकों में बिजली गिरने और ओलावृष्टि की भी संभावना जताई गई है। जामताड़ा में सुबह से ही गरज के साथ हल्की बारिश भी शुरू हो गई। सुबह-सुबह मॉर्निंग वॉक करने वाले, स्कूल जाने वाले छोटे-छोटे बच्चों को परेशानी जरूर उठानी पड़ी। लेकिन, मौसम के मिजाज बदलने से वातावरण सुहाना हो गया और जो तेज धूप थी उससे लोगों को राहत मिली।

न्यू रिसर्च पेयजल की बढ़ाई जाएगी गुणवत्ता, सेहत को प्रभावित करने वाली धातुएं होंगी अलग

अब जल्द ही पानी में मौजूद विषैली धातुओं से मिलेगी निजात

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK :

प्रदूषित मिट्टी के कारण पानी में कई ऐसी विषैली धातुओं की मौजूदगी रहती है, जो हमारी सेहत को बुरी तरह प्रभावित करती हैं। ऐसी धातुओं की पहचान और पानी से इन्हें अलग करने की प्रक्रिया पर लंबे समय से रिसर्च चल रहा था। हाल में हुए रिसर्च से यह जानकारी सामने आई है कि एक अत्यंत सरल विधि के माध्यम से अब पानी में मौजूद विषैली धातुओं की पहचान कर इन्हें अलग किया जा सकता है और पीने के पानी की क्वालिटी बढ़ाई जा सकती है। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी यानी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे और ऑस्ट्रेलिया की मोनाश यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने पानी में जहरीली भारी धातुओं का पता लगाने के लिए एक सस्ता व प्रभावी सेंसर डेवलप किया है। यह सेंसर तांबा आधारित मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क (एमओएफ) तकनीक पर बना है। इससे पानी में सूक्ष्म मात्रा में मौजूद सीसा (लेड), कैडमियम और पारा (मर्करी) जैसी खतरनाक धातुओं की चंद सेकंड में पहचान हो सकती है।

आईआईटी बॉम्बे और ऑस्ट्रेलिया की मोनाश यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों ने खोजी विधि

तांबा आधारित मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क तकनीक पर बनाया गया है स्पेशल सेंसर

त्वचा, हड्डियों, मस्तिष्क व अन्य अंगों को नुकसान पहुंचाते हैं हेवी मेटल

चंद सेकेंड में जल में मौजूद सीसा, पारा और कैडमियम का लग जाएगा पता

नए विशेष सेंसर के माध्यम से शरीर में रोग उत्पन्न करने वाली स्थिति से होगा बचाव

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में वाटर क्वालिटी की आसानी से की जा सकेगी निगरानी

जल प्रदूषण के नियंत्रण में भी मिलेगी मदद

रिसर्च पेपर के पहले लेखक प्रशांत कन्नन ने बताया, इस एमओएफ में दो तांबे के परमाणु टीसीपीपी अणु से जुड़कर 'पैडल-व्हील' संरचना बनाते हैं। भारी धातुएं इस संरचना में तांबे की जगह लेकर सेंसर को सक्रिय कर देती हैं, जिससे उनकी मौजूदगी का संकेत मिल जाता है। वैज्ञानिकों ने यह दावा किया है कि यह सस्ता व पोर्टेबल सेंसर ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में पानी की गुणवत्ता की निगरानी में क्रांति ला सकता है। इस तकनीक का इस्तेमाल औद्योगिक कचरे की निगरानी और पेयजल स्रोतों की सुरक्षा में भी किया जा सकेगा। पर्यावरणविदों ने इस खोज को भारत में जल प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है।

पारंपरिक सेंसर से अधिक संवेदनशील

यह उल्लेखनीय है कि भारी धातुएं पानी में मिलने पर लंबे समय तक बनी रहती हैं। जीवों के शरीर में जमा होकर गंभीर बीमारियों का कारण बनती हैं। इनके संपर्क में आने से त्वचा, हड्डियों, मस्तिष्क व अन्य अंगों को नुकसान पहुंचता है, खासकर बच्चों के लिए यह घातक है। शोधकर्ताओं ने तांबे और कार्बनिक यौगिक टेट्राकिस पोर्फिरिन से कॉपर-टेट्रा कार्बोक्सीफेनिल पोर्फिरिन नामक एमओएफ बनाया, जो पारंपरिक सेंसर के मुकाबले 10 गुना अधिक संवेदनशील है।

इजरायल ने एक बार फिर गाजा में उतारे टैंक, शुरू कर दिए ग्राउंड अटैक

NEW DELHI : इजरायल ने गाजा में एक बार फिर से टैंक उतारकर जमीनी हमले शुरू कर दिए हैं। इजरायली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) के अनुसार, उसने गाजा पट्टी के सेंट्रल और साउथ के हिस्सों में ग्राउंड ऑपरेशन चालू किया हैं। आईडीएफ के इस ग्राउंड ऑपरेशन का मकसद नॉर्थ और साउथ गाजा के बीच एक बफर जोन बनाना और इजरायल बॉर्डर से लगे सिक्योरिटी जोन का विस्तार करना है। नॉर्थ और साउथ गाजा को अलग करने वाले नेतजारिम कॉरिडोर में आईडीएफ की 252वीं डिविजन के सैनिक दाखिल हो गए हैं। इसके आधे से ज्यादा इलाके पर सेना ने कब्जा भी कर लिया है। दूसरी तरफ रक्षा मंत्री काट्ज ने बंधकों को नहीं लौटाने पर हमास को पूरी तरह बर्बाद करने की धमकी दी है। बुधवार की रात यरूशलम में नेतन्याहू के खिलाफ हजारों लोग सड़क पर प्रदर्शन करने उतरे और जमकर प्रदर्शन किया।

सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने दी मंजूरी

आर्मी के लिए स्वदेशी आर्टिलरी गन सिस्टम खरीदने का रास्ता साफ

AGENCY NEW DELHI :

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने भारतीय सेना के लिए स्वदेशी उन्नत टोड आर्टिलरी गन सिस्टम (एटीएजीएस) हासिल करने के लिए करीब 7000 करोड़ रुपये के सौदे को मंजूरी दी है। यह सौदा 307 हॉवित्जर के लिए है, जिनकी मारक क्षमता 45-48 किलोमीटर तक है। इस सौदे में सेना की 15 आर्टिलरी रेजिमेंटों को हथियार पहुंचाने वाले 327 गन टोइंग वाहन भी शामिल हैं। इस अनुबंध पर अगले सप्ताह सौदे पर हस्ताक्षर होने की संभावना है, जिससे भारीभरकम हॉवित्जर के निर्माण में घरेलू क्षमता को बढ़ावा मिलेगा।

- अगले सप्ताह सौदा होने की संभावना, हॉवित्जर के निर्माण में घरेलू क्षमता को मिलेगा बढ़ावा मिलेगा
- सौदे में 15 आर्टिलरी रेजिमेंटों को हथियार पहुंचाने वाले 327 गन टोइंग वाहन भी शामिल
- 50 किलोमीटर की दूरी तक लक्ष्य को भेदने में सक्षम

BRIEF NEWS

सुदीप गुड़िया ने उठाया आईटीआई पढ़ाई का मामला

KHUNTI : तोरपा के झामुमो विधायक सुदीप गुड़िया ने गुरुवार को विधानसभा में तोरपा विधानसभा क्षेत्र के तोरपा और बानो प्रखंड में

आईटीआई की पढ़ाई शुरू करने की मांग सदन के माध्यम से की। विधानसभा में शून्यकाल के दौरान विधायक ने मामला उठाते हुए कहा कि तोरपा तोरपा प्रखंड के चन्द्रपुर (डोड़मा) और बानो प्रखंड के समडेगा में आईटीआई भवन बनकर तैयार है, लेकिन अभी तक वहां पढ़ाई शुरू नहीं की गई है। इसके कारण क्षेत्र के छात्र प्रशिक्षण लेने के लिए दूर-दराज के केन्द्रों में जाने के लिए बाध्य हैं। उन्होंने कहा, मैं सदन के माध्यम से मांग करता हूं कि दोनों केन्द्रों में यथाशीघ्र पढ़ाई शुरू की जाए।

स्टेट चैंपियनशिप में भाग लेंगे खूंटी के छह बॉक्सर

KHUNTI : जमशेदपुर में रविवार से शुरू हो रही 18वीं झारखण्ड स्टेट यूथ बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भाग लेने खूंटी जिले की टीम गुरुवार को जमशेदपुर रवाना हुई। टीम में बॉक्सर निखिल नाग, सुमित भेंगरा, हिमांशु विवेक तिडू, मो इंतेखाब अंसारी, सुमित नाग, रघु तन्मय पाहन शामिल हैं। टीम मैनेजर गोडविन तोपनो और कोच शुभम तिवारी भी खिलाड़ियों के साथ गए हैं। प्रतियोगिता 21 से 23 मार्च तक होगी।

पलामू के पूर्व सीओ के खिलाफ पीआईएल

PALAMU : पलामू जिले के सदर अंचल के पूर्व अंचलाधिकारी झुन्नू

मिश्रा के खिलाफ झारखंड हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। सदर प्रखंड के सुआ कौड़िया निवासी समाजिक कार्यकर्ता प्रेम प्रकाश ठाकुर ने झुन्नू मिश्रा के खिलाफ हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर किया है। प्रेम प्रकाश के अनुसार झुन्नू मिश्रा ने सदर अंचल में रहते अनेकों गड़बड़ियां की हैं, जैसे विवादित जमीन का पैसा लेकर रसीद काटना, एलपीएस, म्यूटेशन को पहले रिजेक्ट करना फिर मोटी रकम लेकर एक्सेप्ट करना, जबकि नियम यह कहता है कि रिजेक्ट किए हुए फाइल को वरीय पदाधिकारी के आदेश के बाद ही एक्सेप्ट करना है।

केबीपी माइनिंग के लिए 30 एकड़ जमीन चिह्नित

RAMGARH : जिले के वेस्ट बोकारो ओपी क्षेत्र अंतर्गत कोतरे बसंतपुर पचमो (केबीपी) परियोजना के लिए अधिकारियों ने जमीन चिन्हित की है। इस क्षेत्र में वैसी सरकारी जमीन जो ग्रामीणों के कब्जे में है और उसकी जमाबंदी चल रही है। उसके लिए स्टेटमेंट-6 तैयार किया गया है। अपर समाहर्ता कुमारी गीतांजलि, एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी, एलआरडीसी दीप्ति कुजूर की मौजूदगी में जमीन चिन्हित करने का कार्य किया गया है। प्रथम चरण में 30 एकड़ जमीन चिन्हित की गई है। अपर समाहर्ता कुमारी गीतांजलि ने बताया कि केबीपीएमएल कंपनी इस क्षेत्र में माइनिंग का कार्य शुरू करने जा रही है। उन्हें लगभग 1100 हेक्टेयर जमीन में अपना काम करना है।

बीसी सेंटर के संचालक से लूट मामले में एक और आरोपी किया गया गिरफ्तार

दो हथियार, मोबाइल फोन व लूट का पैसा भी हुआ बरामद

AGENCY LOHARDAGA : कुडू थाना क्षेत्र के सिंजो चौक में संचालित बीसी सेंटर संचालक से लूटपाट मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर गुरुवार को लोहरदगा जेल भेज दिया है। कुडू थाना में आयोजित पत्रकार वार्ता में पुलिस अधीक्षक हारिश बिन जमां ने बताया कि पिछले 10 मार्च को बीसी सेंटर के संचालक सिंजो बारडीह गांव निवासी चांद खान से दो बाइक सवार हथियारबंद अपराधियों ने 60 हजार नगद तथा अन्य कागजात लूटकर फरार हो गए थे। उन्होंने बताया कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लूट के पांच घंटे के भीतर दो अपराधियों शमीम खान तथा फरहान अंसारी को लूटपाट में प्रयुक्त बाइक के

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते एसपी हारिश बिन जमां ● फोटोन न्यूज

साथ गिरफ्तार किया था। साथ ही लुटे गए राशि में चार हजार नगद बरामद किया गया था। पकड़े गए आरोपियों ने घटना में शामिल अन्य अपराधियों की जानकारी दी गई। गठित टीम ने रांची जिले के चान्हो थाना क्षेत्र के बड़हेईया गांव में छापामारी करते हुए अशोक यादव के पुत्र रौशन कुमार को गिरफ्तार किया।

उन्होंने बताया कि रौशन कुमार मुल रूप से बिहार के पटना जिले के दीदारगंज थाना क्षेत्र के महुली गांव का रहने वाला है। वर्तमान में रांची जिले के चान्हो थाना क्षेत्र के बड़हेईया गांव का निवासी है। पकड़े गए आरोपी के पास लुट का 490 रुपए,दो देशी कट्टा,दो कारतूस, लूट का एक मोबाइल फोन तथा एक अन्य फोन तथा अन्य सामान बरामद किया गया। पकड़े गए आरोपी पर चान्हो थाना में पूर्व से एक मामला दर्ज है। पुलिस अधीक्षक हारिश बिन जमां ने बताया कि बीसी सेंटर संचालक से लूटपाट मामले में तीन आरोपी पकड़े गए हैं।

साथ ही लूट का लगभग चार हजार पांच सौ रुपये, दो हथियार, एक बाइक, लूट का एक मोबाइल सहित तीन मोबाइल फोन जब्त किया गया है। फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस लगातार छापामारी कर रही है।

गिरिडीह : किराना स्टोर डकैती मामले में दो अपराधी किए गए गिरफ्तार

मामले की जानकारी देते एसपी डॉ. विमल कुमार ● फोटोन न्यूज

GIRIDIH : हथियार के बल पर शुभम किराना स्टोर के संचालक मनोज साहू के दुकान और घर में हुई लूटपाट मामले में संलिप्त दो अपराधियों को गिरिडीह के जमुआ थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एसपी डॉ. विमल कुमार एवं जमुआ थाना मणिकांत ने गुरुवार को एक प्रेसवार्ता कर बताया कि गिरफ्तार अपराधी गंगाधर पासवान बिहार के जमुई के सिमुल्तल्ला थाना इलाके के लाहबान गांव का रहने वाला है, उसका साथी निक्कू पासवान भी जमुई के चन्द्रमण्डी छोटकीठाडी का रहने वाला है। एसपी ने बताया कि मनोज साहू के घर से 8 लाख नगद समेत जेवर की लूट हुई थी। पुलिस ने 18 हजार नगद के साथ जेवर वजन करने वाला तराजू समेत तीन बाइक और एक लोहे का राड बरामद किया है। उन्होंने बताया कि दोनों अपराधियों ने अपने साथियों के साथ मिलकर जमुआ रेलवे स्टेशन के समीप शुभम किराना स्टोर के मालिक मनोज साहू के दुकान और घर में डकैती कि घटना को अंजाम दिया था। गिरफ्तार अपराधी गंगाधर पासवान के खिलाफ जमुई के अलग-अलग थानों में डकैती के कई केस दर्ज हैं।

निर्माणाधीन मकान से कर रहे थे साइबर ठगी, सात अपराधी धराए, भेजे गए जेल

32 एंड्रायड फोन, 7 आईफोन, 36 सिमकार्ड व पांच बाइक भी जब्त

PHOTON NEWS JAMTARA : नारायणपुर थाना क्षेत्र के बांसपहाड़ी में एक निर्माणाधीन भवन से साइबर ठगी को अंजाम दे रहे सात युवकों को साइबर थाना की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सभी बिहार, बंगाल, महाराष्ट्र और कर्नाटक के लोगों को गूगल में विभिन्न ई-कामर्स कंपनियों, ई-पेमेंट कंपनियों, उपभोक्ता सामग्री कंपनियों के कस्टमर केयर नंबर के रूप में अपना फर्जी मोबाइल नंबर डालकर उपभोक्ताओं को कॉल कर उन्हें समस्याओं का निपटारा करने के नाम पर ठग रहे थे। एसपी एहतेशाम वकारिब ने गुरुवार को साइबर थाना में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि सूचना मिली थी कि

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते एसपी एहतेशाम वकारिब ● फोटोन न्यूज

साइबर अपराध के मामले में 14वें स्थान पर जामताड़ा

एसपी ने बताया कि जामताड़ा जहां पहले स्थान पर साइबर ठगी मामले में था, वह मिथक टूटा है। एनसीपीआर के डाटा के अनुसार जामताड़ा टॉप-10 से बाहर आ गया है। अभी 14वें स्थान पर है। यह साइबर टीम के लिए सुखद बात है। साइबर टीम का प्रयास है कि जामताड़ा को इस सूची से भी बाहर लाया जाए। इसके लिए लोगों को जागरूक करना है। सभी सहयोग करें।

नारायणपुर के जंगल में साइबर ठगी को अंजाम दिया जा रहा है। इसी आधार पर थाना प्रभारी मनोज कुमार महतो के नेतृत्व में वैभव सिंह, स्टेनली हेंब्रम एवं अन्य पुलिसकर्मियों को शामिल करते बांसपहाड़ी स्थित निमार्णाधीन मकान में छापेमारी की गई। यहां से साइबर ठगी करते लोकनिया निवासी 27 वर्षीय भरत दे, मुगियामारनी निवासी 20 वर्षीय असरफ अंसारी, 26 वर्षीय रहमत अंसारी, 25 वर्षीय जुबैर अंसारी, पहाड़पुर निवासी 24 वर्षीय सफाकत अंसारी, झिलुआ निवासी 20 वर्षीय) विजय कुमार मंडल व लटैया निवासी 19 वर्षीय अशोक मंडल को गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में इनके विरुद्ध जामताड़ा साइबर अपराध थाने में आईटी एक्ट के तहत प्राथमिकी की गई है। इन लोगों के पास से 32 एंड्रायड फोन, 7 आईफोन, 37मोबाइल सिम, पांच मोटरसाइकिल जब्त किया गया है।

जंगल से अधेड़ व्यक्ति का शव हुआ बरामद

CHATRA : राजपुर पुलिस ने गुरुवार को थाना क्षेत्र के पथेल जंगल से एक अधेड़ व्यक्ति का लावारिस हालत में शव बरामद किया है। शव की पहचान बिहार के बाराचट्टी थाना क्षेत्र के विहगी गांव निवासी हरिहर सिंह भोक्ता 55 वर्ष के रूप में हुई है। बरामद की गई शव पूरी तरह गल चुका है और शव से काफी दुर्गंध आ रही है। गौरतलब है कि पथेल गांव के कुछ ग्रामीण नदी में मछली मारने गए गए थे। मछली पकड़ते कुछ दूर सुनसान जगह पर पहुंचे जहां एक झाड़ी में आदमी का शव देखा गया। जिससे बदबू आ रही थी। शव देखकर ग्रामीणों ने इसकी सूचना राजपुर पुलिस को दिया। सूचना मिलते ही राजपुर थाना प्रभारी पुलिस जवानों के साथ पथेल गांव स्थित पीओ पर पहुंचे। जहां पूरी तरह जांच पड़ताल कर शव को अपने कब्जे में लेकर राजपुर थाना लाया गया। गुरुवार को थाना प्रभारी ने पोस्मार्टम हेतु चतरा सदर अस्पताल भेज दिया। जहां से शव को हजारीबाग सदर अस्पताल लाकर रेफर कर दिया गया। इस संबंध में थाना प्रभारी संदीप कुमार ने बताया कि मृतक मानसिक रूप से अर्धविक्षिप्त था और उसके गले में रस्सी बांधी हुई मिली। प्रथमदृष्टया मृतक स्वयं गले में रस्सी बांधकर आत्महत्या कर ली है। फिलहाल यूडी का मामला दर्ज करने की तैयारी चल रही है।

एफआरए, भूअर्जन तथा परियोजनाओं की डीसी ने की समीक्षा

जिले की सभी परियोजनाओं में आ रही अड़चनों को दूर करें अधिकारी : डीसी

AGENCY RAMGARH : रामगढ़ जिले में आधारभूत संरचनाओं, एफआरए, भूअर्जन तथा विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा गुरुवार को डीसी चंदन कुमार ने की। भारतमाला परियोजना, राष्ट्रीय राजमार्ग 33, रेलवे सहित अन्य सड़क निर्माण संबंधित योजनाओं की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने पैकेजवार मुआवजा भुगतान की स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान डीसी ने कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। वहीं संबंधित क्षेत्रों के अंचल अधिकारियों को मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया संबंधित ग्राम सभा के आयोजन सहित अन्य प्रक्रियाएं पूरी करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक को संबोधित करते डीसी चंदन कुमार ● फोटोन न्यूज

सीसीएल पीवीयूएनएल के कार्यों का जल्द हो निपटारा

बैठक के दौरान डीसी ने सीसीएल, पथ निर्माण विभाग, पीवीयूएनएल, सहित अन्य परियोजनाओं के अधिकारियों से उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने एफआरए, एनओसी, जमीन अधिग्रहण सहित लंबित मामलों की जानकारी लेने के उपरांत जल्द से जल्द कार्रवाई करते हुए उनके निष्पादन के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान अंचलवार अंचल अधिकारियों से उनके-उनके क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं में भूमि सहित अन्य मामलों की जानकारी ली। उन्होंने सभी मामलों पर कार्रवाई करते हुए ससमय उनका निष्पादन करने का निर्देश दिया।

परियोजना की समस्याओं से अवगत कराते रहें अधिकारी

समीक्षा के क्रम में डीसी ने सभी परियोजनाओं के अधिकारियों को किए जा रहे कार्यों के दौरान आने वाली समस्याओं से जिला प्रशासन को नियमित रूप से अवगत कराने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान अपर समाहर्ता कुमारी गीतांजलि, अनुमंडल पदाधिकारी अनुराग कुमार तिवारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता, नजारत उप समाहर्ता, विभिन्न परियोजनाओं के महाप्रबंधक, जिला स्तरीय अधिकारियों, अंचल अधिकारियों सहित अन्य उपस्थित थे।

उलिहातु से आरंभ हुई कांग्रेस की स्वराज यात्रा

KHUNTI : झारखंड प्रदेश राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के तत्वावधान में गुरुर को कांग्रेस की स्वराज यात्रा शुरू हुई। भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली खूंटी जिले के अड़की प्रखंड स्थित उलिहातु गांव में यात्रा की शुरूआत प्रदेश कांग्रेस के चेयरमैन सुनीत शर्मा के नेतृत्व में हुई। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, पूर्व मंत्री बंधु तिर्की व रविंद्र सिंह भी उपस्थित थे। यह यात्रा 22 मार्च को बापू वाटिका, मोहरावादी मैदान, रांची पहुंच कर संपन्न होगी। इस पदयात्रा में पंचायती राज संगठन, पूर्वी सिंहभूम के चेयरमैन पवन कुमार बबलू, सतीश पाल, मुंजनी, शांतनु मिश्र व अनुप्रिया सोय भी शामिल हुए।

नक्सलियों ने कोल डिपो में पोकलेन मशीन को लगाई आग, अफरातफरी

AGENCY HAZARIBAG : रामगढ़-हजारीबाग सीमावर्ती इलाके में नक्सलियों ने एक बार फिर उत्पात मचाया है। उरीमारी थाना क्षेत्र अंतर्गत न्यू बिरसा कोल डिपो में फायरिंग और आगजनी की घटना को अंजाम टीपीसी नक्सली संगठन के सदस्यों ने दिया है।

बुधवार की देर रात हथियार से लैस पहुंचे उग्रवादियों ने पहले पांच राउंड फायरिंग की। इस बीच कोल डिपो में लगे एक जेसीबी मशीन को जला दिया। वहीं दो जेसीबी मशीन सहित तीन हाइवा का शीशा तोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया है।

उग्रवादियों द्वारा की गई फायरिंग में एक सीसीएल कर्मी संतोष मुंडा के पैर में गोली लगी है।

घटनास्थल पर जुटे लोग व जलती पोकलेन ● फोटोन न्यूज

पुलिस के पहुंचते ही भाग गए नक्सली

उरीमारी थाना प्रभारी रामकुमार राम ने बताया कि घटनास्थल पेट्रोलिंग गाड़ी पहुंचते ही उग्रवादी घटनास्थल से भाग निकले। इसके बाद आग को बुझाने का काम किया गया। पुलिस ने संदेह के आधार पर रांची जिला हिंदेगीर छापर से कुल दस लोगों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ जारी है। घटना की सूचना मिलते ही झामुमो केंद्रीय सचिव सह विस्थापितों के नेता सोनाराम मांझी घटनास्थल पहुंचकर जायजा लिया और घटना की निंदा करते हुए पुलिस प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की गई है। उरीमारी क्षेत्र में लगातार बढ़ती अपराधिक घटनाओं के बाद पुलिस को चुनौती बन गई जिसे लेकर पुलिस अब पूरी तरह से सक्रिय हो गई है।

बिजली के खंभे भी गिरे, डीआरएम ऑफिस में बाल-बाल बचे रेलकर्मी व अधिकारी, कार-बाइक हुए क्षतिग्रस्त, बिजली गुल

आंधी-पानी ने मचाई तबाही, चक्रधरपुर-चाईबासा एनएच पर गिरा विशाल पेड़, जाम

PHOTON NEWS CKP : गुरुवार शाम को आई तेज आंधी व बारिश के साथ ओलावृष्टि ने पूरे कोल्हान में भारी तबाही मचाई। बोड़दा पुल के पास विशाल पेड़ गिरने से चाईबासा-चक्रधरपुर एनएच-75ई पर शाम छह बजे से जाम लग गया है। इससे क्षेत्र के कई इलाकों में कई पेड़ गिरने की सूचना है। बिजली गुल होने से पूरा चक्रधरपुर ब्लैकआउट हो गया। चक्रधरपुर स्थित रेल मंडल मुख्यालय परिसर में भी एक विशाल पेड़ गिरने से दो कार समेत स्कूटी और बाइक क्षतिग्रस्त हो गए। इस हादसे में चक्रधरपुर रेल मंडल के टीआरडी विभाग में पदस्थापित रेलवे अधिकारी संजय कुमार की कार भी क्षतिग्रस्त हो गई। पेड़ गिरने की घटना में डीआरएम कार्यालय परिसर में मौजूद रेलकर्मी और

सड़क पर गिरा बिजली का खंभा, डीआरएम ऑफिस की पार्किंग में गिरा पेड़ ● फोटोन न्यूज

अधिकारी भी बाल-बाल बच गए। शाम को काम खत्म कर सभी लोग कार्यालय से बाहर निकल रहे थे। गनीमत रही की पेड़ की चपेट में कोई नहीं आया। अगर पेड़ किसी के ऊपर गिरता तो जान-माल का काफी नुकसान हो सकता था। इस घटना के बाद किसी तरह लोगों ने अपनी बाइक और स्कूटी निकाली और अपने घर गए। लेकिन, पेड़ के नीचे दबी कार को निकाला नहीं जा सका। रेल अधिकारियों ने बताया कि वह काम पूरा कर अपनी कार की तरफ बढ़ ही रहे थे कि तभी अचानक तेज हवा में उसके सामने विशाल पेड़ गिर गया और पेड़ सीधे उनकी कार पर जा गिरा। कार के ऊपर पेड़ के गिरते ही उनकी कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। अगर पेड़ गिरने की यह घटना 1 मिनट बाद होती तो यह उनकी जान के लिए भी खतरा हो सकता था। इस घटना के बाद धराशाई हुए विशाल पेड़ को काटकर मौके से हटाने की कार्रवाई रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग द्वारा की जा रही है। कार को निकालने का प्रयास किया जा रहा है।

सिर्फ यही नहीं तेज हवा और बारिश में चक्रधरपुर के कई इलाकों में पेड़ गिरने से बिजली के खंभे भी धराशाई हो गए हैं, जिसके बाद शाम से ही पूरे चक्रधरपुर व चाईबासा में ब्लैकआउट की स्थिति उत्पन्न हो गई। चक्रधरपुर में बिजली आपूर्ति पूरी तरह से बंद कर दी गई। वहीं बिजली विभाग के कर्मचारी धराशाई हुए खंभों और बिजली के तारों की मरम्मत में जुट गए है। बिजली मरम्मत का यह कार्य कब तक पूरा होगा और कब तक लोगों के घरों में को बिजली आपूर्ति की जाएगी, इसका कोई आकलन नहीं किया जा रहा है। पूरा इलाका अंधेरे में डूब गया है। इस दौरान लोगों को सड़कों पर आवागमन करने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। घरों में बिजली नहीं रहने से भी लोग काफी परेशान रहे। हालांकि बारिश से लोगों को गर्मी से निजात भी मिली है।

श्याम महोत्सव का पंडाल गिरा, कई घायल

CHAIBASA : चाईबासा के गांधी टोला में गुरुवार की शाम आंधी से श्याम महोत्सव का पंडाल गिर गया। उस दौरान वहां आरती चल रही थी, जिससे पंडाल के अंदर मौजूद सैकड़ों श्रद्धालु दब गए। पंडाल गिरते ही चीख-पुकार और अफरातफरी मच गई। किसी तरह घायलों को बाहर निकाला गया और उन्हें नजदीक के अस्पताल भेजा गाया। कई लोगों को गंभीर चोट लगी है।

कस्तूरबा विद्यालय में लगी आग रसोइया व दो छात्राएं झुलसीं

अस्पताल में इलाजरत रसोइया व छात्राएं ● फोटोन न्यूज

SIMDEGA : सिमडेगा जिले के कोलेबिरा प्रखंड स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में गुरुवार को गैस सिलेंडर के रेगुलेटर में लगी पाइप के खुल जाने से हादसा हो गया। हालांकि आग पर तुरंत काबू पा लिया गया, लेकिन इस घटना में रसोइया और दो छात्राएं झुलस गईं।

जानकारी के अनुसार, सुबह लगभग 6 बजे रसोइया किरण कुमारी खाना बना रही थी। खाना बनाने के क्रम में गैस सिलेंडर का पाइप खुल जाने के कारण गैस का रिसाव होने लगा, जिससे चूल्हे की आग भड़क उठी। पहले रसोइया ने आग बुझाने का काफी प्रयास किया, जिससे वह झुलस गई। उसे देख 11वीं की छात्रा ऐश्वर्या सिंह और छात्रा आरती कुमारी भी रसोइया को बचाने के क्रम में झुलस गई। हालांकि उन्होंने हिम्मत नहीं हारते हुए अंततः गैस सिलेंडर को कंबल को पानी में डुबोकर ढंकने का प्रयास किया, जिससे काफी मशक्कत के बाद आग बुझ गई और बड़ा हादसा होते-होते टल गया।

प्रत्यर्पण के लिए मिल चुकी है मंजूरी, लाने के लिए जाएंगे एटीएस एसपी, फिलहाल बाकू स्थित एक जेल में है बंद

अजरबैजान से जल्द भारत लाया जाएगा कुख्यात अपराधी मयंक सिंह

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड पुलिस का मोस्ट वांटेड अपराधी मयंक सिंह उर्फ सुनील मीणा अब जल्द ही अजरबैजान से भारत लाया जाएगा। प्रत्यर्पण संधि के अनुसार, अजरबैजान की सरकार ने उसके प्रत्यार्पण को मंजूरी दे दी है। मयंक फिलहाल अजरबैजान के बाकू जेल में बंद है। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि केंद्रीय एजेंसियों की सहायता से झारखंड पुलिस ने यह कामयाबी पाई है। डीजीपी ने कहा कि झारखंड एटीएस द्वारा केंद्रीय एजेंसियों और इंटरपोल के माध्यम से पुख्ता दस्तावेजों और सबूत के आधार पर अजरबैजान की बाकू की उच्च अदालत ने भी मयंक सिंह को कुख्यात अपराधी स्वीकार करते हुए उसके प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है। इससे पहले झारखंड एटीएस को उस समय बड़ी सफलता हाथ लगी थी, जब बाकू की निचली अदालत द्वारा मयंक सिंह के प्रत्यर्पण को हरी झंडी दी गई थी।

डीजीपी बोले- केंद्रीय एजेंसियों की सहायता से झारखंड पुलिस को मिली कामयाबी

बाकू की उच्च अदालत ने मयंक को माना बड़ा क्रिमिनल, प्रत्यर्पण की दी इजाजत

टीम को भेजने के लिए झारखंड सरकार से लेनी है अनुमति

अजरबैजान के कानून के अनुसार मयंक सिंह को ऊपरी अदालत में अपील करने का मौका भी दिया गया था, लेकिन उच्च अदालत ने भी निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा। फिलहाल मयंक सिंह अजरबैजान की राजधानी के बाकू स्थित एक जेल में बंद है। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि झारखंड एटीएस के एसपी के नेतृत्व में झारखंड पुलिस की एक टीम जल्द ही अजरबैजान जाएगी। और फिर उसे भारत लाकर अदालत में पेश कर उसे सजा दिलाया जाएगा। डीजीपी ने बताया की एटीएस की टीम को अजरबैजान भेजने के लिए झारखंड सरकार से अनुमति लेनी है। उसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अनुमति प्राप्त होते ही एटीएस की टीम अजरबैजान के लिए निकल जाएगी।

मयंक सिंह

राजस्थान का रहने वाला है मयंक

कुख्यात गैंगस्टर रहे अमन साव और इंटरनेशनल गैंगस्टर बन चुके लारेंस के बेहद खास मयंक सिंह उर्फ सुनील मीणा झारखंड का ऐसा पहला अपराधी होगा, जिसकी गिरफ्तारी विदेश से हुई और अब उसे बाकू से प्रत्यर्पित कर भारत लाया जाएगा। राजस्थान का रहने वाला मयंक सिंह उर्फ सुनील मीणा बेहद कुख्यात अपराधी है।

अजरबैजान से है भारत की प्रत्यर्पण संधि

उल्लेखनीय है कि अजरबैजान देश के साथ भारत की प्रत्यर्पण संधि पहले से है। इसका फायदा मयंक सिंह के केस में मिला है। डीजीपी ने बताया कि विदेश में बैठकर झारखंड में आतंक मचा रहे अपराधियों के खिलाफ यह बड़ी सफलता है। ऐसे हर अपराधी को भारत लाकर उन्हें अदालत से सजा दिलाई जाएगी, जिसमे प्रिंस खान भी शामिल है।

एक साल पहले हुई असली पहचान

सच्चाई यह है कि पिछले साल तक झारखंड पुलिस के लिए मयंक एक पहेली बना हुआ था। एटीएस की जांच में यह बात सामने आई कि इंटरनेट कॉल के जरिए झारखंड के कारोबारियो को दहशत में डालने वाला मयंक सिंह असल में सुनील कुमार मीणा है। झारखंड में शायद ही कोई ऐसा कारोबारी हो, जिसे मयंक ने इंटरनेट कॉल पर धमकी न दी हो। मयंक उर्फ सुनील मीना के खिलाफ एटीएस थाने सहित झारखंड के एक दर्जन थानों में दर्जनों मामले दर्ज है। मयंक के बारे में फूल फ्रूफ जानकारी मिलने के बाद झारखंड एटीएस की एक टीम राजस्थान के अनूपगढ़ जिले के नई मंडी थाना क्षेत्र के जीडीए पुरानी मंडी घड़साना स्थित मीना के घर डुगडुगी बजा कर इश्तिहार भी चस्पा किया था। एटीएस ने नई मंडी थाना की मदद से सुनील मीना उर्फ मयंक सिंह के कई चल-अचल संपत्ति का भी पता लगाया है। एटीएस ने मयंक उर्फ सुनील मीणा के खिलाफ राजस्थान में कुर्की जब्ती भी की है। जैसे ही मयंक की पहचान हुई फौरन उसे खिलाफ आगे की कार्रवाई झारखंड एटीएस ने शुरू कर दी।

गैंगस्टर अमन का भी खुलेगा राज

डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि मयंक को भारत लाने से न सिर्फ झारखंड पुलिस बल्कि राज्य के कई अन्य पुलिस को भी काफी फायदा मिलेगा। गैंगस्टर अमन साव (अब मृत) के फाइनेंशियल नेटवर्क के साथ-साथ पूरे हथियार नेटवर्क को मयंक ही संभालता था। मयंक से पूछताछ के बाद जो कार्रवाई होगी। उसमें अमन साव के हथियार और फाइनेंशियल नेटवर्क दोनों को ध्वस्त करने में सहायता मिलेगी। पिछले पांच साल तक झारखंड पुलिस को यही पता नही था की मयंक सिंह कौन है। एटीएस की टीम ने अथक प्रयास के बाद यह पता लगाया कि मयंक सिंह असल में सुनील मीणा है, जो राजस्थान का रहने वाला है। विदेश में रहकर झारखंड में आपराधिक गतिविधियों का संचालन कर रहा है। इसके बाद उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया और वह

रेड कॉर्नर नोटिस के कारण ही अजरबैजान में पकड़ा गया। बताया जाता है कि मयंक सिंह उर्फ सुनील मीणा कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस के बचपन का दोस्त है। अपराध की दुनिया में लॉरेंस और मयंक ने एक साथ कदम रखा था। अपराध के कई मामलों में मयंक जेल भी जा चुका है। पिछले 2 साल वह मलेशिया में बैठकर लारेंस के कहने पर झारखंड के कुख्यात गैंगस्टर रहे अमन साव के साथ काम कर रहा था।

BRIEF NEWS

अब 23 को होगा इंटर स्कूल-कॉलेज कराटे चैंपियनशिप का आयोजन

RANCHI : 22 मार्च को रांची के संत जोसेफ क्लब में होने वाली इमा कप झारखंड इंटर स्कूल-कॉलेज कराटे चैंपियनशिप अब 23 मार्च को होगी। 22 मार्च को रांची बंद बुलाए जाने के कारण यह निर्णय लिया गया है। कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के ट्राइबल एंड माइनॉरिटी डेवलपमेंट कमीशन के चेयरमैन सह इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी के तकनीकी निदेशक शिहान सुनील किस्पोट्टा ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में झारखंड के अलावा अन्य राज्य के भी खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। खिलाड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा ना हो। इस वजह से प्रतियोगिता को 22 मार्च के स्थान पर 23 मार्च को आयोजित किया जाएगा। 23 मार्च को खिलाड़ी सुबह 8 बजे रिपोर्ट करेंगे। 8.30 से प्रतियोगिता प्रारंभ होगी। 11.30 बजे कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया जाएगा।

कर्मचारियों को वैकल्पिक व्यवस्था के बिना ही सरकार ने छोड़ दिया : अजय शाह

RANCHI : झारखंड सरकार के कर्मचारियों के लिए लागू की गई स्वास्थ्य बीमा योजना पर भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने हमला बोला। उन्होंने इस योजना को कई खामियों से भरा हुआ बताया। साथ ही कहा कि इससे राज्य के सरकारी कर्मचारियों में गहरी नाराजगी है। अजय साह ने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि योजना को लागू करने से पहले ही पुरानी मेडिकल रीइंबर्समेंट योजना को खत्म कर दिया गया। इससे कर्मचारियों को वैकल्पिक व्यवस्था के बिना ही छोड़ दिया गया है, जो सरकार की लापरवाही को दर्शाता है। अजय साह ने बताया कि योजना के तहत कर्मचारियों को हेल्थ कार्ड बनवाना अनिवार्य है।

मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू का फेसबुक पेज हैक

RANCHI : नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू का फेसबुक पेज हैक हो गया है। इस खबर के बाद राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। गुरुवार की दोपहर उनके आधिकारिक पेज से अश्लील और आपत्तिजनक पोस्ट शेयर किये गये, जिसे देखकर उनके समर्थक और आम लोग हैरान रह गये। मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू और उनकी टीम को जैसे ही इस घटना की जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत फेसबुक पेज को रिकवर करने की कोशिश शुरू कर दी।

अस्पताल के पूरे कैंपस और विभागों के वार्डों में पसरी रही गंदगी

रिम्स में सफाईकर्मियों ने की हड़ताल एजेंसी पर केस दर्ज कराएगा प्रबंधन

PHOTON NEWS RANCHI :

गुरुवार को राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स में सफाईकर्मियों ने पेमेंट न मिलने के कारण हड़ताल कर दी। उनका कहना था कि पिछले 5 महीने से वेतन नहीं मिला है। हड़ताल के कारण रिम्स के वार्डों और कैंपस में गंदगी पसरी रही। इससे मरीजों और उनके परिजनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। रिम्स के विभिन्न वार्डों में कचरा पड़ा रहा और अस्पताल परिसर में झाड़ू नहीं लग पाया। सफाई कर्मियों की हड़ताल के कारण अस्पताल की सफाई व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो गई। सफाईकर्मियों ने इस बात को लेकर विरोध जताया कि वे कई महीनों से मेहनत करने के बावजूद वेतन नहीं मिल पा रहा हैं। इससे उनकी स्थिति भी दयनीय हो गई है। इधर प्रबंधन ने काम ठप किए जाने के बाद एजेंसी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का निर्णय लिया है।

सफाई ठप होने से मरीजों और परिजनों को झेलनी पड़ी परेशानी

- इमरजेंसी सेवा बाधित करने का एजेंसी पर लगाया जा रहा आरोप
- सफाईकर्मियों को 5 महीने से नहीं मिला है पेमेंट

संचालक के आश्वासन के बाद हड़ताल समाप्त

बाद में एजेंसी के संचालक से आश्वासन मिलने के बाद सफाईकर्मी काम पर लौट आए। उन्होंने कहा कि उन्हें कुछ ही दिनों में उनका बकाया वेतन मिल जाएगा, जिसके बाद हड़ताल समाप्त कर दी गई। एजेंसी का कहना था कि रिम्स प्रशासन द्वारा इस मामले पर पहले भी संज्ञान लिया गया था और यह आश्वासन दिया गया था कि भविष्य में इस तरह की स्थिति नहीं उत्पन्न होने दी जाएगी। इस बीच प्रबंधन ने भी पेमेंट देने में देरी कर दी। जिससे एजेंसी कर्मियों का पेमेंट नहीं दे पाई। रिम्स के सफाई कार्य के लिए हर साल 4 करोड़ रुपये का खर्चा आता है। रिम्स में अन्नपूर्णा यूटिलिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा कार्यरत सफाई कर्मचारी गुरुवार को ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए। वहीं बिना किसी पूर्व सूचना के काम बंद कर दिया। प्रबंधन का कहना है कि चूंकि रिम्स अतिआवश्यक सेवाओं की श्रेणी में आता है और इन सेवाओं को बाधित करना अपराध है। रिम्स प्रबंधन द्वारा अन्नपूर्णा यूटिलिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड पर आवश्यक सेवाओं को बाधित करने के लिए एफआईआर करने का निर्णय लिया गया है। विदित हो कि अन्नपूर्णा यूटिलिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के कर्मियों का दिसंबर 2024 तक भुगतान किया जा चुका है। जनवरी का विपत्र एजेंसी द्वारा फरवरी के अंत में जमा किया गया है और फरवरी का विपत्र अब तक प्राप्त नहीं हुआ है। प्रबंधन ने यह भी बताया कि अन्नपूर्णा यूटिलिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा वेतन भुगतान के सम्बन्ध में अपने कर्मियों को निरंतर गुमराह करने का इतिहास रहा है।

एजेंसी को ब्लैकलिस्टेड करने की तैयारी

अन्नपूर्णा यूटिलिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा अपने कर्मियों को गुमराह कर पूर्व में भी कार्यों को बाधित किया गया है। इसके लिए एजेंसी को चेतावनी भी दी गई है। निदेशक डॉ. राजकुमार ने एजेंसी को ब्लैकलिस्टेड करने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही ये भी बताया कि अन्नपूर्णा यूटिलिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किये जा रहे सफाई कार्यों के संबंध में विभिन्न स्तर पर शिकायत प्रबंधन को प्राप्त हुई है। निरीक्षण के दौरान निदेशक एवं अन्य पदाधिकारियों को भी परिसर में साफ सफाई संतोषजनक नहीं पाया गया है। इसके अलावा प्रबंधन द्वारा विपत्र की जांच में कई त्रुटियों सामने आती हैं। इतना ही नहीं रैन बसेरा कमिटी रिपोर्ट में एजेंसी के कुछ कर्मियों की गैरकानूनी कार्यों में संलिप्ता भी सिद्ध हुई है। ऐसे में एजेंसी का कार्यकाल खत्म होने वाला है और नए टेंडर की प्रक्रिया चल रही है। निदेशक ने चिकित्सा अधीक्षक को नई निविदा प्रक्रिया को अतिशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

रांची के 18 प्रखंडों से चयनित स्कूलों के 180 आरोग्य दूतों को किया गया सम्मानित

PHOTON NEWS RANCHI :

- सदर अस्पताल के ऑडिटोरियम में हुआ कार्यक्रम का आयोजन
- स्कूल हेल्थ एंड वेलफेयर प्रोग्राम के तहत मेहनत व समर्पण के आधार पर चुने गए आरोग्य दूत

गुरुवार को रांची के 18 प्रखंडों से चयनित पांच-पांच उत्कृष्ट विद्यालयों के 180 आरोग्य दूतों को गुरुवार को सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह रांची के सदर अस्पताल ऑडिटोरियम में स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग के समन्वय और सेंटर फॉर कैटालाइजिंग चेंज के तकनीकी सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड के तहत किया गया था। सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी विनय कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज और राज्य आरकेएसके सेल एनएचएम की रफत फरजाना ने 180 आरोग्य दूतों को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया। इन आरोग्य दूतों का चयन स्कूल हेल्थ एंड वेलफेयर प्रोग्राम के तहत उनकी मेहनत और समर्पण के लिए किया गया था। अतिथियों ने स्कूल हेल्थ एंड वेलफेयर प्रोग्राम के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से किशोरों में जीवन कौशल, सहपाठियों के साथ सकारात्मक संबंध, तार्किक और विश्लेषण कौशल, निर्णय लेने, समस्या समाधान और संवाद कौशल को बढ़ावा मिलता है। इसके साथ-साथ स्वास्थ्य से संबंधित संसाधनों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का भी कार्य किया जा रहा है, जिससे विद्यालयों में छात्र-छात्राओं का मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षिक परिणाम बेहतर हो सकते हैं।

पूर्व डीसी छवि रंजन की क्रिमिनल रिट पर अगली सुनवाई दो अप्रैल को

PHOTON NEWS RANCHI :

जमीन घोटाला के आरोपी रांची के पूर्व डीसी और निलंबित आईएएस अधिकारी छवि रंजन की क्रिमिनल रिट पर झारखंड हाईकोर्ट में अब दो अप्रैल को सुनवाई होगी। न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट में उनकी याचिका पर गुरुवार को सुनवाई हुई। इस दौरान छवि रंजन और ईडी के अधिवक्ता की ओर से बहस के लिए समय देने का आग्रह किया गया, जिसे कोर्ट ने स्वीकार करते हुए नयी तारीख दी है। रांची के बड़गाईं अंचल के बरियातु स्थित सेना के कब्जे वाली जमीन की खरीद बिक्री से जुड़े इस केस में ईडी रांची के पूर्व उपायुक्त आईएएस छवि रंजन, चर्चित कारोबारी विष्णु अग्रवाल, बड़गाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, सेना के कब्जे वाली जमीन का फर्जी रैयत प्रदीप बागची, जमीन कारोबारी अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान व मोहम्मद सद्दाम, अमित अग्रवाल और दिलीप घोष के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। इसपर कोर्ट ने संज्ञान भी ले लिया है। छवि रंजन ने अपनी याचिका में ट्रायल कोर्ट द्वारा लिए गए संज्ञान को भी चुनौती दी है।

कई आपराधिक मामलों में संलिप्त शूटर वैभव यादव को हाईकोर्ट से मिली बेल

RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट ने वैभव रंगदारी के किए हत्या करने के आरोपी वैभव यादव को जमानत दे दी है। वैभव यादव गैंगस्टर अमन सिंह का शूटर था, उसने वर्ष 2022 में रंजीत कुमार साव की गोली मारकर हत्या कर दी थी। रंजीत साव झरिया का बड़ा टायर व्यवसाई था। उससे अमन सिंह ने दस लाख रुपए की रंगदारी मांगी थी। इस संबंध में झरिया थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। वैभव के ऊपर धनबाद और बोकारो जिले के अलग थानों में कई केस दर्ज हैं। सुनवाई के दौरान यह बात सामने आई कि वैभव के ऊपर कुल लगभग 50 आपराधिक मामले चल रहे हैं। हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अम्बुज नाथ की कोर्ट के सुनवाई हुई। कोर्ट ने उसे 50-50 हजार के दो निजी मुचलके भरने की शर्त पर बेल दी है। वैभव यादव की ओर से अधिवक्ता अमन कुमार राहुल ने बहस की।

कूड़े का उठाव सुनिश्चित करने के लिए घरों और प्रतिष्ठानों में लगाया जा रहा डिवाइस

नगर निगम ने दी चेतावनी, आरएफआईडी से छेड़छाड़ करने वालों पर दर्ज होगी एफआईआर

PHOTON NEWS RANCHI :

रांची नगर निगम ने शहर की साफ-सफाई, स्वच्छता और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए कई जरूरी कदम उठा रहा है। निगम ने शत-प्रतिशत घरों से कूड़े का उठाव सुनिश्चित करने के लिए सभी घरों में आरएफआईडी तकनीक का इंस्टालेशन शुरू किया है। यह कदम शहर को स्वच्छ और संरक्षित रखने के लिए उठाया गया है, लेकिन देखा जा रहा है कि कई घरों में जहां आरएफआईडी इंस्टाल किए गए थे वहां से निकालकर फेंक दिया गया है। वहीं कई जगहों पर क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। ऐसे में रांची नगर निगम अब कार्रवाई करने की तैयारी में है। वहीं आरएफआईडी को नुकसान पहुंचाने वालों पर एफआईआर दर्ज कराया जाएगा।

इंस्टाल किए गए आरएफआईडी को लोग पहुंचा रहे नुकसान

बताया आरएफआईडी का उद्देश्य

बता दें कि आरएफआईडी को नुकसान पहुंचाने से न केवल निगम की संपति को नुकसान हो रहा है, बल्कि साफ-सफाई के कार्यो की मॉनीटरिंग भी प्रभावित हो रही है। नगर निगम ने इस संबंध में सभी नागरिकों से अपील की है कि वे आरएफआईडी से छेड़छाड़ न करें और इसे सुरक्षित रखें। निगम ने कहा कि आरएफआईडी का उद्देश्य शहर की सफाई और कूड़ा प्रबंधन को बेहतर बनाना है, ताकि प्रत्येक घर से कूड़ा समय पर उठाया जा सके और नगर निगम की सेवाओं में किसी प्रकार की रुकावट न आए। साथ ही कहा गया कि आरएफआईडी तकनीक को बरकरार रखें और इसे किसी भी प्रकार से क्षतिग्रस्त या निकालने से बचें। रांची नगर निगम के अधिकारियों ने ये चेतावनी दी है कि यदि किसी व्यक्ति ने जानबूझकर आरएफआईडी से छेड़छाड़ की तो उसके खिलाफ झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 और राज्य ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली 2016 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रेशम उद्योग के समावेशी विकास विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शामिल हुए राज्यपाल

झारखंड तसर उद्योग में देश का अग्रणी राज्य : गवर्नर

PHOTON NEWS RANCHI :

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि तसर रेशम उद्योग न केवल एक कृषि आधारित उद्योग है, बल्कि यह जनजातीय समुदाय की परंपरा और संस्कृति का भी अभिन्न हिस्सा है। झारखंड तसर उद्योग में देश का अग्रणी राज्य है और बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की आजीविका इससे जुड़ी हुई है। उन्होंने तसर रेशम उद्योग को पर्यावरण-संवेदनशील एवं सतत विकास का उदाहरण बताते हुए कहा कि इससे न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिलता है, बल्कि वन संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है। गंगवार गुरुवार को रांची केंद्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान में भारत में तसर रेशम उद्योग के समावेशी विकास विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोल रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि तसर रेशम उत्पादन से लगभग 10 मिलियन लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं और भारत सरकार द्वारा केंद्रीय रेशम बोर्ड एवं कपड़ा मंत्रालय के माध्यम से विभिन्न योजनाओं को लागू किया जा रहा है, जिससे इस क्षेत्र में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा मिल रहा है। राज्यपाल ने अपने पूर्व के अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में मई 2014 में केंद्रीय वस्त्र राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में कार्य करने का अवसर मिला। इस दौरान, उन्होंने रेशम कृषकों और बुनकरों के कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों को निकटता से देखा और उनकी आय बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास किए। उन्होंने कहा कि झारखंड के तसर उत्पादकों को आगे बढ़ाने और उनकी आजीविका को स्थायी बनाने के लिए नीति-निर्माण में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

यह जनजातीय समुदाय की परंपरा और संस्कृति का भी अभिन्न हिस्सा

दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन करते राज्यपाल संतोष गंगवार।

कार्यक्रम में शामिल लोगों के साथ राज्यपाल।

सरहुल पूजा महासमिति की हुई मीटिंग, शोभायात्रा के लिए बनी कमेटी

RANCHI : गुरुवार को बेड़ो में सरहुल पूजा महासमिति बेड़ो की बैठक सरना स्थल में संरक्षक राकेश कुमार भगत की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सरहुल पूजा की पूर्व संध्या, मुख्य पूजा एवं शोभायात्रा की तैयारियों को लेकर विचार-विमर्श किया गया तथा नई समिति का गठन किया गया। निर्णय लिया गया कि 31 मार्च को सरहुल पूजा की पूर्व संध्या मनाई जाएगी, 1 अप्रैल को पूजा का आयोजन होगा और 2 अप्रैल को भव्य सरहुल शोभायात्रा निकाली जाएगी। बैठक में सरहुल पूजा महासमिति के अध्यक्ष सुका उरांव तथा उपाध्यक्ष बुधवा पहान, सुशील भगत, प्रवीण भगत, मनोज उरांव, विक्रांत उरांव, रजत उरांव, पंचम तिर्की, राजेश भगत, निर्मल तिर्की समेत कई सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर आयोजन को भव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए अपनी जिम्मेदारियां तय की। शोभायात्रा की भव्यता, पारंपरिक रीति-रिवाजों के पालन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष रूप से चर्चा की गई।

मंईयां सम्मान की राशि नहीं मिलने से प्रखंड कार्यालय पहुंच रहीं महिलाएं

PHOTON NEWS RANCHI :

बेड़ो में मंईयां सम्मान योजना के तहत मिलने वाली सहायता राशि से वंचित सैकड़ों महिलाओं प्रखंड कार्यालय पहुंच रही हैं। गुरुवार को तीसरा दिन था, जब महिलाएं अपनी शिकायतें लेकर कार्यालय पहुंचीं, लेकिन उनकी परेशानियां जस की तस बनी रहीं। कई महिलाएं अपने छोटे बच्चों को पीठ पर बांधकर तो कुछ रोजा रखकर कार्यालय पहुंचीं और अधिकारियों से सवाल किया कि उन्हें इस बार ₹7500 की राशि क्यों नहीं मिली। महिलाओं का कहना है कि पहले उन्हें ₹1000 और ₹2500 मिल चुके थे, लेकिन इस बार खाते में पैसे न आने से वे नाराज हैं। इस मुद्दे पर सामाजिक सुरक्षा के प्रखंड ऑपरेटर संतोष कुमार तिवारी ने बताया कि लाभुकों के बैंक खाते में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर सक्षम न होने के कारण पैसे नहीं आ पा रहे हैं। इसे लेकर रोज सैकड़ों महिलाएं बैंकों में डीबीटी का फॉर्म जमा कर रही हैं। इस योजना की राशि न मिलने से परेशान महिलाएं घाघरा, ईटा, करांजी, टेरो, करकरी, खुखरा, दिघिया, मुरतो, टेरो, तुतलो, केसा, जरिया, हरिहरपुर जामटोली, नेहालू, चचकोपी, पुरियो, करंज टोली और अंबा टोली से आकर प्रखंड कार्यालय में शिकायत दर्ज करवा रही हैं।

समाचार सार

टाटा जू के बाघों का करें नामकरण : प्रबंधन

JAMSHEDPUR : टाटा स्टील जूलॉजिकल सोसाइटी ने शहरवासियों से उन दो बाघों का नामकरण करने का आग्रह किया है, जो 13 मार्च को नागपुर जू से लाए गए थे।

नर व मादा बाघों का नाम 26 मार्च तक एसएमएस या वाट्सएप के माध्यम से 8709572018 पर भेज सकते हैं, जिसमें भेजने वाले का नाम और उनके निवास का पता भी देना होगा। सबसे सार्थक नाम 1 अप्रैल को चयनित किया जाएगा। विजेता प्रविष्टियों के प्रेषकों को विधिवत सूचित किया जाएगा और उन्हें चिड़ियाघर के दौरे के लिए चार सप्लीमेंट्री पास भी दिए जाएंगे।

बालू लदा डंपर पकड़ाया

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिला के गोइलकेरा के जोरोबाड़ी, दलकी और पोकाम स्थित बालू घाटों से अवैध रूप से बालू खनन कर इसका परिवहन हो रहा है। जिला खनन विभाग ने गुप्त सूचना पर चक्रधरपुर में बालू लदा एक डंपर जब्त किया है।

संस्थापक सदस्य की मनाई पुण्यतिथि

GHATSILA : माटी कला भवन, घाटशिला में गुरुवार को कुंभकार प्रगतिशील समिति के संस्थापक सदस्य कमल लोचन भकत की 37वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि सह समिति के केंद्रीय अध्यक्ष जगदीश भकत ने कहा कि कमल लोचन भकत क्षेत्र के विख्यात आयुर्वेदाचार्य थे। तत्कालीन राज्य सरकार ने उन्हें स्वर्ण पदक से सम्मानित किया था। वे प्रखर विद्वान, समाजसेवी व समाज सुधारक के रूप में भी जाने जाते थे। इस अवसर पर चंदन कुंडू, प्रसेनजीत पाल, मनसा पाल, धनंजय भकत, जयदीप भकत आदि भी उपस्थित थे।

आरपीएफ जवान सीख रहे ध्यान-योग

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर रेल मंडल में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवानों को तनाव मुक्त करने और मानसिक शक्ति प्रदान करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय ध्यान एवं योग शिविर लगाया गया है। यह शिविर 19 से 21 मार्च तक रेलवे ऑफिसर्स क्लब के ऑडिटोरियम में हो रहा है। शिविर में गुरुवार को चक्रधरपुर रेल मंडल के सीनियर डीएससी पी शंकर कुट्टे व चक्रधरपुर के आरपीएफ थाना प्रभारी विक्रम सिंह भी मौजूद थे।

ओड़िया समाज ने मनाया विश्व पखाल दिवस

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले में गुरुवार को ओड़िया समाज के लोगों ने पानी-भात का सेवन कर विश्व पखाल दिवस मनाया। इससे पहले सुबह में जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की गई। गुवा में मंदिर के पुजारी जितेंद्र पंडा ने भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र व बहन सुभद्रा को दही-पखाल का भोग लगाया। इसके बाद श्रद्धालुओं को भोग वितरण किया गया। संगीत शिक्षक योगेंद्रनाथ ने बताया कि दही व पखाल भात स्वादिष्ट होने के साथ ही औषधीय गुणों से परिपूर्ण होता है। ओड़िया समाज के घरों में अमीर-गरीब सभी लोग बड़े चाव से पखाल भात का सेवन करते हैं। कांसे के बर्तन में पखाल भात का सेवन अच्छा माना जाता है। मंदिर में भी दही पखाल व अन्य कई प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन तैयार किए गए।

जिले में आज से मनेगा ई-केवाईसी सप्ताह

JAMSHEDPUR : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी राहुल आनंद व जिला आपूर्ति पदाधिकारी सलमान जफर खिजरी ने गुरुवार को सभी पणन पदाधिकारी, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी एवं सहायक गोदाम प्रबंधक के साथ बैठक की। उन्होंने बताया कि जिले में 21 से 27 मार्च तक ई-केवाईसी सप्ताह मनाया जाएगा।

एमजीएम में हुआ हिंदू नववर्ष यात्रा का ध्वज पूजन

JAMSHEDPUR : हिंदू नववर्ष यात्रा 29 मार्च को निकलेगी। इसे लेकर हिंदू उत्सव समिति द्वारा गुरुवार को मानगो के एमजीएम मैदान में ध्वज पूजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इस दौरान समिति के संरक्षक उपेंद्र कुमार सिंह, श्रीजगन्नाथ रथ यात्रा के अध्यक्ष बापी पात्रो, संजीत शर्मा, कविता परमार, हेतराम शर्मा, मृत्युंजय सिंह आदि भी उपस्थित थे।

बंगाल ले जाए जा रहे 65 गोवंश को पुलिस ने कराया मुक्त, 9 गिरफ्तार

प्रशिक्षु थाना प्रभारी ने लोगों से किया आग्रह, पुलिस को तत्काल दें ऐसी सूचना

PHOTON NEWS GHATSILA : घाटशिला थाना क्षेत्र के चापड़ी फुटबॉल मैदान के समीप आईपीएस सह प्रशिक्षु घाटशिला थाना प्रभारी ऋषभ त्रिवेदी के नेतृत्व में छापेमारी कर गुरुवार को 65 गोवंश को तस्करों से मुक्त कराया गया। इस मामले में 9 तस्कर भी गिरफ्तार किए गए हैं।

गिरफ्त में गोवंश की तस्करी के आरोपी व थाने में लाए गए गाय-बैल व बछड़े ● फोटोन न्यूज

इस संबंध में प्रशिक्षु थाना प्रभारी ऋषभ त्रिवेदी ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि काफी संख्या में गोवंशीय पशुओं को तस्करी कर पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा ले जाने की तैयारी की जा रही है सूचना के आधार पर तत्काल कार्रवाई के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया। चापड़ी मैदान के समीप अलग-अलग टीम बनाकर पशु तस्कर बैलों को ले जा रहे थे। पुलिस वालों की मदद से तत्काल 7 तस्करों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें दो तस्कर भाग गए, लेकिन बाद में उन्हें भी पकड़ लिया गया। अभी कुछ और तस्करों के शामिल होने की जानकारी मिली है। उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि बरामद किए गए बैल एवं बछड़े का अनुमानित मूल्य लगभग 30 लाख रुपये है।

उन्होंने कहा कि नौ लोगों के खिलाफ पशुओं की अवैध तस्करी से संबंधित प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि पुलिस प्रशासन ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए गोवंशीय पशुओं की सुरक्षा एवं अवैध तस्करी रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करने का संकल्प लिया है। इसके साथ ही आम लोगों से अनुरोध किया है कि ऐसी किसी भी गतिविधि की सूचना पुलिस को तत्काल दें ताकि ऐसे अपराधों को रोका जा सके। गिरफ्तार किए गए तस्करों द्वारा गोवंशीय पशु को बिना भोजन-पानी या किसी चिकित्सकीय सुविधा के क्रूर तरीके से ले जाया जा रहा था। इन सभी गोवंश को सुरक्षा तथा देखभाल के लिए चाकुलिया स्थित ध्यान फाउंडेशन गौशाला भेजा गया है।

छापेमारी दल में पुलिस अवर निरीक्षक उमेश कुमार, प्रेम कुमार निषाद, सहायक अवर निरीक्षक संजय मरांडी तथा सशस्त्र बल एवं लाठी बल शामिल थे।

जमशेदपुर में तीसरी मंजिल से गिरकर पेंटर की हुई मौत

JAMSHEDPUR : टेल्को थाना क्षेत्र के ज्योतिनगर में गुरुवार को दर्दनाक हादसा हुआ। 37 वर्षीय पेंटर विश्वजीत राय की तीसरी मंजिल से गिरने के कारण मौत हो गई। विश्वजीत ज्योतिनगर में सतेंद्र साहू के घर पर पेंटिंग कर रहा था।

घटना सुबह करीब 9 बजे की है। विश्वजीत पेंटिंग करने के लिए सीढ़ी पर चढ़ा था, तभी दीवार खिसकने से उसका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर गया। हादसे के बाद, उसके साथी उसे तुरंत टाटा मोटर्स अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। वह पिछले 10 साल से ठेकेदार कप्पू गोंडल के अधीन पेंटिंग का काम कर रहा था। मृतक के साला ने बताया कि मृतक मूल रूप से ओडिशा का रहने वाला था, परंतु काफी दिनों से वह अपने ससुराल गोविंदपुर में रहता था। उसके चार बच्चे हैं। घटना के बाद, मकान मालिक ने मृतक के परिवार को 1 लाख रुपये और ठेकेदार ने 1 लाख 70 हजार रुपये देने की बात कही है।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

साले ने जीजा को मारी तीर इलाज न होने से हो गई मौत

मृतक की पत्नी ने पति को बताया मानसिक रूप से बीमार

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोन्टो थाना क्षेत्र में साले ने जीजा को तीर से मार कर हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार, नागडा गांव निवासी डूकरू लागुरी जेटया थाना के कितातोंडंग का रहने वाला है। किसी बात को लेकर मंगलवार को वह अपनी पत्नी कैरा कुई को मारने के लिए दौड़ा रहा था। लेकिन, महिला अपनी जान बचा के लिए टोन्टो के नोगड़ा गांव अपने मायके आ गई। इसी दौरान उसका पति भी पीछे से आ गया। लेकिन वहां मामला शांत होने के बाद रात में डुकरू लागुरी ससुराल वालों के साथ खाना खाकर सो गया। बुधवार को सुबह जब डुकरू अपनी पत्नी को फिर से मारने के दौड़ा रहा था तो वह भाग कर ससुराल चली गई। ठुकरा लागुरी नोगडा में ही रह गया। बुधवार को शाम लगभग 4 बजे डुकरू लागुरी ने अपने साले के बेटों को पकड़ने के लिए दौड़ा दिया। उसी समय उसके साला राची हेस्सा घर में रखा तीर-धनुष निकाला और उस पर तीर चला दिया, जिससे वह

गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद समय पर उचित इलाज नहीं मिलने के कारण उसकी मौत हो गई। गुरुवार सुबह घटना की सूचना पुलिस को मिलते ही घटना स्थल पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चाइबासा भेज दिया।

डुकरू लागुरी की पत्नी कैरा कुई ने पुलिस को बताया कि उसके पति की दिमागी हालत बहुत दिनों से ठीक नहीं है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर बुजुर्ग की मौत

GHATSILA : धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र के दोलकी गांव निवासी 70 वर्षीय शेख जमशेद की मौत अज्ञात वाहन की चपेट में आने से गुरुवार की सुबह 8 बजे हो गई। परिवार के शेख अब्दुल, शेख साहिल व शेख साजिद ने बताया कि शेख जमशेद सुबह में घर से साइकिल लेकर धालभूमगढ़ जा रहे थे। मनिकाबेड़ा जंगल के समीप सड़क पर अज्ञात वाहन धक्का मार कर फरार हो गया। उनकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई। घटनास्थल से वाहन का टूटा हुआ नंबर प्लेट मिला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना की सूचना मिलने पर धालभूमगढ़ थाना की पुलिस घटनास्थल से शव को अपने कब्जे में लेकर अनुमंडल अस्पताल घाटशिला पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

18 प्रखंडों के 180 शिक्षकों को किया गया सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित शिक्षक ● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम-राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के तत्वावधान में गुरुवार को सेंट जेवियर वेलफेयर सेंटर में सम्मान समारोह हुआ। इसमें पश्चिमी सिंहभूम जिले के 18 प्रखंडों के 5-5 स्कूलों के 180 शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त कुलदीप चौधरी, उपविकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा, सिविल सर्जन डॉ. सुशांतो माझी और जिला शिक्षा अधीक्षक प्रवीण कुमार भी उपस्थित थे। उपायुक्त ने कहा कि यह कार्यक्रम छात्रों को स्वास्थ्य, स्वच्छता और कल्याण के बारे में जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने सभी स्कूलों से कार्यक्रम के 16 मॉड्यूल को नियमित रूप से संचालित करने का आग्रह किया। उपविकास आयुक्त ने माहवारी स्वच्छता के बारे में स्कूलों द्वारा किए गए सकारात्मक बदलावों का उल्लेख किया। सिविल सर्जन ने कहा कि पश्चिमी सिंहभूम जिला इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन में लगातार राज्य में पहले स्थान पर रहा है।

मिस गुवा बनीं एन्नी सामद व मिसेज गुवा अंजू खलखो

ब्यूटी कांटेस्ट की विजेता प्रतिभागी ● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, बोकारो इस्पात संयंत्र व गुवा अयस्क खान ने संयुक्त रूप से युवतियों-महिलाओं के लिए सेल क्लब में फैशन शो कराया, जिसमें एन्नी सामद मिस गुवा व अंजू खलखो मिसेज गुवा चुनी गईं। सीएसआर के तहत हुई प्रतियोगिता में युवतियों-महिलाओं ने रैम्पवॉक कर अपनी कला का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता को 6 कैटेगरी मिस गुवा, मिसेज गुवा, बेस्ट ब्यूटीफुल हेयर, मोस्ट इंटेलिजेंट, मोस्ट ब्यूटीफुल स्माइल तथा बेस्ट एटीट्यूड का खिताब दिया गया। मोस्ट ब्यूटीफुल हेयर का खिताब पूनम बोसा, मोस्ट इंटेलिजेंट का खिताब शिवानी मुंडारी, मोस्ट ब्यूटीफुल स्माइल का खिताब पूजा सिंह व बेस्ट एटीट्यूड का खिताब डेजी सिंह के सिर पर सजा। इस प्रतियोगिता में जज के तौर पर किरीबुरू से महेश दास, बोलानी से आसिफ हुसैन व सोमजी ने विजेताओं का नाम घोषित किया। सभी विजेताओं को 23 मार्च की शाम 7 बजे गुवा के सेल क्लब में पुरस्कृत किया जाएगा।

भालू के हमले से एक व्यक्ति घायल अस्पताल में भर्ती

MANOHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चिड़िया थाना क्षेत्र में नदी नहाने गए एक व्यक्ति पर भालू ने हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बाद में किसी तरह जान बचाकर वहां से भागा। मिली जानकारी के अनुसार, चिड़िया निवासी रतन सामद ने गुरुवार को तीनसीमन नामक स्थान पर नदी में नहाने गया था। तभी अचानक एक भालू ने उस पर हमला कर दिया। इस हमले में सामद का दायां हाथ जख्मी हो गया। पीड़ित सेल के चिड़िया चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार करा रहा है। इधर घटना के सूचना पाते ही मनोहरपुर स्थित वन विभाग के अधिकारियों ने अस्पताल जाकर पीड़ित से पूरी जानकारी ली।

वार्षिक जमा-ऋण अनुपात में पूर्वी सिंहभूम पूरे राज्य में रहा अव्वल

बिष्टुपुर के गोपाल मैदान में 23 को होगा पीएमएफएमई महोत्सव

PHOTON NEWS JSR : समाहरणालय सभागार में गुरुवार को बैंकों की जिला परामर्शदात्री समिति (डीसीसी) और जिला स्तरीय समीक्षा बैठक (डीएलआरसी) की बैठक हुई। परियोजना निदेशक-आईटीडीए दीपांकर चौधरी की अध्यक्षता में हुई बैठक में अग्रणी जिला प्रबंधक संतोष कुमार ने वित्तीय वर्ष 2024-2025 की तृतीय तिमाही का वित्तीय लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि वार्षिक जमा-ऋण अनुपात में बैंकों द्वारा गत वर्ष की इसी अवधि में 51.62% के मुकाबले इस वर्ष 57.96% की उपलब्धि प्राप्त की गई। धन उपयोगिता के मामले में पूर्वी सिंहभूम जिले का वार्षिक जमा-ऋण अनुपात 73.66% है, जो

बैठक को संबोधित करते पीडी-आईटीडीए दीपांकर चौधरी ● फोटोन न्यूज

पूरे राज्य में अव्वल है। परियोजना निदेशक आईटीडीए ने कहा कि इससे संतुष्ट नहीं होना है। आगे भी बेहतर करने की जरूरत है। प्रधानमंत्री जन- धन योजना के कुल 8,87,368 खातों में से 63,389 शून्य राशि के थे और आधार सीडिंग प्रतिशत 89.38% रहा। प्राथमिकता क्षेत्र में कृषि ऋण में सुधार, जमा साख में वृद्धि, मुद्रा योजना, पीएमजीईपी और पीएमएफएमई योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत आवेदनों का शीघ्र ऋण संवितरण सुनिश्चित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया गया। पीएमएफएमई महोत्सव का आयोजन 23 मार्च को गोपाल मैदान में किया जा रहा है, जिसमें राज्य के उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव शिरकत करेंगे। उन्होंने बैंकों के अधिकारियों से कहा कि वे सरकारी योजनाओं के आवेदन को शीघ्र निष्पादित करें और समाज के अंतिम छोर पर बैठे लोगों के लिए संवेदनशीलता से काम करें।

पोटका के महतोसाई में बना वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, 3 लाख 30 हजार लीटर क्षमता वाली पानी टंकी व इंटेकवेल

तीन साल बाद भी पूरी नहीं हुई चंदरी-चैनपुर जलापूर्ति योजना

RAJESHWAR PADENY @ CKP : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल को लेकर बनी योजना धरातल पर उतर नहीं रही है। इस कारण से इस बार भी गर्मी में लोगों को पेयजल के लिए भटकना पड़ेगा। इसका ज्वलंत उदाहरण चंदरी-चैनपुर जलापूर्ति योजना है। बता दें कि चक्रधरपुर प्रखंड के दो पंचायत चंदरी-चैनपुर के लिए पोटका महतो साई में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग प्रमंडल चक्रधरपुर द्वारा 11 करोड़ 67 लाख रुपये से वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, 3 लाख 30 हजार लीटर क्षमता वाली पानी टंकी व इंटेकवेल का निर्माण कार्य अधूरा है। पाइपलाइन बिछाने का कार्य धीमी गति से चलने के कारण इस गर्मी में ग्रामीण स्वच्छ पेयजल के लिए तरस जाएंगे। निमार्णा कार्य 2021-22 में शुरू हुआ था, लेकिन तीन साल बाद भी कार्य पूर्ण नहीं हो सका।

पोटका प्रखंड में तैयार जलापूर्ति योजना का भवन व पानी टंकी ● फोटोन न्यूज

संवेदक द्वारा पाइपलाइन बिछाने का कार्य भी अधूरा रह गया है। योजना के तहत चंदरी व चैनपुर पंचायत के 2762 परिवारों को स्वच्छ पेयजल देने का लक्ष्य है। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने बताया कि चंदरी- चैनपुर जलापूर्ति योजना का कार्य संवेदक देवेश राम प्रजापति द्वारा किया जा रहा है। पानी टंकी, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट व इंटेकवेल का निर्माण लगभग हो चुका है। केवल पाइपलाइन का कार्य अधूरा है। ग्रामीण पाइपलाइन बिछाने में मदद नहीं कर रहे हैं। इसे लेकर समय लग रहा है। उन्होंने कहा कि योजना में 90 प्रतिशत कार्य हो चुका है। इसके एवज में विभाग द्वारा संवेदक को भुगतान भी किया गया है।

स्वच्छ पेयजल के लिए भटक रहे ग्रामीण : मुखिया

चैनपुर पंचायत के मुखिया साहेब हेंब्रम ने कहा कि 11 करोड़ 67 लाख रुपये से चंदरी- चैनपुर जलापूर्ति योजना का निर्माण हो रहा है। लेकिन, कार्य धीमी गति से होने के कारण दो सालों में भी योजना पूर्ण नहीं हुआ है। जिसके कारण गर्मी में चंदरी- चैनपुर पंचायत के दर्जनों गांव के ग्रामीण स्वच्छ पेयजल के लिए दर-दर भटकेंगे।

90 प्रतिशत कार्य हो चुका : संवेदक

जलापूर्ति योजना के संवेदक देवेश राम प्रजापति ने कहा कि निर्माण कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। लेकिन एक किलोमीटर पाइपलाइन बिछाने में ग्रामीण मदद नहीं कर रहे हैं। इसलिए कार्य अधूरा है। संजय नदी में इंटेकवेल का निर्माण और सभी गांव में पाइपलाइन और स्टैंड पोस्ट लगाया गया है। ग्रामीण मदद करें ताकि योजना को शीघ्र चालू कराया जा सके।

इन गांवों को मिलेगा लाभ

चंदरी पंचायत के पोटका महतो टोला, चंदरी, पंनसुवां, दुधकुंडी, बाईडीह, पीरुडीह, चैनपुर पंचायत के उलीडीह, डीपासाई, बोड़दा, चैनपुर, सहजोड़ा, ईटोर पंचायत के उलिबेड़ा, मानीसाई, हाथीबारी, रायाडीह आदि गांव के 2762 परिवारों को स्वच्छ पेयजल पहुंचने का लक्ष्य है।

मंईयां योजना से नाराज महिलाओं का अल्टीमेटम

घाटशिला प्रखंड कार्यालय पर जुटी महिलाएं ● फोटोन न्यूज

GHATSILA : तीन माह से बकाया मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की राशि नहीं मिलने से नाराज महिलाओं ने गुरुवार को प्रखंड कार्यालय में जमकर हंगामा किया। विभिन्न गांवों की कुछ महिलाओं ने कहा कि उन्हें तो आज तक इस योजना का लाभ नहीं मिला। 6 माह पूर्व आवेदन किया था। अन्य महिलाओं ने बताया कि दिसंबर में ढाई हजार रुपये मिले थे, लेकिन उसके बाद योजना की राशि नहीं मिली। महिलाओं ने निर्णय लिया है कि शनिवार तक योजना की राशि खाते में नहीं आई तो 24 मार्च को प्रखंड कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। महिलाओं ने कहा कि हेमंत सोरेन को दोबारा सत्ता दिलाने में महिलाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सरकार द्वारा महिलाओं के साथ इस तरह का छल किया जाना, सरकार को आगामी विधानसभा चुनाव में खामियाजा भुगतना पड़ेगा। विरोध प्रदर्शन करने वाली महिलाओं में चायना रजक, प्रिया रजक, पल्लवी रजक, सफला रजक, रीना माझी, पूजा कर्मकार, मोइन माझी, सुमित्रा कर्मकार, पानमोनी हेंब्रम, नंदिनी कुमारी, सुनीता सिंह सहित अन्य महिलाएं शामिल थीं।

हाई ब्लड शुगर होने पर शरीर के इन अंगों पर पड़ सकता है बुरा असर

डायबिटीज के मामलों में तेजी देखी जा रही है। भारत में डायबिटीज के आंकड़े चिंताजनक है। जी हां, करीब 77 करोड़ लोग इस बीमारी की चपेट में है। वहीं अनुमान जताया जा रहा है कि साल 2045 तक यह संख्या बढ़कर 134करोड़ तक पहुंच जाएगी। अचानक से शरीर में ब्लड के रक्तस्त्राव के बढ़ जाने को हाइपरग्लेसेमिया कहा जाता है। इससे शरीर के कई अंगों को क्षति पहुंचती है।

आंखों की समस्या

डायबिटीज होने के बाद एक अच्छी लाइफस्टाइल से ही अच्छे से लॉन्ग लाइफ जी सकते हैं। ब्लड शुगर असामान्य रूप से बढ़ने से आंखों पर प्रभाव पड़ता है। इससे धुंधलापन होना, मोतियाबिंद होना, ग्लूकोमा जैसी समस्या घेरने लगती है। इसके लिए पौष्टिक आहार बहुत जरूरी है।

घाव के ठीक होने में वक्त लगना

दरअसल, हाइपरग्लेसेमिया की वजह से घाव ठीक होने में वक्त लगता है। कई बार महीने भी लग जाते हैं। इतना ही नहीं घाव अगर ठीक नहीं होता है तो कई बार इंफेक्शन नहीं फैले इसलिए अंग को ही निकालना पड़ता है। जिसका कारण होता है रोग प्रतिरोधक क्षमता का कम होना।

संक्रमण का खतरा

रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण संक्रमण का खतरा अधिक होता है। डायबिटीज मरीज को यूरिन के संक्रमण का खतरा बहुत अधिक होता है। इसका प्रभाव किडनी पर भी पड़ता है।

पैरों की समस्या

मधुमेह होने के कारण पैर अधिक दर्द करते हैं। कई बार असहनीय दर्द रहता है। पैरों में घाव हो जाना, उंगलियों का कालापन होना।

शुगर कंट्रोल नहीं होने पर पूरे पैर में भी समस्या हो सकती है। इसलिए बेहतर है मीठा जरा भी नहीं खाएं और शुगर फ्री चीजों का ही सेवन करें।

आहार में शामिल करें ये नॉन डेयरी कैल्शियम रिच फूड नहीं होगी कैल्शियम की कमी

शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए दूध और दूध से बने उत्पादों का सेवन बहुत जरूरी होता है। लेकिन यदि आपको दूध पीना पसंद नहीं है या आपको दूध से एलर्जी है तब आप क्या करेंगी? नहीं आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। प्रकृति ने हमें ऐसे बहुत से खाद्य पदार्थ दिए हैं, जिनमें उच्च मात्रा में कैल्शियम होता है। इसलिए आज बात करते हैं उन फूड्स की जो दूध के बिना भी आपके शरीर में कैल्शियम की कमी नहीं होने देंगे।

हरी सब्जियां

गहरे रंग वाली सब्जियां जैसे बथुआ, पालक, चौलाई, मेथी आदि में आयरन और फोलेट के साथ-साथ कैल्शियम की भी अच्छी मात्रा होती है। आप इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर कैल्शियम की प्राप्ति कर सकती हैं।

बादाम और अंजीर

बादाम को पावर बैंक कहा जाता है, क्योंकि इसमें सभी आवश्यक आयरन और विटामिन होते हैं। यह कैल्शियम में भी काफी समृद्ध होता है। इसी के साथ-साथ अंजीर में भी आयरन और कैल्शियम की समृद्ध मात्रा होती है। नाश्ते, लंच या हल्की स्नैकिंग के रूप में आप बादाम और अंजीर का एक साथ सेवन कर सकती हैं।

डाइट में शामिल करें सोया

यदि आप अपनी डाइट में सोया या उससे बने फूड्स जैसे टोफू का प्रयोग करती हैं तो आपको लगभग 220 मिलीग्राम से 250 मिलीग्राम कैल्शियम की आपूर्ति होती है। जो आपकी दैनिक जरूरत के बराबर है।

भुने हुए तिल

यदि आप कैल्शियम रिच नॉन डेरी प्रोडक्ट की तलाश में हैं, तो भुने हुए तिल आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। एक्सपर्ट के मुताबिक लगभग 25 ग्राम तिल आपको 270 मिलीग्राम कैल्शियम, दैनिक जरूरत के बराबर आपूर्ति करता है।

मछली भी है कैल्शियम रिच

सार्डिन या साल्मन यह दो बेहतरीन मछलियां हैं। जिनसे दैनिक जरूरत की कैल्शियम की आपूर्ति होती है। यह दोनों ही कैल्शियम, ओमेगा 3 फैटी एसिड और प्रोटीन के बेहतरीन स्रोत हैं। आपको इनको बस जरूरत के मुताबिक ही खाना है। यानी कि हफ्ते में लगभग दो टुकड़े।

साबुत अनाज एवं दालें

आप अपनी डाइट में ऐसे कुछ अनाज या दालों का प्रयोग कर सकती हैं, जो कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत हैं। जैसे कि मोठ, राजमा, कुलथी, बाजरा, चना, सोयाबीन, रागी आदि।

क्यों जरूरी है कैल्शियम

हमारे शरीर में हड्डियों के विकास के लिए कैल्शियम बेहद आवश्यक है। यह हड्डियों के साथ ही मांसपेशियों, कोशिकाओं और हृदय व नसों के सुचारू रूप से काम करने के लिए भी बहुत जरूरी है। हमारे शरीर में कैल्शियम की मात्रा सबसे अधिक पायी जाती है। इनमें से लगभग 98% हिस्सा हमारे दांतो और हमारे शरीर की हड्डियों में प्रयोग होता है। जबकि इसका 1% रक्त और मांसपेशियों में प्रयोग होता है। इसलिए कैल्शियम सभी के लिए आवश्यक है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक कैल्शियम की जरूरत होती है। इसी वजह से कैल्शियम की आपूर्ति के लिए दूध और दूध से बने पदार्थों का सेवन किया जाता है। मगर यदि आपको दूध से एलर्जी है या आपको दूध पीना पसंद नहीं है, तो आपको नॉन डेयरी प्रोडक्ट से यह जरूरत पूरी करनी होगी।

डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें अनार के फूल

खून बढ़ाने से लेकर ग्लोइंग स्किन पाने के लिए अनार खाने के फायदों के बारे में आपने सुना ही होगा। लेकिन क्या आपने अनार के फूल के फायदों के बारे में सुना है। प्राकृति ने मनुष्य को बहुत कुछ दिया है, जो स्वस्थ रहने और किसी बीमारी से लड़ने के लिए काफी है। ऐसा ही एक प्राकृति का तोहफा है अनार का फूल। आइए जानते हैं अनार के फूल के फायदों के बारे में।

- शुगर की परेशानी इन दिनों आम हो गई है। दुनियाभर में कई लोग इस जानलेवा बीमारी से जूझ रहे हैं। हालांकि इसे कंट्रोल करने के कई तरीके हैं, लेकिन बावजूद इसके इसे ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में एक स्वस्थ जीवन शैली पर स्विच करना महत्तवपूर्ण है। शुगर के मरीजों को कम चीनी और फाईड चीजों को अवॉइड करना चाहिए। ऐसे में डाइट में अनार के फूल शामिल करना अच्छा हो सकता है। हेल्थ रिपोर्ट्स के मुताबिक अनार के फूल में फोटोकेमिकल होता है, जो शुगर के मरीजों के लिए अच्छा होता है।
- बेदाग स्किन और स्वस्थ चमक इन दिनों खो सी गई है। पर्यावरण प्रदूषण और गलती जीवनशैली के चलते ऐसी त्वचा पाना बेहद ही मुश्किल हो गया है। वहीं बीजी रूटीन में नियमित त्वचा की देखभाल करना भी मुश्किल होता है। ऐसे में आप अनार के फूल पर विश्वास कर सकते हैं, इसकी मदद से झुर्रियों और समय से पहले बूढ़ा होने से बचा जा सकता है।
- कोरोना काल में हर किसी ने एक चीज अच्छे से सिखी है और वो है स्वस्थ्य रहना। लोग इन दिनों स्वस्थ और इम्यूनिटी को बढ़ावा देने वाली हर एक चीज का पूर्ण रूप से ख्याल रख रहे हैं। ऐसे में अनार के फूल भी स्वस्थ रहने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। जो बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करते हैं।
- अनार के फूल को डाइट में शामिल करने से अपने कार्डियोवस्कुलर हेल्थ का ख्याल रख सकते हैं। शरीर में सबसे महत्तवपूर्ण अंगों में से एक होता है हृदय, जो पूरे शरीर में ब्लड पंप करता है। इससे न केवल ऑक्सीजन बल्कि शरीर के विभिन्न कार्यों को करने के लिए पोष्क तत्व भी पहुंचाता है। अगर दिल की सेहत का ध्यान न रखा जाए तो आप आलसी, सुस्त और लो एनर्जी महसूस करेंगे।
- अनार का फूल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के साथ शरीर में जमा फैट को खत्म कर आपको हेल्दी रखता है। हालांकि अच्छे परिणाम के लिए आपको कसरत करनी होगी।

कैसे करें अनार के फूल का इस्तेमाल

आप अनार के फूलों के सपलीमेंट ले सकते हैं, या फिर अगर आपको अनार के फूल मिल जाते हैं तो आप इसकी चाय बनाकर पी सकते हैं। हालांकि किसी भी तरह की जलन महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

दूध, दही, पनीर के सेवन से कम होता है डायबिटीज और हाई बीपी का खतरा

वैज्ञानिकों के अनुसार दही, दूध या पनीर का रोजाना सेवन डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम करता है। हाल ही में एक शोध ने डेयरी रिच डाइट (यानी दही, दूध या पनीर युक्त खाद्य पदार्थ) को रक्त शर्करा के स्तर, ब्लड प्रेशर में सुधार और हृदय रोग संबंधी जोखिमों को कम करने से जोड़ा गया। शोध के मुताबिक, रोजाना इन डेयरी उत्पादों का दो बार सेवन इन बीमारियों से राहत दिलाने में फायदा करता है।

इस अध्ययन को डायबिटीज रिसर्च जर्नल में प्रकाशित किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का विश्लेषण करना था। उन्होंने भारत सहित दुनियाभर के 21 देशों के 35 से 70 वर्ष के लोगों में डेयरी रिच डाइट के प्रभाव का गहराई से अध्ययन किया। इस शो में डेयरी उत्पादों जैसे दूध, दही, दही से बने पेय, पनीर से बनी डिशेज शामिल थीं। इन्हें फुल या लो फैट के रूप में बांटा गया था। बटर और क्रीम का अलग से मूल्यांकन किया गया था, क्योंकि वे आमतौर पर उन देशों में नहीं खाए जाते थे जो अध्ययन का हिस्सा थे।

मेटाबॉलिक सिंड्रोम के पांच घटकों पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का अध्ययन किया गया था। यह अध्ययन लगभग 1,13,000 लोगों में किया गया। मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक तरह से समस्याओं का झुंड होता है। मुख्य रूप से इसमें ब्लड प्रेशर बढ़ना, ब्लड शुगर बढ़ जाना, कमर के आसपास चर्बी बढ़ जाना और कोलेस्ट्रॉल व ट्राइग्लिसराइड का स्तर असामान्य हो जाना जैसी समस्याएं शामिल होती हैं। मेटाबॉलिक सिंड्रोम में ये समस्याएं एक साथ होती हैं जिससे स्ट्रोक, डायबिटीज व हृदय संबंधी बीमारियां होने का जोखिम बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं ने हाई ब्लड प्रेशर, बढ़ी हुई कमर, गुड कोलेस्ट्रॉल का निम्न स्तर, हाई ब्लड फैट्स और बढ़े हुए फास्टिंग ब्लड ग्लूकोज की 12 महीनों की स्थिति को ट्रैक किया। अध्ययन से पहले लगभग 46,667 लोगों को मेटाबॉलिक सिंड्रोम था, यानी उनमें पांच में से कम से कम तीन स्थितियां थीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि फुल फैट वाले डेयरी का सेवन करने से मेटाबॉलिक सिंड्रोम का जोखिम कम था। इससे पता चलता है कि डेयरी प्रोडक्ट शरीर की कार्यप्रणाली में कैसे सुधार करते हैं। शोध में कहा गया है कि यदि इन निष्कर्षों के आधार पर बड़े और दीर्घकालिक परीक्षणों में पुष्टि की जाती है, तो बढ़ती डेयरी खपत मेटाबॉलिक सिंड्रोम, डायबिटीज और हृदय रोग के मामलों को कम करने के लिए बड़े काम की हो सकती है। डेयरी उत्पादों में स्वास्थ्य लाभ में हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों की मजबूती, पाचन में सुधार, वजन घटाना आदि शामिल हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक डेयरी उत्पाद प्रोटीन और कैल्शियम के बड़े स्रोत हैं। इसके अलावा यह उत्पाद विटामिन और मिनरल्स के भी बड़े संयोजक होते हैं। डेयरी उत्पाद मुख्य रूप से पशुओं के दूध से निर्मित खाद्य या पेय पदार्थ होते हैं। मुख्य रूप से जिन पशुओं के दूध का प्रयोग इन उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है उनमें गाय, भैंस, बकरी, भेड, याक और ऊंट शामिल हैं।

हेल्दी डाइट के लिए खाइए ब्राउन राइस

जो लोग हेल्दी डाइट और व वजन कम करने में दिलचस्पी रखते हैं और चावल से परहेज करते हैं, उनके लिए ब्राउन राइस एक बेहतरीन विकल्प है। कैलोरी कम होने के साथ-साथ इसके और भी कुछ फायदे हैं। जानिए इसके 5 फायदे.

कोलेस्ट्रॉल

ब्राउन राइस खाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि यह कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अनचाहे फैट को शरीर के आंतरिक भागों में जमने से रोकता है।

डाइबिटीज

सामान्यत: चावल में शर्करा की मात्रा अधिक होती है, जिसके कारण डाइबिटीज के रोगी इससे दूरी बनाए रखते हैं। लेकिन ब्राउन राइस के सेवन से रक्त में शर्करा का स्तर नहीं बढ़ता। इसलिए यह आपके लिए बेहतर विकल्प है।

हृदय रोग

हार्टअटैक या हृदय के अन्य रोग, ज्यादातर हृदय की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल के जमाव के कारण होते हैं। ऐसे में ब्राउन राइस का सेवन इससे बचाकर आपके हृदय की भी रक्षा करता है।

हड्डियां

मैग्नीशियम व कैल्शयिम से भरपूर होने के कारण ब्राउन राइस, हड्डियों को मजबूत करने के लिए बेहद फायदेमंद है। सफेछ चावल की अपेक्षा यह सेहत के कई फायदे देता है।

वजन कम

वजन कम करना चाहते हैं, और चावल से दूर नहीं रह सकते, तो सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस को भोजन में शामिल करें। कुछ ही समय में आप वजन में कमी महसूस करेंगे।

आयुर्वेद ने भी माना खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए। इस चाय को खाली पेट पीने से अपच, ब्लोटिंग और वजन कम करने में मदद मिलेगी।

अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के बुनियादी नियम

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

जरूरी नहीं महंगी बादाम खाना, सस्ती मूंगफली भी है प्रोटीन का खजाना

मूंगफली का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। बल्कि इसे बादाम का पर्याय माना जाता है। जितने पोषक तत्व बादाम में मौजूद होते हैं वह सभी मूंगफली में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। लेकिन बादाम महंगा होता है और मूंगफली सस्ती होती है लेकिन आप बादाम की जगह मूंगफली भी खा सकते हैं। एक लीटर दूध के बजाए 100 ग्राम कच्ची मूंगफली में अधिक प्रोटीन होता है। मूंगफली के साथ ही मूंगफली के तेल के कई फायदे होते हैं। यह कीटाणुओं को खत्म करने में मददगार होता है। जानते हैं मूंगफली खाने के अचूक फायदों के बारे में –

हड्डियों को करें मजबूत

मूंगफली के सेवन से हड्डियां मजबूत होती है। मूंगफली में मौजूद पोषक तत्वों से शरीर को विटामिन डी और कैल्शियम मिलता है। बादाम के बदले इसका आसानी से सेवन कर सकते हैं।

हार्मोन को करें बैलेंस

जब महिला और पुरुषों में हार्मोंस अनबैलेंस्ड हो जाते हैं तब कई प्रकार की शारीरिक समस्या होती है। इसलिए महिला और पुरुष को रोज एक मुट्ठी मूंगफली का सेवन करना चाहिए।

कैंसर से बचाएं

मूंगफली में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जिसका नाम है पॉलीफिनॉलिक। इसके सेवन से पेट के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। सप्ताह में 1 बार मूंगफली के साथ मक्खन का सेवन करना चाहिए।

झुर्रियों को हटाए

मूंगफली खाने से झुर्रियां कम होती है। इसमें मौजूद तत्व चेहरे पर बारीक रेखा और झुर्रियों को बनने से रोकती है।

डायबिटीज को करें नियंत्रित

मूंगफली का सेवन करने से डायबिटीज की आशंका कम होती है। रोज अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। ताकि घातक बीमारियों से बचा जा सकें।

बेहतरी की ओर बढ़ रहे भारत-चीन संबंध

उमेश चतुर्वेदी

अमेरिकी पाडकास्टर को दिए इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने जो कहा, उसे देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा है, ₹भारत और चीन के बीच संबंध कोई नई बात नहीं है। दोनों देशों की संस्कृतियां और सभ्यताएं प्राचीन हैं। आधुनिक दुनिया में भी, वे एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भारत और चीन की ओर से एक-दूसरे के लिए जिस तरह की हाल के दिनों में बयानबाजी हुई है, उससे लगता है कि दोनों देशों के रिश्ते बेहतरी की ओर लगातार आगे बढ़ रहे हैं। इसका हालिया मुलाहिजा तब हुआ, जब भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रिसर्चर एवं पाडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन को दिए करीब तीन घंटे के इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने चीन की प्रशंसा की की। मोदी पिछले साल अप्रैल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिकी पत्रिका न्यूजवीक को दिए इंटरव्यू में भी चीन को लेकर सकारात्मक संदेश दिए थे। इसके बाद अमेरिकी पॉडकास्टर से की गई बातचीत ने चीन और भारत के रिश्तों को एक तरह से नया आयाम दिया है। अच्छे और बेहतर पड़ोसी होने के नाते चीन का इस पर खुश होना स्वाभाविक था। चीन की ओर से आई प्रतिक्रिया भी जबरदस्त रही। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग का यह कहना कि चीनी ड्रैगन और भारतीय हाथी के सामंजस्यपूर्ण नृत?य की प्रतीक्षा चीन के उत्साह का ही वर्णन करता है।

अमेरिकी पाडकास्टर को दिए इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने जो कहा, उसे देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा है, ₹भारत और चीन के बीच संबंध कोई नई बात नहीं है। दोनों देशों की संस्कृतियां और सभ्यताएं प्राचीन हैं। आधुनिक दुनिया में भी, वे एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि आप ऐतिहासिक अभिलेखों को देखें, तो सदियों से भारत और चीन ने एक-दूसरे से सीखा है। साथ मिलकर, उन्होंने हमेशा किसी न किसी तरह से वैश्विक भलाई में योगदान दिया है।₹ प्रधानमंत्री मोदी की यह टिप्पणी चीन और भारत के रिश्ते बेहतर बनाने की दिशा में पहला कदम नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की रूसी शहर कजान में पिछले साल की मुलाकात के बाद भारत और चीन के रिश्ते लगातार बेहतरी की ओर बढ़ रहे हैं। हाल ही में चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने भी भारत को लेकर अपनी बेहतर राय जाहिर की थी। जिसका भारतीय विदेश मंत्रालय ने स्वागत किया था। इस कड़ी में भारतीय प्रधानमंत्री मोदी

की ताजा टिप्पणी ने एक तरह से भारत-पाकिस्तान के रिश्तों को बेहतरी की ओर तेजी से बढ़ा दिया है। मोदी ने भारत-चीन के आपसी और गहरे रिश्तों और ऐतिहासिक संबंधों की भी इस पाडकास्ट में चर्चा की। वैसे चीन और भारत के रिश्तों की एक बड़ी और ऐतिहासिक कड़ी महात्मा गौतम बुद्ध हैं। यह ऐसी कड़ी है, जिसकी बुनियाद पर दोनों देशों के रिश्तों को और बेहतर बनाया जा सकता है।

भारत-चीन संबंधों को बेहतर बनाने की दिशा में नई दिल्ली यह समझाने की कोशिश करती रही है कि जब तक दोनों देशों के बीच का सीमा विवाद और उससे उपजा तनाव खत्म नहीं हो जाता, तब तक संबंध बेहतर नहीं हो सकते हैं। लेकिन चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने पिछले दिनों जब कहा कि एशिया की दोनों आर्थिक महाशक्तियों को अपने विवाद भुलाकर साथ आना चाहिए, तब से हालात बदलने लगे हैं। वैसे भी जिस तरह ट्रंप लगातार चीन को घेरने की कोशिश कर रहे हैं और आयात पर टैरिफ बढ़ाने की बात कर रहे हैं, उससे चीन ही नहीं भारत को परेशान कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार चीन और भारत से आयातित होने वाली चीजों पर टैरिफ बढ़ाने की बात कर रहे हैं। इसका निश्चित तौर पर दोनों देशों की आर्थिकी पर असर पड़ सकता है। अगर दोनों देश कम से कम आर्थिक मोर्चे पर साथ आने को तैयार दिखें तो अमेरिका की धमकियां और उसके कदम बेअसर साबित हो सकते हैं। वैसे दोनों देशों के कारोबारी रिश्ते जिस तरह बढ़ते रहे हैं, दोनों के बीच जारी सीमाई तनाव के बावजूद आपसी व्यापारिक संबंध मजबूत बने हुए हैं, वह बेहतर होते रिश्तों की ही कहानी कह रहे हैं। भारतीय प्रधानमंत्री मोदी और चीनी विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया से जाहिर है कि दोनों देशों के बीच सद्भावना की नई इबारत लिखी जा रही है। अगर यह स्थिति और बेहतर होती है ति निश्चित है कि भारत में और अधिक चीनी निवेश का रास्ता खुल सकता है । जिसका फायदा भारत को तो मिलेगा ही, चीन को भी होगा। वैसे शंघाई सहयोग संगठन के साथ ही एशियाई विकास बैंक और ब्रिक्स जैसे संगठनों में नई दिल्ली और बीजिंग साथ-साथ काम कर ही रहे हैं। भारत आतंकवाद का मुकाबला करता रहा है, वह आतंकवाद का विरोधी भी है, लेकिन उसका मुकाबला करने के लिए बहुपक्षवादी वैचारिकी को बढ़ावा देने का वह विरोधी रही है। इस मामले में चीन की भी सोच कमोबेश वैसी ही है। इसलिए माना जा सकता है कि दोनों देश इन तथ्यों के आलोक में अपने रिश्तों को देखने लगे हैं। भारतीय प्रधानमंत्री मोदी और चीनी विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया, इसी सोच का परिणाम नजर आती है।

पश्चिमी दुनिया के दिग्गज भी मानते हैं कि दोनों एशियाई दिग्गज देशों चीन और भारत के बीच स्थायी शांति के परिणाम दूरगामी होंगे। इससे कुछ हद तक वाशिंगटन चिंतित हो सकता है। लेकिन हाल के दिनों में भारत ने अमेरिका को लेकर जो संतुलित नीति अख्तियार की है, उससे उम्मीद है कि वाशिंगटन इस नई पहल की राह में बड़ी बाधा नहीं बन सकता। दोनों देशों के करोड़ों लोगों की आर्थिक स्थिति सुधारनी है, गरीबी का समूल नाश करना है और शांति और स्थायीत्व की दिशा में आगे बढ़ना है तो तय है कि दोनों देश विवादित मुद्दों को परे रखते हुए अपने आर्थिक और ऐतिहासिक रिश्तों को बेहतर बनाते हुए आगे बढ़ाते रहें। इससे एशिया की दुनिया और खूबसूरत हो सकती है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार

संपादकीय

चुनौतीपूर्ण वापसी

लंबे इंतजार के बाद आखिर, अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर दो अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल के जरिए पृथ्वी पर वापिस आ गए। दोनों एस्ट्रोनॉट जून में केवल आठ दिनों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्टेशन पर गए थे मगर धरती पर वापस लाने वाले वाले यान के खराब होने के कारण नौ महीनों बाद वापसी संभव हुई। स्पेसएक्स एलन मस्क की कंपनी है, जिसका ड्रैगन कैप्सूल फ्लोरिडा के तटीय समुद्र में उन्हें लेकर सत्रह घंटों में सुरक्षित गिराया गया। नासा की लाइव तस्वीरों द्वारा दुनिया भर में बेसब्री से इंतजार कर रहे लोगों ने अंतरिक्ष यात्रियों को देखा। अंतरिक्ष में तकरीबन 286 दिन बिताने वाले इन यात्रियों ने प्रति दिन सोलह बार सूर्योदय और सूर्यास्त देखा। जांच के बाद विशेषज्ञों का कहना है कि उनका स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक है। हालांकि वे कुछ समय के लिए रिकवरीशिप में रहेंगे। उसके बाद परिवार से मिलने की इजाजत दी जाएगी। फिर वे अपने अनुभव विशेषज्ञों से बांटेंगे और लंबी छुट्टी पर चले जाएंगे। अंतरिक्ष में रहने का वक्त अधिकतम छह माह माना गया है, मगर सुनीता और बुच को नौ माह रहना पड़ा जिसका शरीर पर गहरा असर होता है। गुरुत्वाकर्षण शून्य होने के कारण खून का प्रवाह प्रभावित होता है और हड्डियां/मांसपेशियां कमजोर होती जाती हैं। हालांकि यह धरती के वातावरण में आते ही प्राकृतिक रूप से सामान्य होता जाएगा। इसका मानसिक सेहत पर भी गहरा असर हो सकता है क्योंकि बार-बार यात्रियों के पृथ्वी पर लौटने की उम्मीदें नाममात्र रहने ने इन्हें बुरी तरह अवश्य प्रभावित किया होगा। नासा ने बाताया कि इस दरम्यान विलियम्स ने 150 वैज्ञानिक प्रयोग किए और नौ सौ घंटे रिसर्च में बिताए जो अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के लिए मददगार साबित हो सकते हैं। अंतरिक्ष में मैराथन दौड़ने वाली पहली अंतरिक्ष यात्री रहीं विलियम्स अपनी तीन अंतरिक्ष यात्राओं के दौरान बासठ घंटों से ज्यादा का स्पेस वॉक कर चुकी हैं। उनके पिता भारतीय हैं, इसलिए सुनीता के सुरक्षित लौटने को लेकर भारतवासी चिंतित थे। उन्होंने विभिन्न धार्मिक आयोजन किए। अंतरिक्ष में समोसे और गीता-उपनिषद ले जाने की बात कर विलियम्स ने भारतीयों में और भी अपनायित पैदा कर दी थी। इसका बड़ा श्रेय तो मस्क को ही जाता है। हालांकि उन्होंने इसे अमेरिकी चुनावों में राजनीतिक जंग के तौर पर इस्तेमाल किया था। बहरहाल, अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी ने दुनिया भर में मुस्कुराहट फैलाने का काम किया है।

चिंतन-मनन

धर्म क्या है?

धर्म के मुख्यतः दो आयाम हैं। एक है संस्कृति, जिसका संबंध बाहर से है। दूसरा है अध्यात्म, जिसका संबंध भीतर से है। धर्म का तत्व भीतर है, मत बाहर है। तत्व और मत दोनों का जोड़ धर्म है। तत्व के आधार पर मत का निर्धारण हो, तो धर्म की सही दिशा होती है। मत के आधार पर तत्व का निर्धारण हो, तो बात कुरूप हो जाती है।

एक संत आता है। भीतर की गुफा में जाकर धर्म के तत्व अध्यात्म को जानता है। फिर वह चला जाता है। फिर मत बचा रहता है। उसके आधार पर एक संस्कृति विकसित होती है। संस्कृति के फूल खिलते हैं। काल प्रम में संस्कृति मुख्य हो जाती है। अध्यात्म गौण हो जाता है। और फिर एक संत को, एक जीवित संत को इस धरती पर आना पड़ता है। फिर से अंगारे जलाने होते हैं। फिर से दीप जलाना होता है।

जो दीप कभी जला था, उसके आधार पर जो गीत रह गए थे, वे पुराने पड़ जाते हैं। फिर से एक नया दीपक जलता है। नई रोशनी आती है। नया गीत फूटता है। नई नदी बहती है। सब कुछ नूतन हो जाता है। तो कहूँगा कि तुम जानो या न जानो, तुम सब धर्म के मार्ग पर ही हो। कोई व्यक्ति ऐसा नहीं हैं, जो धर्म के मार्ग पर नहीं है।

यह और बात है कि उसे पता है, या नहीं पता है। लेकिन धर्म का तत्व क्या है? धर्म का उद्गम क्या है? कहाँ पहुँचना है हमें? गंतव्य कहाँ है? उस बात को बताने के लिए ही संत इस धरती पर आता है। स्वामी विवेकानंद जी भी आए। और ये याद दिलाने के लिए आता है संत कि तुम कौन हो? अमृतस्य पुत्रा?। तुम राम-कृष्ण की संतान हो। तुम कबीर और गुरुनानक की संतान हो। तुम बुद्ध और महावीर की संतान हो। तुम क्यों दीन-हीन और दरिद्र जैसा जीवन जी रहे हो? क्यों अशांत हो, क्यों दुःखी हो? अपना स्वरूप हम भूल गए हैं। करीब-करीब ऐसे ही हम जीवन जीते हैं अपने वास्तविक स्वरूप को भूलकर।

इस जीवन की कितनी गरिमा है। इस जीवन की कितनी क्षमता है। अनंत आनन्द का खजाना, जो हमारे भीतर है, उसकी ओर हम पीठ करके जीते हैं। महर्षि नारद की तरह फिर कोई संत आता है हमारे बीच। कभी बुद्ध, कभी महावीर, कभी कृष्ण, कभी राम, कभी गुरुनानक, कभी गुरु अर्जुनदेव, कभी दादू, कभी दरिया, कभी रैदास, कभी मीरा, कभी सहजो, कभी दया बनकर आता है और हमसे कहता हैं कि चलो! उस मानसरोवर को चलो, जहाँ से तुम आए हो।

विश्व कठपुतली दिवस : अपनी पहचान खोती कठपुतलिया

रमेश सर्राफ धमोरा

कठपुतली न केवल एक औपचारिक रचना, एक रंगमंच की भाषा या एक कला वस्तु है। बल्कि यह एक ऐसी आकृति भी है, जिसने लगभग सभी संस्कृतियों में जीवन और मृत्यु की उत्पत्ति, दृश्य और अदृश्य के बीच के संबंध, तथा आत्मा और पदार्थ के बीच के संबंध जैसे प्रश्नों को मूर्त रूप दिया है। कठपुतली विश्व के प्राचीनतम रंगमंच पर खेला जाने वाले मनोरंजक कार्यक्रमो में से एक है। कठपुतलियों को विभिन्न प्रकार की गुड्डे-गुड़ियों, जोकर, राजदरबारों आदि पात्रों के रूप में बनाया जाता है। कठपुतली को लकड़ी अर्थात काष्ठ से बनाया जाता था। इस प्रकार काष्ठ से बनी पुतली का नाम कठपुतली पड़ा।

कठपुतलियों का इतिहास बहुत पुराना है। ईसा पूर्व चौथी शताब्दी में पाणिनी की अष्टाध्यायी के नटसूत्र में पुतला नाटक का उल्लेख मिलता है। कुछ लोग कठपुतली के जन्म को लेकर पौराणिक आख्यान का जिक्र करते हैं कि शिवजी ने काठ की मूर्ति में प्रवेश कर पार्वती का मन बहलाकर इस कला की शुरूआत की थी। सतवर्द्धन काल में भारत से पूर्वी एशिया के देशो इंडोनेशिया, थाईलैंड, म्यांमार, जावा, श्रीलंका आदि में इसका विस्तार हुआ। आज यह कला चीन, रूस, रूमानिया, इंग्लैंड, चेकोस्लोवाकिया, अमेरिका व जापान आदि अनेक देशों में पहुंच चुकी है। इन देशों में इस विधा का सम-सामयिक प्रयोग कर इसे बहुआयामी रूप प्रदान किया गया है। वहां कठपुतली को मनोरंजन के अलावा शिक्षा, विज्ञापन आदि अनेक क्षेत्रों में इस्तेमाल किया जा रहा है।

हम हर साल 21 मार्च को विश्व कठपुतली दिवस मनाते हैं। इस दिन का उद्देश्य कठपुतली को वैश्विक कला के रूप में मान्यता देना है। यह दुनिया भर के कठपुतली कलाकारों को का सम्मान करने का एक प्रयास है।एक समय था जब कठपुतली को सिर्फ मनोरंजन का माध्यम समझा जाता था। लेकिन आज कठपुतली कला मनोरंजन के साथ ही लोगों को जागरुक भी कर रही है। प्राचीनकाल से ही जादू टोनों एवं कुदरती प्रकोपों से बचने के लिए मानव जीवन में पुतलों का प्रयोग होता रहा है। भारत में ही नहीं बल्कि अन्यत्र भी काष्ठ, मिट्टी व पाषाण से निर्मित ये पुतले जातीय एवं पारिवारिक देवताओं के रूप में प्रतिष्ठित होते रहे हैं।

भारतीय कठपुतलियों की प्राचीनता के सम्बन्ध में पौराणिक ग्रन्थों में उल्लेख मिलता हैं। महाभारत में अर्जुन द्वारा ब्रहन्नला को कठपुतलियों का खेल सिखाने का उल्लेख है। महाभारत में रूपजीवन शब्द का भी काफी प्रयोग हुआ है और वह भी पुतलियों के खेल-तमाशों के संदर्भ में। पंचतंत्र नामक ग्रन्थ में ऐसी कठपुतलियों का जिक्र है। जो लकड़ी की खूटियों के सहारे नाना प्रकार के मानवी करतब दिखलाती थी। विक्रमादित्य के समय सिंहासन बतीसी नामक एक ऐसा सिंहासन था जो दिन में सम्राट के बैठने के काम आता था और रात को उसकी बतीस कठपुतलियां विभिन्न प्रकार से रागरंग कार्यक्रम कर सम्राट को रिझाती थी। राजस्थान की स्ट्रिंग कठपुतलियां दुनिया भर में मशहूर हैं। इसके अलावा उड़ीसा, कर्नाटक और तमिलनाडु में भी कठपुतलियों की यही कला प्रचलित है।

राजस्थानी कठपुतलियों का ओवल चेहरा, बड़ी आंखें, धनुषाकार भौंहें और बड़े होंठ इन्हें अलग पहचान देते हैं। 5-8 स्ट्रिंग्स से बंधी ये कठपुतलियां राजस्थानी संगीत के साथ नाटक पेश करती हैं। राजस्थान में कठपुतलियों का प्रचलन काफी समय से हो रहा है। यहां कठपुतलियां नटों तथा भाटों द्वारा प्रयुक्त होती है। ये नट नाटक भी करते थे, नाचते भी थे एवं विभिन्न प्रकार के शारीरिक करतब भी दिखलाते थे। यह रस्सियों पर भी चलते थे ओर कठपुतलियां भी नचाते थे। नट जाति में प्रचलित एक किवदंती के आधार पर ब्रह्मा के वरदान से एक आदि नट की उत्पत्ति हुई थी। इन नटों के पूर्वज ही विक्रमादित्य के समय में 'सिंहासन बतीसी' नामक कठपुतली नाटक के सर्जक थे। भारत की पुरातन संस्कृति का केन्द्रस्थल उत्तर भारत का राजस्थान एवं सिंध क्षेत्र रह चुका है।

राजस्थान में कठपुलियों का खेल दिखाने का मंच बहुत ही सादा होता है। गांव में कठपुतली का खेल दिखाने हेतु दो खाट खड़ी कर उसको ऊपर-नीचे से बांसों से जकडकर मंच की शक्ल दे दी जाती है। आगे की तरफ बारादरीनुमा 'ताजमहल' नामक पर्दा लगा दिया जाता है। पृष्ठ भूमि में एक रंगीन काली चादर लगा दी जाती है जिसके पीछे से ये कठपुतलियों का संचालन करते हैं। इनकी कठपुतलियों का आकार लगभग डेढ़ फुट का होता है। इन कठपुतलियों की वेशभूषा पारम्परिक राजस्थानी होती है।

राजस्थान के नट जो पहले राजा-महाराजाओं के दरबारों की शोभा बढ़ाते थे। धीरे-धीरे सामाजिक एवं आर्थिक कारण से पिछड़ते चले गये और छोटी-छोटी जातियों के याचक बन गये। जिन राजाओं तथा विशिष्टजनों ने उन्हें प्रोत्साहन एवं संरक्षण प्रदान किया उन्हीं की जीवन-गाथायें इनकी पुतलियों का विषय बन गयी। जैसे विक्रमादित्य के काल की 'सिंहासन बतीसी', पृथ्वीराज चैहान के समय की 'पृथ्वीराज संयोगिता व अमरसिंह राठौड़' का खेल प्रमुख थी। घोर परम्परा एवं जातीय बन्धनों में बंधे हुये ये भाट आज भी अपनी पुतलियों में संशोधन आदि का सुझाव नहीं मानते हैं।राजस्थान में आज इस जाति के लगभग सोलह हजार भाट मौजूद हैं। जिनमें से आठ हजार आज भी कठपुतलियां नचाने का काम करते हैं। कुछ खेती बाड़ी के धन्धे में भी लगे हुये हैं तो कुछ ने नाच गाने को अपना पेशा बना लिया है। कुछ अपने यजमानों के घर व शादी विवाह के अवसर पर ढोल बजाकर याचक का काम करते हैं।

तीन सौ वर्षों से निरन्तर प्रचलन में होने से राजस्थानी कठपुतलियों का मूल नाटक बिल्कुल ही विकृत हो गया है। अब तो दर्शक संचालन शैली तथा नाट्य-विधि के कारण ही कठपुतली का खेल देखते हैं। आज भी राजस्थानी कठपुतलियों में दर्शकों को बांधने की ताकत देखने का मिलती है जो कदाचित अन्य किसी में नहीं है। कठपुतली संचालक द्वारा अपने मुंह से ही सीटीनुमा आवाज निकालकर भाव व्यक्त किया जाता है। आजकल कठपुतली निर्माण कार्य कठपुतली संचालक स्वयं ही करता है क्योंकि पारम्परिक कठपुतली निमार्ता बढ़ई बहुत कम संख्या में रह गये हैं। इन कठपुतलियों को भाट बड़े आदर-भाव से देखते हैं। आज भी इनकी पारम्परिक कठपुतलियों के लंहगों की अनेक परतें इनकी पुरातन प्रियता की द्योतक है। कठपुतलियों के मुंह निर्मित होते हैं तथा अन्य सब अंग रूई व कपड़ों से बनाये जाते हैं। प्रयोग में नहीं आने वाली कठपुतलियों को ये लोग फेंकते नहीं बल्कि आदर पूर्वक जल में प्रवाहित करते हैं।

राजस्थानी कठपुतलियों में चेहरे का आकार शरीर से बड़ा, आंखें काफी बड़ी, वक्षस्थल अत्यन्त लघु एवं उभरा हुआ तथा पांवों का न होना इनकी अपनी विशेषता है। इससे कठपुतलियों का संचालन अत्यन्त सजीव बन जाता है। कठपुतलियों के खेल दिखाने वाले दल में दो या तीन व्यक्ति होते हैं। औरतें ढालक बजाती हैं व मर्द कठपुतलियां चलाते हैं। इनके दोनों हाथ मशीन की तरह चलते हैं। सीटी द्वारा उत्पन्न विविध ध्वनियां, वाचन के साथ पैर से पैदा की गयी आवाजें तथा ढोलक की विचित्र थापें समस्त नाटक को प्राणवान बना देती हैं।

धरती पर लौटीं सुनीता विलियम्सः एक ऐतिहासिक वापसी

डॉ सत्यवान सौरभ

सुनीता विलियम्स की उपलब्धियाँ न केवल भारतीय वैज्ञानिकों बल्कि देश के युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत हैं।

सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की धरती पर सुरक्षित वापसी एक बड़ी वैज्ञानिक उपलब्धि मानी जा रही है। वे जून 2024 में बोइंग के स्टारलाइनर मिशन के तहत अंतरिक्ष गए थे, लेकिन तकनीकी खामियों के चलते उनकी वापसी में नौ महीने की देरी हुई। इस कारण वे अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (क्रर) पर लंबे समय तक रुके रहे। यह मिशन न केवल तकनीकी दृष्टिकोण से महत्त्वपूर्ण था, बल्कि अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने के प्रभावों को समझने में भी सहायक होगा। उनकी सुरक्षित वापसी से भविष्य में अंतरिक्ष अभियानों के लिए नई संभावनाएँ खुलेंगी। इससे नासा और बोइंग को स्टारलाइनर की खामियों को सुधारने का मौका मिलेगा। उनके अनुभव और उपलब्धियाँ न केवल अंतरिक्ष क्षेत्र बल्कि विज्ञान और तकनीक में रुचि रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक प्रेरणा हैं। उनकी कहानी यह संदेश देती है कि सीमाएँ केवल मानसिकता में होती हैं और यदि कोई लक्ष्य निर्धारित किया जाए, तो उसे प्राप्त किया जा सकता है।

नासा की अनुभवी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर, जो पिछले नौ महीने से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (क्रर) पर थे, आज सफलतापूर्वक धरती पर लौट आए हैं। स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल की मदद से उन्होंने मेक्सिको की खाड़ी में सुरक्षित लैंडिंग की। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर जून 2024 में बोइंग के स्टारलाइनर के साथ परीक्षण उड़ान के लिए अंतरिक्ष में गए थे। हालांकि, स्टारलाइनर में तकनीकी खामी के कारण उनकी वापसी में देरी हुई, जिससे वे नौ महीने तक क्रर पर रहे। उनकी वापसी के लिए स्पेसएक्स का क्रू-10 मिशन लॉन्च किया गया था, जिसने सफलतापूर्वक उन्हें धरती पर वापस लाया। वापसी के बाद, दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को स्ट्रेचर पर ले जाया गया, जो लंबे समय तक भारहीनता में रहने के बाद सामान्य प्रक्रिया है। यह मिशन न केवल तकनीकी दृष्टि से महत्त्वपूर्ण रहा, बल्कि इससे वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने के प्रभावों को समझने में भी मदद मिलेगी। इससे नासा और अन्य अंतरिक्ष एजेंसियों को भविष्य के गहरे अंतरिक्ष अभियानों, जैसे कि मंगल पर मानव मिशन की योजना बनाने में सहायता मिलेगी। सुनीता विलियम्स की यह वापसी अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। यह मिशन भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए मूल्यवान डेटा प्रदान करेगा और अंतरिक्ष यान तकनीक के सुधार में सहायक सिद्ध होगा।

सुनीता विलियम्स और उनके जैसे अनुभवी अंतरिक्ष यात्री भविष्य के चंद्र और मंगल अभियानों में अहम भूमिका निभा सकते हैं। नासा और अन्य स्पेस एजेंसियाँ अब दीर्घकालिक अंतरिक्ष मिशनों की तैयारी कर रही हैं, जिनमें अंतरिक्ष में रहने के नए तरीके, कृत्रिम गुरुत्वाकर्षण की संभावनाएँ और अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने की रणनीतियाँ शामिल हैं। इसके अलावा, स्टारलाइनर जैसी तकनीकों में सुधार कर, अंतरिक्ष अन्वेषण को अधिक सुरक्षित और कुशल बनाया जाएगा। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति को और विस्तारित करने के लिए वैज्ञानिक शोध जारी रहेंगे, जिससे भविष्य में मंगल और उससे आगे की यात्राएँ संभव हो सकेंगी। सुनीता विलियम्स भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री हैं, जिनका भारत से गहरा जुड़ाव रहा है। उनके पिता भारतीय मूल के हैं और उन्होंने कई बार भारत के प्रति अपने प्रेम को व्यक्त किया है। भारत में अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान की बढ़ती उपलब्धियों के बीच, सुनीता विलियम्स एक प्रेरणास्रोत बनी हुई हैं। इसरो (क्रफ्ह) भी अब मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम, गगनयान, की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। इसरो ने हाल ही में गगनयान के लिए प्रमुख परीक्षण पूरे किए हैं और आने वाले वर्षों में भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन को लॉन्च करने की योजना बना रहा है। सुनीता विलियम्स की उपलब्धियाँ न केवल भारतीय वैज्ञानिकों बल्कि देश के युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत हैं। उनकी सफलता यह दिखाती है कि भारतीय मूल के लोग वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय में महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। भविष्य में, इसरो और नासा के बीच सहयोग बढ़ सकता है, जिससे भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को और मजबूती मिलेगी। सुनीता विलियम्स न केवल एक उत्कृष्ट अंतरिक्ष यात्री हैं, बल्कि एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व भी हैं। उनका सफर यह दशार्ता है कि कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और विज्ञान के प्रति जुनून कैसे किसी को नई ऊंचाइयों तक पहुँचा सकता है। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं और युवा वैज्ञानिकों को प्रेरित किया है कि वे अंतरिक्ष अनुसंधान और विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ें। उन्होंने कई मौकों पर भारतीय छात्रों और युवाओं से संवाद किया है और उन्हें वैज्ञानिक क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया है। उनके अनुभव और उपलब्धियाँ न केवल अंतरिक्ष क्षेत्र बल्कि विज्ञान और तकनीक में रुचि रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक प्रेरणा हैं। उनकी कहानी यह संदेश देती है कि सीमाएँ केवल मानसिकता में होती हैं और यदि कोई लक्ष्य निर्धारित किया जाए, तो उसे प्राप्त किया जा सकता है।

सुनीता विलियम्स और उनके जैसे अनुभवी अंतरिक्ष यात्री भविष्य के चंद्र और मंगल अभियानों में अहम भूमिका निभा सकते हैं। नासा और अन्य स्पेस एजेंसियाँ अब दीर्घकालिक अंतरिक्ष मिशनों की तैयारी कर रही हैं, जिनमें अंतरिक्ष में रहने के नए तरीके, कृत्रिम गुरुत्वाकर्षण की संभावनाएँ और अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने की रणनीतियाँ शामिल हैं। इसके अलावा, स्टारलाइनर जैसी तकनीकों में सुधार कर, अंतरिक्ष अन्वेषण को अधिक सुरक्षित और कुशल बनाया जाएगा। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति को और विस्तारित करने के लिए वैज्ञानिक शोध जारी रहेंगे, जिससे भविष्य में मंगल और उससे आगे की यात्राएँ संभव हो सकेंगी। सुनीता विलियम्स की यह वापसी अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। यह मिशन भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए मूल्यवान डेटा प्रदान करेगा और अंतरिक्ष यान तकनीक के सुधार में सहायक सिद्ध होगा। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुनीता विलियम्स की सफल वापसी पर बधाई दी और उनके साहस तथा समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि सुनीता विलियम्स न केवल भारतीय मूल के लोगों के लिए गर्व का विषय हैं, बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रेरणास्रोत हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि उनका यह मिशन भारत के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों और युवाओं के लिए एक प्रेरणा है, जो अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयों को छूने का सपना देखते हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Why the stock markets are in turmoil across the world

The Indian stock market has been on what seems to be like a freefall for nearly six months since last September. On the Bombay Stock Exchange, prices have fallen by 13 per cent till mid-March compared to September and experts believe that this fall may continue.The overt reason for this slowdown is the lowering of profit growth in top Indian firms and foreign investors selling $25 billion in Indian stocks. But this Indian decline is much sharper compared to the 2 per cent fall in Asian and global emerging market indices.The overall global decline is, of course, the result of the mayhem that Donald Trump has wrought since coming to power for the second time. His aim is as straightforward as it is naive — make America great again by caring for only the interests within the country and discarding all concern for the need to be a part of the minimum needs for global economic cooperation. But is this really happening? In fact, things are moving in a contrary direction. President Trump's policies are having an opposite effect for him. They are sending tremors through the Wall Street.While the White House is defending the economic agenda at home, Trump has also made progress on a top foreign policy goal — getting Europe to boost its military spending so that the US does not have to pay to protect Europe. Key foreign leaders have reaffirmed support for Ukraine after Trump publicly told off Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy last month and taken steps to expand their defence outlays.

This is boosting the shares of international military firms higher, giving an upward jolt to stock markets in some of the very countries where Trump has taken his trade war.Trump's attempt to get the European countries to boost their defence spending has caused European stocks to see their strongest start to any year since 1998. Plus, international stocks overall are outperforming their American counterparts by more than in any year since 1990.As a result, the US stocks are falling behind. Since Trump took over in January, a range of European countries' stocks have risen between 5 and 20 per cent even as US stocks have fallen by 5 per cent.Last week, a selloff in global shares eased in Europe following a sharp fall in US stocks that came as investors raised concerns about the negative economic impact of Trump's tariffs. He wanted to raise tariffs to boost his domestic economy. But at the end of the day, it is the stocks elsewhere that are going forward and US ones have been left behind.Where does this leave India? Right now, Indian stocks remain down in the dumps even as other non-US countries' stocks are going forward.

It seems that only the US and Indian stocks remain in the dumps. What is India trying to do and what can it do differently so that Indian stocks and corporate investment prospects revive, taking the overall economy along with it?Right now, India is seeking to negotiate with the US so that its tariffs are reduced. It is doing what it is being asked by the US to do — lowering Indian tariffs, which are among the highest in the world.What India has to do to please the US and what it has to do for its own good are, quite fortuitously, similar. Lower trade barriers will bring in more reasonably priced products, which will force Indian businesses to lower costs and become more efficient. At the end of the day, Indian consumers will be better off. Inefficient businesses will die, which should have happened long ago.Fascinatingly, the US will have to follow its own course correction. The US administration cannot expect its economy to live in complacent isolationism. Lower tariffs will mean lower costs for US consumers and businesses, which are mostly intrinsically robust. This will do the US fine. Incompetent businesses, which are proportionately far fewer than in India, will die and no one will feel sorry for them.

It is Trump's own beliefs which have to be modified. Of course, the US will become great again, which it already is, but not by the way Trump wants it to go. Isolationism and not caring for others will have to give way to entering into an era of better global cooperation, which the US was already into before Trump came in.

Punjab must push for a fair deal

Political parties and the intelligentsia should join hands for the common good

Amidst the myriad issues raised by a section of the political class in Tamil Nadu, the time has perhaps come to once again revisit the question of regional aspirations and their accommodation within the Indian constitutional scheme.

Undoubtedly, there is a strong case to revisit the unfulfilled aspirations of at least one north Indian state that bore the brunt of the Partition — Punjab. It was really the dismemberment of two of India's border provinces — Punjab and Bengal. Punjab suffered greatly as a consequence of the Partition, colloquially referred to as Ujaara (devastation) and not Batwara (Partition).

The case of Punjab was unique, if not peculiar. Out of the 2.5 million-strong British Indian Army at the end of World War II, 3,60,000 soldiers were from Punjab, including Muslims, Sikhs and Hindus, in that order.

They constituted 62 per cent of the combatant forces. The two main occupations were agriculture and services in the armed forces. The lands of the Sikhs and Hindus got predominantly left behind in West Punjab (Pakistan) and a demand for constitutionally guaranteeing the percentage share of the partitioned province in the armed forces at the pre-1947 levels was not accepted.

When the Constitution had to be finally adopted, several Sikh members of the Constituent Assembly — Baldev Singh, Gurmukh Singh Musafir, Ranjit Singh, Suchet Singh Aujla, Rattan Singh Lohgarh, Partap Singh Kairon and Joginder Singh — supported the motion and became signatories to the statute.Hukam Singh and Bhupinder Singh Mann refused to sign. The former went on to become a Member of Parliament, Deputy Speaker, Speaker of the Lok Sabha and Governor of Rajasthan. Nobody labelled both as anti-national or attributed motives to their decision or held it against them. Nobody pilloried and vilified them, as is the staple of proto/pseudo-nationalists today. This conduct bears eloquent testimony to the sagacity and sense of accommodation of those who incubated the modern Indian state in its nascent years.Articulating the reasons for not voting for the motion in favour of adopting the Constitution on November 26, 1949, Hukam Singh pointed out a number of deficiencies in the draft statute, most importantly that it did not fulfil the aspirations of the Sikh community.He, however, made a very important economic point holistically germane to Punjab, though expressed in the context of Sikh grievances: "The whole economy of the Sikh community is dependent upon agriculture and Army service. Lands have been left in Pakistan and their proportion in the Army since the Partition has been greatly reduced and is being reduced everyday..." The latter point was with regard to seeking economic safeguards in the context of recruitment in the armed forces.However, herein lies the conundrum. There were not only Sikh members from undivided Punjab in the Constituent Assembly but also prominent Hindu members — Lala Achint Ram (father of former Vice-President Krishan Kant), Bakshi Tek Chand, Bikram Lal Sondhi, Chaudhary Ranbir Singh, Master Nand Lal, Kaka Bhagwant Roy, Jairamdas Daulatram, Chaudhary Suraj Mal Singh, Thakur Das Bhargava, Nand Lal and Prof Yashwant Rai.

The Muslim members had left to join the Constituent Assembly of Pakistan that first met in the Sindh Assembly building in Karachi on August 10, 1947.

Could the remaining Hindu and Sikh members collectively not have negotiated a better deal for Punjab in the constitutional scheme, given that the 'nau maas da rishta' had just been further consecrated and consolidated in the flaming cauldron of the Ujaara?After all, Jammu & Kashmir, which had lost a substantial part of its territory to Pakistani raiders in October 1947, was able to get Article 370 inserted into the Indian Constitution in Part XXI under the rubric of Temporary, Transitional and Special Provisions. It is another matter that the Article was repealed in August 2019.J&K was able to negotiate a constitutional niche for itself at the inception of the Constitution, but Punjab did not or could not do it, even though two million of its people died and twenty million were displaced in post-Partition fratricide.

J&K was not the only state to negotiate a special arrangement. Article 371 provides for special development boards for Vidarbha, Marathwada and even the rest of Maharashtra, as the case may be, and for Saurashtra, Kutch and the rest of Gujarat.Then, Article 371A was inserted with regard to Nagaland. The northeastern state, in fact, was able to negotiate control over its underground mineral wealth as the Article provided that no Act of Parliament with respect to ownership and transfer of land would apply to Nagaland unless a resolution to that effect is passed by the Legislative Assembly.It was followed by Article 371B with respect to Assam in 1969, Article 371C (Manipur), Articles 371D and 371E (Andhra Pradesh), Article 371F (Sikkim), Article 371G (Mizoram), Article 371H (Arunachal Pradesh), 371-I (Goa) and Article 371J (Karnataka).Most of these Articles, including the repealed Article 370, dealt with border states. It is an example as to how Constitutionalism was utilised to try and integrate India's periphery into the mainstream given that the Imperial British never had a border policy but rather a frontier policy.It is not as if undivided Punjab did not have learned members in the Constituent Assembly. Was it the quintessential sense of sacrifice and pride which had evolved over myriad invasions that prevented them from seeking and getting what was rightfully due to Punjab? This error or omission, advertent or unintentional, needs to be probed with some serious scholarship. Successive generations of parliamentarians, unfortunately, could do no better for Punjab.

Punjab had to face not only the horrors of the Partition but subsequently the wars in 1965 and 1971, and then 15 years of Pakistan-sponsored militancy that left it emotionally, economically, politically and socially exhausted. The debt accumulated during the years of militancy continues to be a part of its economic burden.

Punjab needs a new economic deal within the Indian constitutional and federal paradigm to prevent it from backsliding further. For that, however, the political parties and the intelligentsia of the state have to look beyond immediate and narrow partisan considerations and make common cause for the common good.

Mere assurances

Hold ministers responsible for not walking the talk

The Modi government never tires of affirming its commitment to good governance (sushasan). Providing a transparent and accountable administration that works for the welfare of citizens has avowedly been its guiding principle from the outset. Walking the talk is supposed to be a key element of this people-centric approach, but the ground reality is not so reassuring. Nearly 75 per cent of the assurances made by Union ministers in Parliament in 2024 have not been fulfilled, the government told the Rajya Sabha on Monday. The situation was hardly better a decade ago; during 2015 and 2016, two-third of the assurances given by Central ministers in Parliament were either dropped or left pending.It was in 2018 that the Online Assurances Monitoring System was rolled out by the Ministry of Parliamentary Affairs to ensure that promises made by ministers in Parliament were systematically tracked, monitored and fulfilled. The overarching aim was to enhance accountability, transparency and efficiency, but the implementation has left a lot to be desired. Ministers are expected to keep their word within three months, but their apparent lethargy and apathy are undermining the government's credibility.

Parliamentary Affairs Minister Kiren Rijiju has 'assured' the Rajya Sabha that the government takes all assurances made by ministers on the floor of both Houses of Parliament seriously. If that is indeed the case, why are erring ministers not being hauled up or replaced? It is also a poor reflection on the functioning of the Standing Committee on Government Assurances, which is tasked with holding ministries/departments accountable for lapses in timely implementation. The promises and pledges made by political leaders during election rallies are usually taken with a pinch of salt. However, the people expect at least a modicum of commitment when such assurances are made by elected representatives in Parliament. The government should go all out to curb the erosion of public trust. At stake is the sanctity of parliamentary democracy.

Regional discontent & the need for dialogue

Let the Central government's highest representatives talk to the states concerned; let the talks be held under the open sky.

Regional discontent & the need for dialogue

Let the Central government's highest representatives talk to the states concerned; let the talks be held under the open sky.The issue: The southern states fear they would never be in the driver's seat politically because of less numbers. PTII have had the opportunity to tour South and Northeast India quite extensively during the first decade and a half of this century. Earlier, I had the opportunity to be in J&K for a few tumultuous years and in Punjab, my home state and also the state that was allotted to me in the IPS (1966). It has been a ringside view of this great nation and I have often marvelled at its sheer vastness.Touring, inspecting and attending meetings in various places through a career in the government spanning almost five decades does give the principle of 'unity in diversity' an enriched perspective. I have witnessed the strength of the nation through this underlying principle and the wisdom of our forefathers in giving us this equilibrium through Article 15 in the Constitution.I have also, through my career in the police, witnessed the havoc which can be created when old and new fault lines are played up by vested interests.

These days, a lot is being carried in the national media about activities in South India and it is also a hot topic of discussion in political, administrative and social circles. The immediate cause of this turbulence is the expected delimitation of Lok Sabha constituencies to be done on the basis of a Census to be conducted in 2026. The other factors are the implementation of the UCC, NEP, anticipated imposition of Hindi, perceived weakening of the federal structure, along with inadequate flow of funds from the Centre to the states.

The southern states feel, and perhaps rightly so, that they are more advanced than central and north India in overall development indices, specifically in the IT sector, manufacturing, human resource development, pharmaceuticals and higher technical and school education. They also have a large number of expatriates who add billions of dollars to the national kitty.South India has a rich history of trade by sea with the Gulf and other countries, which has integrated it more internationally through business and extended families. Today, Bengaluru, Hyderabad and Chennai are at the forefront of GCCs (global capability centres), boasting of large expatriate communities and white collar jobs.

The fear is that delimitation will cut at the very roots of their political and financial future. Education made the South aware of the advantages of family planning and they have achieved considerable success. If the exercise of delimitation is carried out, they would lose out on the percentage of seats in Parliament, with the gains mainly transferring to UP, Bihar, MP and Maharashtra.

The subject, which is now in the open, used to be discussed in hushed tones at bureaucratic levels when I attended some meetings in the South. The fear was that in spite of education, controlled population, institutional and educational infrastructure and contribution to the national economy, they would never be in the driver's seat politically because of the numbers. This much was expressed openly and the rest left for you to draw your own conclusions.In the absence of an open dialogue with the Centre, the politician has made his entry onto the stage and is saying what was left unsaid earlier. He does not want delimitation, he does not want the UCC, he does not want imposition of Hindi. Rather, he wants more finances and a greater say on the national political stage.

The imperative question is whether anyone is talking to them. It is the duty of the government to anticipate potential problem areas and ensure that fault lines don't get converted into major flare-ups.The Dravidian movement has had a strong resonance in regional politics and the DMK, AIADMK and MDMK, all originate from it. The five major southern states (Tamil Nadu, Kerala, Karnataka, Telangana and Andhra Pradesh) have 129 of the 543 seats in Parliament, representing a mere 23.7 per cent of the vote share. In contrast, the four states (UP, Bihar, Maharashtra, MP) which have the largest to gain by a population census already represent 197 of the 543 seats, i.e. they have 36.2 per cent of the vote share in Parliament, with the balance being shared between the 27 other states and UTs.If you are from the South and facing a dominant North which is raring to become even more overbearing, you would be justified in fearing a loss of significance.But I fail to understand why there has been no serious dialogue at the highest levels. From family disputes to national and international ones, dialogue has been the way out. It can take place at the first sign of trouble or in the midst of an ongoing problem. Why is there a hesitation to talk? Talking is not a sign of weakness; it is a willingness to resolve problems. The best people to initiate a dialogue are the parties directly concerned.

Let the Central government's highest representatives talk to the states concerned; let the talks be held under the open sky. The most intractable problems can be resolved by open-mindedness.

The same holds true for the Northeast. It has been an area where accord and discord coexist, where the national media and politicos are generally missing. You hear one thing on the mainland and see the opposite on the ground.

Under the guise of an accord, Nagaland has been ruled by the underground for decades; Dimapur is their town and de facto capital. They impose road blocks and embargoes whenever and wherever they want and lift them at will.

Mizoram gives refuge to the influx from Myanmar against the wishes of the Centre. It has established camps for the influx as well as the dispossessed Manipur tribals. The Myanmar border is almost an open border for Manipur and Mizoram.Manipur is an unfolding tragedy where many lives have been lost and even more have been rendered homeless even as armed bands of various hues have a free run of the land. They rob, rape and kill at will; large-scale looting of arms has taken place from police armouries.

Ola Electric share price falls after reports of regulatory scrutiny. Details here

New Delhi. Shares of Ola Electric Mobility fell in early trade after recovering for a couple of sessions, following media reports that the company is facing fresh regulatory scrutiny of discrepancies in EV scooter registrations.

Ola Electric shares were trading 1.49% lower at Rs 53.02 on the Bombay Stock Exchange (BS) at 9:53 am.According to media reports, the Ministry of Heavy Industries has sought details related to discrepancies between the company's reported sales and actual vehicle registrations. While Ola Electric has claimed it had sold 25,000 EV two-wheelers in February, data from the Vahan portal showed that only 8,600 have been registered.And as part of the probe, the Maharashtra RTO authorities have carried out inspections at multiple Ola showrooms to find out whether the EV scooters were being sold with a valid trade certificate.Ola Electric shares have been in a free fall over the past few months due to multiple factors, ranging from regulatory scrutiny and declining sales. The EV scooter maker's stock is down over 38% this year, over 41% since listing, and 14% in a month.The company still remains one of the biggest players in India's two-wheeler EV space, competing with the likes of Ather Energy, Bajaj Auto, and TVS Motor. But recent challenges have hurt the company's share price and even forced it to cut costs.Its third-quarter financial results show that it remains under pressure. The company reported a loss of Rs 564 crore due to weaker demand and heavy discounts. Despite cost-cutting efforts, the stock has not made any major recovery recently.

South Korea's Total Debt Hits Record High Of Over $4.27 Trillion

New Delhi. The combined debt of the government, companies and households in South Korea has reached an all-time high amid weak domestic demand and falling revenue, data showed on Thursday. The country's total government debt and corporate and household borrowing amounted to a record 6,222 trillion won (US$4.27 trillion) as of the end of the third quarter, according to data from the Bank for International Settlements (BIS).

The figure marked a 4.1 percent increase from a year earlier and a 0.9 percent rise from the previous quarter, reports Yonhap news agency. It amounts to 247.2 percent of nominal gross domestic product (GDP), which logged its lowest level since the second quarter of 2021.Of the total, corporate debt reached 2,798 trillion won as of end-September, up 2.9 percent from a year earlier. Household borrowing grew 2.1 percent on-year to 2,283 trillion won. Government debt surged 11.8 percent from a year earlier to 1,141 trillion won, the data showed.Meanwhile, financial regulator here on Thursday unveiled a set of measures to help enhance the competitiveness of savings banks that include easing regulations on mergers and acquisitions (M&As), and adopting relatively lax loan classification rules.

The Financial Services Commission (FSC) said it will set up an over 1 trillion-won (US$689 million) fund to help savings banks take soured loans off their balance sheets and launch a special vehicle to manage non-performing loans extended by savings banks.The regulator also said it will ease rules on M&As in the sector and review savings banks' loan classification rules, which they claim are too strict given their business environment. Data showed that savings banks' assets have steadily grown, reaching 120.9 trillion won at the end of last year, up from 92 trillion won in 2020 and 86.9 trillion won in 2010.

But their lendings are largely focused on real estate development projects and low-rated, financially weak customers, leaving them vulnerable to economic cycles, and leading to a decline in profitability and worsening financial status.

Retirement Age Of Govt Employees To Change Centre Clarifies

New Delhi: Prime Minister Narendra Modi-led Central government on Wednesday clarified that it has no plans to change the retirement age for government employees. "No proposal to change the retirement age of government employees is under consideration of the government," Union Minister of State for Personnel Jitendra Singh said on Wednesday, as quoted by PTI.

In a written reply to the Lok Sabha, Singh stated that the government does not have a policy to abolish vacancies created by retiring employees. When asked if any government employees' unions or organizations had requested a change in the

retirement age, he clarified, "No formal proposal has been received from staff side of National Council (Joint Consultative Machinery)," as quoted in the report.When asked about differences in retirement age between central and state government employees, Singh clarified that the Centre does not maintain such data, as it falls under the State List. "No such data is centrally maintained in the government as the subject matter falls in the State List," he stated.His remarks come amid ongoing speculation about possible changes to the retirement age in the public sector. For most central government employees, the retirement age is 60 years. However, in certain fields like teaching and scientific research, it can be as high as 65 years. State governments set their own retirement policies, leading to variations in retirement ages across different departments.

Inside Akasa Air's struggles with Boeing delivery delays and idle pilots

The Mumbai-based low-cost airline, Akasa Air, which started operations about three years ago, has a fleet of 27 planes, but has 226 jets - all Boeing 737 MAXs - on order

New Delhi. Frustration is building inside India's newest airline, Akasa Air, with top executives privately criticising Boeing for delayed plane deliveries and scrambling to assuage hundreds of anxious pilots who remain idle without work.Troubles at Akasa, backed by an Indian billionaire's family, are among the starkest examples of how Boeing's woes are crippling airlines globally and having a ripple effect on their planned expansions.The Mumbai-based low-cost airline, which started operations about three years ago, has a fleet of 27 planes, but has 226 jets - all Boeing 737 MAXs - on order. Deliveries have been delayed as Boeing's 737 programme faced regulatory scrutiny after a mid-air cabin panel blowout last year and suffered from the effects of a seven-week workers' strike. Just as Akasa has expressed confidence in Boeing publicly, its executives voiced optimism about US planemaker's turnaround in a private February town hall with pilots, but top executives did not shy away from candidly revealing the operational stress they face, according to an audio recording reviewed by Reuters.During the previously unreported meeting, Akasa's chief of strategic acquisitions, Priya Mehra, described Boeing as the "elephant in the room" whose workers' strike caused "sleepless nights". Co-founder Aditya Ghosh referred to the company as "Boeing bloody ... retarding our speed".We just don't have enough aircraft to fly ... nobody wants to sit at home and twiddle their thumbs," CEO Vinay Dube told the gathering of pilots.

Akasa did not comment on queries about the remarks made in the town hall, but

said it is in "continuous discussions with Boeing" and is "fully aligned with the steps they are taking to enhance quality and streamline resources."

Boeing's woes have hit airlines globally. US budget carrier Southwest Airlines, which operates an all-Boeing fleet, had to lay off workers company-wide for the first time in its history, in part due to delivery delays.However, most airline executives have avoided direct public criticism of Boeing since a closed-door revolt by major US carriers led to the resignation of CEO David Calhoun last year.Campbell Wilson, the CEO of Akasa's larger rival Air India, which ordered 220 Boeing planes in 2023, this week said global aircraft shortage will persist for four to five years and "we are victims of circumstance.But as a far smaller player, the stakes are higher for Akasa, a loss-making carrier on an expansion spree in the world's fastest-growing aviation market.Compared to Air India and market leader IndiGo's combined 90 per cent-plus market dominance, Akasa, the country's third-largest airline, has just a 4.7 per cent domestic market share.Akasa's revenue quadrupled to $356 million last year, but its loss widened to $194 million from $86 million.

Exiting foreign investors hurt Dalal Street rally, especially IT stocks

Continued selling by foreign portfolio investors (FPIs), which persisted in the first half of March, could hurt market sentiment. FPIs mostly sold information technology (IT) and consumer goods stocks, with lingering concerns over the US and Indian economies.

New Delhi. Domestic stock markets have been on a winning streak for the past four days, and experts suggest that positive domestic factors have set the stage for a near-term rally on Dalal Street. But one challenge could play spoilsport: the ongoing foreign investor exodus.

Continued selling by foreign portfolio investors (FPIs), which persisted in the first half of March, could hurt market sentiment. FPIs mostly sold information technology (IT) and consumer goods stocks, with lingering concerns over the US and Indian economies.OVER RS 2.4 LAKH CRORE GONE

In the past six months, FPIs have offloaded shares worth over Rs 2.4 lakh crore, triggering a major selloff on Dalal Street.Data from stock exchanges suggested that FPIs net sold stocks worth over Rs 30,000 crore in just March. Of these, IT stocks accounted for nearly Rs 7,000 crore, dragging the Nifty IT index down over 3%. The sector officially entered a bear market on March 12, falling over 20% from its recent peak.

Multiple analysts have warned that despite positive domestic indicators, Donald Trump's uncertain tariff plan and its impact on the US economy have battered the sector hard. This is because India's IT sector depends significantly on US clients for business.

DOUBLE DOWNGRADE FOR IT STOCKS

IT stocks are already feeling the heat from Trump's tariff plans, but the situation could worsen due to negative ratings by brokerages.Global brokerage firm Jefferies has double-downgraded the IT sector to "underweight" from "overweight" due to US economic risks. Citi stopped short of a downgrade but warned that worsening US economic data could pressure the sector further.

Sensex, Nifty rally in early trade as US Fed holds rates; IT stocks lead charge

New Delhi. Benchmark stock market indices opened higher on Thursday, reacting positively to the US Fed's decision to keep interest rates unchanged. IT stocks led the rally in early trade as Dalal Street continued positive momentum for the fourth straight day.The S&P BSE Sensex gained 415.38 points to 75,864.43, while the NSE Nifty50 added 116.55 to 23,024.15 as of 9:24 am.

Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services, said that the Fed holding the rates and projecting lower growth at 1.7% and higher inflation at 2.8% for 2025 are on expected lines."More significant is the Fed chief's comment that policy can move either way depending on the evolving outlook. The evolving outlook is highly uncertain thanks to Trump's tariff tantrums. Broadly, the market will be on a wait and watch mode till April 2nd when reciprocal tariffs will be declared," he added.

Technology stocks led the market rally today with impressive gains across the IT sector. Wipro emerged as the top performer, surging 2.62%, followed by Infosys (INFY) which gained a robust 2.46%. Eicher Motors (EICHERMOT) advanced 2.11%, showing strength in the auto segment. Tata Consultancy Services (TCS) climbed 1.91%, while HCLTech (HCLTECH) rounded out the gainers with a rise of 1.76%.On the losing side,

UltraTech Cement (ULTRACEMCO) was the biggest decliner, falling 0.82%, followed by HDFC Life Insurance (HDFCLIFE) which dropped 0.47%. Bajaj Finance retreated 0.41%, while Larsen & Toubro (LT) slipped 0.22%, and Adani Ports and Special Economic Zone (ADANIPORTS) edged lower by 0.13%.Dalal Street demonstrated broad-based strength today with most sectoral indices trading in positive territory. Leading the advances, Nifty IT and Nifty Media both surged 2.20%, emerging as the top performers.Nifty Auto showed significant momentum with a gain of 0.86%, while Nifty Realty climbed 0.60%. Nifty FMCG rose 0.54%, and Nifty PSU Bank added 0.35%. Nifty Bank moved up 0.24%, while Nifty Pharma increased 0.16%. Nifty Financial Services gained 0.15%, with Nifty Private Bank and Nifty Financial Services 25/50 inching higher by 0.14% and 0.12% respectively.

Stocks to watch on March 20: Wipro, CEAT, Hyundai, Adani Enterprises

New Delhi. The stock market continued its positive momentum for the third straight session on Wednesday, with benchmark indices closing higher. However, IT and FMCG stocks faced some pressure.The S&P BSE Sensexgained 147.79 points to settle at 75,449.05, while the NSE Nifty50 added 73.30 points to close at 22,907.60.In today's trading session, shares of Adani Enterprises, Wipro, Raymond, DMart, Trent, Hyundai Motor, NHPC, and others will be in focus due to key developments.IT stocks are expected to remain in focus today, as the sector reacts to the US Federal Reserve's decision to keep interest rates unchanged. Since a huge portion of revenue for Indian IT companies comes from US-based clients, any signals on future rate movements could impact investor sentiment in the sector.Adani Enterprises, through its subsidiary Kutch Copper Limited (KCL), has set up a joint venture named Praneetha Ecocables Limited. This partnership with Praneetha Ventures will focus on manufacturing and distributing metal products, cables, and wires.

WIPRO

IT giant Wipro has introduced its Agentic AI services, designed to help countries develop and deploy artificial intelligence solutions while maintaining data sovereignty. The initiative is powered by NVIDIA AI Enterprise software and aligns with the growing global focus on AI-driven innovation.

RAYMOND

Nawaz Singhania has stepped down as the non-executive director of Raymond, with her resignation taking effect on Thursday.

DMART

Avenue Supermarts, the operator of DMart retail stores, has announced an investment of Rs 175 crore into its subsidiary, Avenue E-Commerce.

NHPC

The board of NHPC has approved a borrowing plan to raise up to Rs 6,300 crore through non-convertible debentures (NCDs) in the financial year 2025-26.

TRENT

Trent subsidiary Booker India will acquire 100% equity of THPL Support Services from Trent Hypermarket for Rs 166.36 crore.

HYUNDAI MOTOR

Hyundai Motor India has announced a price hike of up to 3% on its vehicles, effective April 2025.

CEAT

Tyre manufacturer CEAT is focusing on expanding its presence in the premium ultra-high-performance and.

Will US Fed's rate pause derail RBI's liquidity easing plans

With the US Fed on hold, will RBI ease further? After cutting the repo rate to 6.25% last month, the first in nearly five years, markets are watching for the central bank's next move.

New Delhi. The US Federal Reserve kept its benchmark interest rate steady at 4.25%-4.50%, as expected. While markets took it positively, with gains on both Wall Street and Dalal Street, the bigger question now is how this affects India.The Reserve Bank of India (RBI) has already started liquidity easing, and there's growing speculation that another 25 bps rate cut could be on the horizon.DECODING US FED'S POLICY DECISION

The Fed's decision came with warnings. GDP growth forecasts for 2025 were cut to 1.7%, and core inflation is expected to rise from 2.5% to 2.8%. The unemployment rate has also inched up to 4.4%.But despite this, the central bank is sticking to its guidance of two rate cuts this year.

Ankita Pathak, Fund Manager at Ionic Asset by Angel One, said, "The Fed expectedly and unanimously paused rates at 4.25%-4.50%, after having delivered 100 bps of cuts so far. Powell noted that uncertainty has increased, and consumer spending is moderating."

The key change was the pace of Quantitative Tightening (QT), with Treasury redemptions being lowered from $25 billion to $5 billion a month. This means liquidity conditions may not tighten as much as previously expected.

WHAT COULD BE RBI'S NEXT MOVE

With the Fed holding rates, domestic markets are now watching the RBI. Unlike the US, India's inflation is relatively under control, and growth remains strong. The RBI had reduced the key repo rate to 6.25% after a 25 bps rate cut last month.his rate cut came after nearly five long years. And given the fact

that the RBI remains focused on easing liquidity, the case for a rate cut is building.Dhawal Ghanshyam Dhanani, Fund Manager at SAMCO Mutual Fund, said, "The US Fed delivered on expectations with no major surprises. Though there was a status quo on rates, GDP was revised down, and inflation was revised up. The Fed's stance could create a tailwind for global equities."Foreign institutional investors (FIIs) have been cautious in recent months, but a dovish Fed could bring back risk appetite. If the RBI signals an upcoming rate cut, it could further boost domestic stock markets.

TRUMP'S TARIFFS COULD SPOIL PLAN

One factor complicating the picture is the impact of tariffs. The return of trade restrictions under Trump could add to global inflationary pressures, making it harder for central banks, including the RBI, to justify rate cuts.

Apurva Sheth, Head of Market Perspectives at SAMCO Securities, said, "The market seems too focused on the Fed's rate cut promise. GDP growth has been revised down, inflation is going up, and unemployment is rising. If all these macro data points suggest stagflation, why is the market celebrating?"

Delhi HC seeks reply on illegal slaughterhouses

Citing aviation safety risks, the PIL says the establishments near IGIA not only violate regulatory norms but also attract large flocks of birds.

NEW DELHI. The persistent menace of bird strikes at Indira Gandhi International (IGI) Airport has once again landed in the courtroom; the Delhi High Court on Wednesday issued notices to authorities on a PIL demanding urgent action to mitigate aviation hazards linked to illegal slaughterhouses operating in the vicinity of airports.The PIL, filed by activist Gauri Maulekhi, highlights the alarming frequency of bird-aircraft collisions, attributing them to unchecked proliferation of meat shops and slaughterhouses near the airport. Citing aviation safety risks, the plea argues that these establishments not only violate regulatory norms but also attract large flocks of birds, significantly increasing the likelihood of collisions.

A division bench comprising Chief Justice Devendra Kumar Upadhyaya and Justice Tushar Rao Gedela sought responses from multiple authorities, including the Directorate General of Civil Aviation, Airports Authority of India, Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI), Delhi Government, Delhi Pollution Control Committee, Municipal Corporation of Delhi, Delhi Development Authority, and Delhi Police.The court emphasised the need for concrete action and directed respondents to provide details on the enforcement of relevant regulations, particularly Aircraft Rules, 1937."Given the concerns raised, replies must not only address the allegations but also outline the steps taken to tackle the issue," the bench said, listing the matter for hearing on May 14.The plea demands stringent measures against unauthorised meat shops and slaughterhouses within a 10-kilometer radius of the IGI Airport. It calls upon FSSAI and the Delhi Government to conduct rigorous inspections, collect samples, and initiate legal action against violators.It also urges the Delhi Police to register FIRs and launch investigations against slaughter facilities operating illegally."The primary reason for

occurrence of such incidents is presence of slaughterhouses/meat shops/dairy farms and environmental pollution around IGI Airport... Aircraft Rules, 1937, and the Bharatiya Vayuyan Vidheyak, 2024 prohibit slaughter of animal or disposal of any garbage related thereto, likely to attract birds/animals, within a radius of 10 km from the aerodrome reference point," the plea read.

It further said a contravention of the said Rule constitutes cognizable penal offence. "While the respondents have acknowledged the said six causes have increased BASH (Bird/Wildlife Aircraft Strike Hazard) accidents, no effective measures/steps have been taken by the respondents to curb the menace," the plea alleged.Highlighting the broader implications, the petition underscores the catastrophic consequences a bird strike can have — not just for aircraft and passenger safety, but also residents of surrounding areas in the event of accident."During 2018-2023, the total number of bird strikes at IGI Airport, standing at 705 incidents, outnumbered combined bird strikes incidents reported across 29 airports in six different States," the plea states.The PIL also calls for implementation of a Bird Avoidance Model at IGI Airport, stressing the need for coordinated action through the Airfield Environment.

After 40 Years, Rape Survivor Gets Justice From Supreme Court

New Delhi. Upholding a man's conviction in a 39-year-old rape case, the Supreme Court has commiserated with the woman and her family, who had to wait so long for closure. "It is a matter of great sadness that this minor girl and her family have to go through nearly four decades of life, waiting to close this horrific chapter of her/their lives," said the bench of Justices Vikram Nath and Sanjay Karol, setting aside the Rajasthan High Court's July 2013 verdict acquitting the man.The woman, who was a minor in 1986, was raped by a 21-year-old man. In November 1987, he was convicted by a trial court and given a seven-year jail term.

Over the years, the case ran the gamut of various

court-rooms till it ended in the Rajasthan High Court, which acquitted him citing the lack of strong statements from prosecution witnesses, including the assaulted child. "The child witness (victim), it is true, has not deposed anything about the commission of the offence against her. When asked about the incident, the trial judge records that 'V' (victim) was silent, and upon being further asked, only shed silent tears and nothing more," the bench said.But this cannot be counted as a factor in favour of the accused, the judges said. The silence of the child had stemmed from the trauma.

The silence of a child cannot be equated with that an adult survivor, which again has to be weighed in its own circumstances, the judges said.

A child "traumatised at a tender age by this ghastly imposition upon her" cannot be the basis on which the accused can be put behind bars". It would be unfair to "burden her young shoulders with the weight of the entire prosecution," the judges said.

Body of missing Delhi woman found in canal tied to a rock, friend arrested

NEW DELHI.A woman was strangled, and her body was dumped in a canal after being tied to a rock by her friend in Delhi. The body of the woman, named Komal, was found in the Chhawla canal on March 17, five days since she went missing.A police investigation has revealed that Komal, a resident of Sundar Nagri in north-east Delhi's Seemapuri, was murdered by Asif, a close acquaintance.Asif, a taxi driver, had picked her up in his car from the Seemapuri area on March 12. However, a heated argument broke out between them during the journey. Asif then strangled Komal to death and dumped

her body in the Chhawla canal after tying it to a rock so that it didn't float.

On March 17, Komal's body floated to the surface due to decomposition. Locals alerted the police, following which a murder case was registered at the Chhawla police station.A kidnapping case was already registered at the Seemapuri police station on March 12 after Komal went missing.

Asif has been arrested, and the car used in the crime has been seized by the police. Investigations are underway to find if anyone else was involved in the murder.The case comes at a time when another grisly murder in neighbouring Uttar Pradesh has sparked outrage. A man was murdered, and his body was chopped into several parts before being dumped into a drum filled with liquid cement by his wife and her lover in Meerut.The accused dumped the body parts in a cement drum to minimise the smell of rotting flesh. Both the woman, Muskaan, and her lover, Sahil Shukla, have been arrested.

"Andhra's Saddam Hussein": Minister Nara Lokesh Jabs Jagan Reddy

New Delhi. YSR Congress leader Jagan Mohan Reddy thought he was the Saddam Hussein of Andhra Pradesh and would stay in power for 30 years, TDP leader and minister Nara Lokesh said today, hitting out at the former Chief Minister amid the row over his lavish mansion at Rushikonda Hills. "It was a project of Andhra Pradesh's tourism department before it was converted into a 'sheesh mahal'. Former Chief Minister Jagan Mohan Reddy thought that he was the 'Saddam Hussain' of Andhra Pradesh and that he would remain in power for 30 years," Mr Lokesh, who is the son of TDP leader and Chief Minister N Chandrababu Naidu.

Saddam Hussein was Iraq's dictator and ruled the country from 1979 to 2003. His administration is widely seen as totalitarian and the Ba'ath party leader is held responsible for mass killings and numerous other acts of repression."My grandfather was the Chief Minister, my father is Chief Minister, but I have never seen such big rooms. The Ministry of Environment, Forest and Climate Change has also imposed penalties of Rs 200 crores on the state, and 'sheesh mahal' was built there," he said.

Mr Lokesh said the YSRCP chief has a small family "His sister and mother have been removed from the family. For four people to live in a house, Rs 700 crore was spent. Even the Prime Minister doesn't have such a big house," he said, adding that the TDP government will take a call on what to do with the palatial house.The son of late YS Rajasekhara Reddy, former chief minister of undivided Andhra Pradesh, Jagan Mohan Reddy fell out with his sister YS Sharmila over her decision to join the Congress. The siblings' mother YS Vijayalakshmi has backed her daughter.

Following the TDP's thumping win and return to power in the Andhra polls last year, the Chandrababu Naidu government has accused the previous regime of gross misuse of public money.

Bird strikes at Delhi airport pose threat to flyers' lives, High Court told

NEW DELHI. The Delhi High Court on Wednesday issued a notice based on a plea seeking immediate and effective measures to prevent bird strike hazards and to implement the Bird Avoidance Model at Delhi Airport.The petitioner expressed concern over the increasing number of wildlife-aircraft strikes witnessed in Delhi's Indira Gandhi International (IGI) Airport.The petition, filed by Karanjawala & Co., said that bird and wildlife encounters with aircraft at IGI Airport not only pose a threat to the life and safety of passengers on board but also to residents of nearby areas in the event of an aircraft crash.

The plea further mentioned that there were 705 incidents of bird strikes at the IGI Airport, way higher than the combined incidents of bird strikes reported from 29 airports across six states.

The petitioner cited the presence of slaughterhouses, meat shops, dairy farms, and environmental pollution around IGI Airport as one of the primary reasons behind the increasing encounters.It was argued that the operation of these establishments and the disposal of waste in the vicinity of IGI Airport are in violation of various statutes.The High Court issued a notice to the Centre, Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI), Municipal Corporation of Delhi (MCD), Delhi Pollution Control Committee (DPCC), and Delhi Police, directing them to file a detailed affidavit within six weeks.

The Court stated that it wants to review the steps taken to address these concerns and has listed the matter for further hearing on May 14.

Delhi police challenge NHRC order over compensation for wrongful arrest

NEW DELHI. The Delhi High Court has sought a response from the National Human Rights Commission (NHRC) on a plea by the Commissioner of Delhi Police, contesting the compensation awarded for an alleged wrongful arrest in a murder case.The case stems from the brutal killing of Satish Babu Gupta, a senior citizen whose body was discovered in his home in a harrowing condition – his legs bound and left hanging off the bed, bearing multiple injuries. The crime triggered a rigorous police probe, leading to the arrest of four individuals accused of murder and dacoity. The police subsequently filed a chargesheet against them before the Additional Sessions Judge.

However, the case took a dramatic turn when Naseem, the brother of one of the accused, pleaded before the NHRC asserting that his sibling had been falsely implicated. He demanded both his brother's release and financial compensation for what he described as an unlawful arrest and detention.

The matter escalated further when the

trial court discharged all the accused due to a lack of conclusive evidence. The court also recommended departmental action against investigating officers, including the Station House Officer and the Assistant Commissioner of Police.

Taking cognizance of the issue, the NHRC conducted an independent inquiry and subsequently directed Delhi Police to compensate the wrongfully arrested individual with Rs 1 lakh. This directive, however, did not sit well with the city's top cop, prompting the Commissioner to challenge the NHRC's order.Representing the Delhi Police, Centre's standing counsel Advocate Ashish Dixit argued that the investigation had been carried out in accordance with law and based on the evidence available at the time.

He emphasised that the mere discharge of the accused did not automatically imply malicious or improper intent behind the police action.Dixit contended that the compensation order lacked a legal basis, as police had acted within their statutory authority while handling the case.He urged the court to quash the NHRC recommendation, asserting that law enforcement cannot be penalised for investigative outcomes.

Delhi Government Plans Artificial Rain Trial To Combat Smog

New Delhi. The Delhi government plans to conduct artificial rain trials, a move hinging on the success of the upcoming water sample tests, alongside a series of large-scale anti-pollution projects designed to target multiple pollution hotspots across Delhi-NCR to ensure a widespread, lasting impact.In an interview with PTI, Environent Minister Manjinder Singh Sirsa said the government is actively working on reducing pollution, with visible improvements already seen and efforts accelerating to ensure better air quality than in previous years.

Manjinder Sirsa said that the government is considering a plan for artificial rain, and a study is underway. "We have asked for detailed reports to determine whether the chemicals used in artificial rain could have any harmful effects on the human body or skin."Based on the report, we will conduct a small-scale test in an outer Delhi area, and water samples will be analysed to ensure there are no adverse effects. If the tests are successful and the samples show no side-effects, we will move forward with the plan." Talking about the smog tower project, Manjinder Sirsa acknowledged it as a "failure" and told PTI that the BJP government will soon announce a new plan that will operate on a multi-area scale to make a noticeable difference across Delhi-NCR.He said the focus will be on targeting pollution sources directly and working to eliminate or reduce them.

The national capital's air quality worsens significantly during peak winter, with the air quality index (AQI) often crossing 450 - among the worst in the country.The BJP government, which took charge of Delhi after 26 years, has vowed to tackle pollution. Manjinder Sirsa, who assumed office last month, said the BJP is committed to cleaning and beautifying Delhi, with efforts set to intensify in the coming months.

Survey to spot redundant signals in Delhi for smoother traffic flow

NEW DELHI. In a bid to enhance traffic management and reduce unnecessary expenses, the Delhi Police is planning to conduct a comprehensive survey of traffic signals across the national capital. The survey will focus on identifying signals that have become redundant due to changes in traffic patterns, road infrastructure or urban planning.Additional Commissioner of Police (Traffic Headquarters), Satyavir Katara, stated that the study will assess the relevance and necessity of each traffic signal. The objective is to determine whether signals should remain in their current locations, be relocated or removed entirely. "This survey will help us evaluate which signals are essential and which can be removed or repositioned to improve efficiency," Katara said.He added that the initiative is expected to streamline traffic flow and ease congestion in key areas. Currently, there are more than 1,000 traffic signals across the city. A detailed plan for further development will be formulated once the survey is completed.

"We will assign traffic staff to various signals. They will analyse the on-ground situation and submit their reports. Based on these reports, we will determine which signals are necessary and which can be shifted," Katara said. One of the primary goals of the survey is to minimise the financial burden of maintaining unnecessary traffic signals.Signals require regular maintenance, power supply, and operational checks, all of which contribute to the city's expenses. By removing redundant signals, the authorities hope to reduce these costs while improving traffic management.

The police also emphasised that removing redundant signals would allow for smoother traffic flow. For example, if there is a traffic signal located between two flyovers with a distance of only 100 to 200 metres, it could be removed to avoid hindering traffic movement. This would enable vehicles to make U-turns under the flyovers without interruption.

A leaked report from the Comptroller and Auditor General (CAG) during the first assembly session revealed that the countdown timers installed at traffic signals help drivers make informed decisions about whether to switch off their vehicle engines, which can reduce emissions when vehicles are idling. However, the report highlighted that 40% of these countdown timers were not functioning properly, with many traffic signals showing malfunctions and a lack of advisory messages.

As of March 2020, Delhi Police had installed 1,029 traffic signals and 1,018 countdown timers across the city.

Plan to Ease Congestion

Primary focus on identifying signals that have become redundant due to changes in traffic patterns, road infrastructure or urban planningThe objective is to determine whether signals should remain in their current locations, be relocated or removed entirelyAccording to the officials, the initiative is expected to streamline traffic flow and ease congestion in key areasCurrently, there are more than 1,000 traffic signals across the national capital.

NEWS BOX

Trump threatens Houthi rebels that they'll be 'completely annihilated' as airstrikes pound Yemen

DUBAI. U.S. President Donald Trump threatened Yemen's Houthi rebels on Wednesday that they'll be "completely annihilated" as American airstrikes pounded locations under their control, while further pressuring the group's main benefactor Iran.

Strikes hit Sanaa, Yemen's rebel-held capital, as well as their stronghold of Saada in the country's northwest on Wednesday night, the Houthi's al-Maisrah satellite news channel reported. It aired footage showing firefighters battling a blaze in Sanaa and damaged at what it described as a sheep farm in al-Jawf.It also said strikes happenedovernight Tuesday, though the U.S. military has not offered a breakdown of places targeted since the airstrikes campaign began. The first strikes this weekend killed at least 53 people, including children, and wounded others.

As the strikes hit, Trump wrote on his Truth Social website that "tremendous damage has been inflicted upon the Houthi barbarians.""Watch how it will get progressively worse — It's not even a fair fight, and never will be," Trump added. "They will be completely annihilated!"Meanwhile, Trump again warned Iran not to arm the Houthis, claiming without offering evidence that Tehran "has lessened its intensity on Military Equipment and General Support to the Houthis."Meanwhile, Trump again warned Iran not to arm the Houthis, claiming without offering evidence that Tehran "has lessened its intensity on Military Equipment and General Support to the Houthis."Iran must stop the sending of these Supplies IMMEDIATELY," he wrote.Iran has long armed the Houthis, who are members of Islam's minority Shiite Zaydi sect that ruled Yemen for 1,000 years until 1962. Tehran routinely denies arming the rebels, despite physical evidence, numerous seizures and experts tying the weapons to Iran. That's likely because Tehran wants to avoid sanctions for violating a United Nations arms embargo on the Houthis.Iran's state-run IRNA news agency acknowledged Trump's comments and cited remarks previously made by Iran's ambassador to the United Nations, Amir Saeed Iravani, that said Trump made "baseless accusations."The Houthi rebels attacked over 100 merchant vessels with missiles and drones, sinking two vessels and killing four sailors, from November 2023 until January this year when a ceasefire began in Gaza. The campaign also greatly raised the Houthis' profile in the wider Arab world and tamped down on public criticism against their human rights abuses and crackdowns on dissent and aid workers.

FBI agent who criticized bureau arrested on charges of sharing confidential information

NEW YORK. An FBI agent who has previously criticized the bureau was arrested this week on charges of illegally disclosing classified information, according to court records filed Tuesday.

Johnathan Buma, who has worked for the FBI for 15 years, allegedly printed copies of confidential FBI documents and messages and later shared the material with associates as part of a draft of a book he was writing during his time in the bureau.

He was arrested Monday at a departure gate at John F. Kennedy International Airport in New York as he was waiting to board an international flight, court records said.An attorney representing Buma did not immediately return an emailed request for comment.

Buma has raised issues with how the FBI was handling certain investigations through statements to news media, various government agencies and Congress, according to the filing.

Zelenskyy and Putin have agreed to a limited ceasefire, but implementation is work in progress

KYIV. Ukraine and Russia agreed in principle to a limited ceasefire after President Donald Trump spoke with the countries' leaders this week, though it remains to be seen when it might take effect and what possible targets would be off limits to attack.

The tentative deal to partially rein in the grinding war came after Russian President Vladimir Putin rebuffed Trump's push for a full 30-day ceasefire. The difficulty in getting the combatants to agree not to target one another's energy infrastructure highlights the challenges Trump will face in trying to fulfill his campaign pledge to quickly end to the war.

After a roughly hourlong call with Trump on Wednesday that both leaders said went well, Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy told reporters that "technical" talks in Saudi Arabia this weekend would seek to resolve what types of infrastructure would be protected under the agreement.But it was immediately clear that the three parties had different views about what the pact entailed, with the White House saying "energy and infrastructure" would be covered, the Kremlin saying the agreement referred more narrowly to "energy infrastructure," and Zelenskyy saying he'd also like railways and ports to be protected."One of the first steps toward fully ending the war could be ending strikes on energy and other civilian infrastructure," Zelenskyy said on social media following his call with Trump, which came a day after the U.S. president held similar talks with Putin. "I supported this step, and Ukraine confirmed that we are ready to implement it."

During their call, Trump suggested that Zelenskyy should consider giving the U.S. ownership of Ukraine's power plants to ensure their long-term security, according to a White House statement from Secretary of State Marco Rubio and national security adviser Mike Waltz.

Zelenskyy agrees to 30-day limited ceasefire with Putin after Trump call

Ukraine and Russia agreed in principle to a limited ceasefire after Donald Trump's mediation, but differences remain over which infrastructure will be protected. Talks in Saudi Arabia will clarify the pact's scope.

Kyiv. Ukraine and Russia agreed in principle to a limited ceasefire after President Donald Trump spoke with the countries' leaders this week, though it remains to be seen when it might take effect and what possible targets would be off limits to attack.

The tentative deal to partially rein in the grinding war came after Russian President Vladimir Putin rebuffed Trump's push for a full 30-day ceasefire. The difficulty in getting the combatants to agree not to target one another's energy infrastructure highlights the challenges Trump will face in trying to fulfil his campaign pledge to quickly end the war.After a roughly hourlong call with Trump on Wednesday that both leaders said went well, Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy told reporters that "technical" talks in Saudi Arabia this weekend would seek to resolve what types of infrastructure would be protected under the agreement.But it was immediately clear that the three parties had different views about what the pact entailed, with the White House saying "energy and infrastructure" would be covered, the Kremlin saying the agreement referred more narrowly to "energy infrastructure," and Zelenskyy saying he'd also like railways and ports to be protected.

"One of the first steps towards fully ending the war could be ending strikes on energy and other civilian infrastructure," Zelenskyy said on social media following his call with Trump, which came a day after the US president held similar talks with Putin. "I supported this step, and Ukraine confirmed that we are ready to implement it."During their call, Trump suggested that Zelenskyy should consider giving the US ownership of Ukraine's power plants to ensure their long-term security, according to a White House statement from Secretary of State Marco Rubio and National Security Adviser Mike Waltz.Trump told Zelenskyy that the US could be "very helpful in running those plants with its electricity and utility expertise," the statement said.Trump suggested "American ownership of those plants could be the best protection for that infrastructure," according to White House officials. The idea was floated even as the Trump administration looks to finalise an agreement to gain access to Ukraine's critical minerals as partial repayment for US support for Ukraine during the war.Zelenskyy, though, said the conversation focused on the Zaporizhzhia nuclear power plant — which is the largest of its kind in Europe and has been under Russian control since early in the war. He said Trump posed the idea of "an understanding" in which "the United States can recover" the plant.The call, which Zelenskyy described as "fruitful," came just weeks after a disastrous Oval Office meeting between the two leaders that led to Trump temporarily pausing intelligence sharing and military aid to Ukraine.During the call, Zelenskyy requested additional Patriot defence missile systems. Rubio and Waltz said Trump "agreed to work with him to find what was available, particularly in Europe."

Israel begins ground assault in Gaza, captures key corridor: This is last warning

Israel begins targeted ground activities in central, south Gaza
Ground offensive comes day after Israeli airstrikes kill 400
Military regains control of key Netzarim Corridor, ceasefire ends

world. The Israel Defense Forces (IDF) on Thursday announced that it has launched a new 'pinpointed' ground offensive in central and southern Gaza, regaining control of a key land corridor. The ground operations came just a day after heavy aerial bombardments on the strip which reportedly killed over 400 people, bringing an abrupt end to a two-month-old ceasefire with Hamas.

In a social media post, the IDF said that its troops "began targeted ground activities in central and southern Gaza, over the past day, in order to expand the security zone and to create a partial buffer between northern and southern Gaza".The military said its forces retook control of the centre of the Netzarim Corridor. According to the Times of Israel, troops from the 252nd Division advanced into the Netzarim Corridor, the key route dividing Gaza into northern and southern sectors, seizing control of roughly half the corridor, reaching as far as the Salah a-Din road.The IDF simultaneously announced the deployment of the elite Golani Brigade to the southern Gaza

border, positioning the unit in preparation for potential operations inside the strip."The IDF will continue to operate against terrorist organizations in Gaza to protect the citizens of the State of Israel," it said.Israel has accused Hamas of repeatedly refusing to release hostages and turning down mediator proposals. In response, Hamas has blamed Prime Minister Benjamin Netanyahu for shattering the truce and endangering hostages with what it called "reckless and unilateral" actions.Israeli Defence Minister Israel Katz issued a "last warning" to the people of Gaza to accept US President Donald Trump's suggestion and remove Hamas from the strip."Residents of Gaza, this is the last warning. Take the advice of the President of the United States. Return the hostages and remove Hamas, and other options will open up for you -- including the possibility of leaving for other places in the world for those who want to," Katz added.The recent onslaught, which included sending more troops to southern Gaza, threatened to drag the sides into an all-out war again.The ceasefire offered brief relief to war-weary Palestinians, opened the door for desperately-needed humanitarian aid to flow into Gaza, and secured the release of dozens of hostages who had been held captive for over 15 months.Defending the resumption of the offensive into the Gaza Strip, Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu said that the war would continue until Hamas's governing authority and military infrastructure were entirely dismantled.

US responds amid row over spy chief's minority persecution in Bangladesh remarks

world. Amid a row over US spy chief Tulsi Gabbard's remarks on violence against minorities in Bangladesh, the White House said on Wednesday that America has welcomed measures taken by the interim government of the Asian nation to "ensure safety and security for all".Speaking at a media briefing, spokesperson for the US Department of State Tammy Bruce said that America condemns any instances of violence or intolerance towards minorities in any country."We condemn any instances of violence or intolerance directed towards members of minority communities in any country and have welcomed measures taken by Bangladesh's interim government to ensure safety and security for all in Bangladesh. That's what we're watching. That's what we expect. And that will be what continues," she added.There has been a storm over the recent remarks by Gabbard to an Indian TV channel wherein she claimed that the violence against minorities in Bangladesh and the threat of Islamic terrorists in the Asian nation was rooted in the "ideology and objective to rule and govern with an Islamist Caliphate".

She further said that while talks are just starting between

US President Donald Trump and the Muhammad Yunus-headed Bangladesh interim government, the matter of Islamic terrorism continues to be a "central focus of concern".The remarks drew sharp criticism from the Bangladesh government, which called them "misleading and damaging" to the reputation of the country. In a statement, the Bangladesh Chief Adviser's office said that Gabbard's statements paint an "entire nation with a broad and unjustified brush".

"This statement is both misleading and damaging to the image and reputation of Bangladesh, a nation whose traditional practice of Islam has been famously inclusive and peaceful and that has made remarkable strides in its fight against extremism and terrorism," the statement added.It said that despite facing challenges of extremism, Bangladesh has continuously worked in "partnership with the international community, including the US" to address the issues via law enforcement, social reforms and other counterterrorism efforts.

3 suspected thieves killed in shootout with cops in Brazil, protesters torch bus

- Suspects fled area in vehicle after seeing cops' presence in Sao Paulo
- Firearms and ammunition seized from vehicle driven by thieves
- Men were suspected of carrying out house burglaries

Rio de Janeiro, Brazilian military police killed at least three men in the Sao Paulo area in what officials said on Wednesday was an exchange of fire when officers engaged with suspected burglars. The deaths prompted protesters to set a bus on fire.

Sao Paulo's security agency said in a statement that military police had become suspicious on Tuesday afternoon when a vehicle fled after noticing their presence in the suburb of Guarulhos. There was an exchange of fire and four occupants of the car were hit, the statement said.An ambulance came and found three of them dead.

The fourth person, aged 22, was hospitalised. Local media G1 outlet reported that he also died, but the secretariat for public security did not confirm his death.The military police seized three firearms along with ammunition from the vehicle.

The men are suspected of carrying out house burglaries, according to G1, which reported that the vehicle was involved in a burglary last week.

Sao Paulo officials said civilian police are investigating the incident.

Protesters later set a bus on fire on Tuesday evening in the Sao Paulo metro area.Watchdogs have decried an uptick in police violence since Sao Paulo state Governor Tarcisio de Freitas took office in early 2023.De Freitas is an ally of former far-right President Jair Bolsonaro, who has repeatedly voiced support for giving police carte blanche to kill criminals.In 2024, Sao Paulo's military police killed 769 people, a 67 per cent increase compared to 460 killings the previous year, according to data from Sao Paulo's Public Prosecutor's Office.

Never been closer to peace, says US as Putin, Zelenskyy agree to 30-day truce

world. Moments after Moscow and Kyiv agreed to a limited ceasefire following a one-hour call between US President Donald Trump and his Ukrainian counterpart Volodymyr Zelenskyy, White House Press Secretary Karoline Leavitt on Thursday said that a "lasting ceasefire" is in the works and that the two sides have never been closer to peace."Right now, we're at a partial ceasefire. But again, the President is sending his highly skilled, intelligent and experienced team to Saudi Arabia later this week to continue fighting for peace in this conflict. And I would just reiterate one more time: we have never been closer to peace than we are today," she said.

What started as a public fallout between Trump and Zelenskyy at the White House a few weeks ago ended in an hour-long phone call during which both leaders struck a positive tone, according to reports.Compared to their last interaction at the Oval Office in Washington DC, the exchange between the two leaders was in

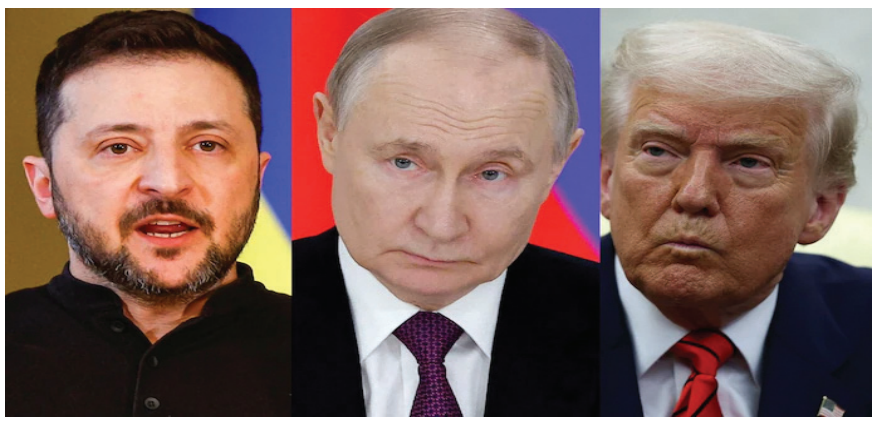

stark contrast, as they held what Zelenskyy described as a "positive, very substantive, and frank" phone call -- away from media glare and attention.So much so, that, following the call, White House Press Secretary Karoline Leavitt expressed confidence, hoping for a lasting peace deal soon. "We are now at that place where we are talking about that. So we've moved beyond just the economic minerals deal framework, and we're looking at a lasting ceasefire," she added.Recalling the public spat between the two leaders during their last meeting, Leavitt said: "In that meeting between President Zelenskyy and President Trump (in the Oval Office), the Ukrainian President at the time wasn't talking about a greater peace deal."

In their previous meeting, Trump had accused Zelenskyy of "gambling with World War Three." However, today Trump called the hour-long interaction with Zelenskyy "very good," adding, "we are very much on track."Now, all eyes are on the scope of the limited ceasefire between Russia and Ukraine, which is set to be discussed in Saudi Arabia's Jeddah on Sunday, Trump's special envoy Steve Witkoff told Fox News earlier this week following the US President's phone call with his Russian counterpart, Vladimir Putin.After his call with Trump, Zelenskyy also confirmed that technical discussions regarding the partial ceasefire will take place in Saudi Arabia this week. However, Putin has presented a long list of conditions -- including halting military aid to Ukraine -- which Zelenskyy has vehemently opposed. Going forward, Zelenskyy has maintained that Ukraine is not willing to give up any land occupied by Russian forces.

NEWS BOX

Shakib Al Hasan's action cleared after reassessment

The veteran all-rounder's last competitive outing was against India in the second Test at Kanpur in October 2024.

DHAKA. Former Bangladesh skipper Shakib Al Hasan has been cleared of a suspect bowling action, and now he will be able to resume his left-arm spin.Shakib will now be able to bowl in ODIs and leagues around the world, where he plies his trade after retiring from Tests and T20s."The news is right (clearing the bowling test) and I am cleared to bowl again," Shakib told Cricbuzz.

However, Shakib did not mention where he took the third reassessment of his action.

The veteran all-rounder's last competitive outing was against India in the second Test at Kanpur in October 2024.But last December, Shakib was suspended from bowling after his action was found illegal in an English County game for Surrey. The County match took place in September last year, but the result of the independent

testing at the Loughborough University was revealed in December.Later, the 37-year-old underwent a second independent test in Chennai in January, but could not get his action cleared. Hence, he was not picked in Bangladesh's squad for the ICC Champions Trophy, which he earmarked as his final outing in international cricket.Bangladesh's next ODI assignment is an away series against Sri Lanka, and Shakib could feature in that, as he is not part of either Indian Premier League or the Pakistan Super League.The all-rounder had participated in last year's IPL auction and in the PSL draft in January but could not find any takers.

MS Dhoni still has the fastest hands in the world as a wicketkeeper: Robin Uthappa

New Delhi. Robin Uthappa said that MS Dhoni's hunger to succeed on the field hasn't died down and one could expect 'glimpses of his brilliance' in the 2025 edition of the Indian Premier League (IPL). The 43-year-old Dhoni is all set to take part in his 18th season of the cash-rich league when Chennai Super Kings (CSK) lock horns with Mumbai Indians (MI) on March 23 at the MA Chidambaram Uthappa, who played alongside Dhoni at CSK, said that Dhoni is likely to bat at No.7 and 8, unleashing his wide range of shots in the death overs. Uthappa also said that even into his 40s, Dhoni has the 'fastest hands in the world' as a wicketkeeper."As far as Mahi is concerned, I think we will get to see glimpses of his brilliance because I have a feeling that he might bat at number 7 or number 8. Very much like last year, and we will see him bat between 12 and 20 balls through the season," Uthappa said, as quoted by PTI.

'Dhoni's love for the game has not dwindled'

Before the mega auction last year in Jeddah,

CSK retained Dhoni as an uncapped player for Rs 4 crore under a rule that allowed teams to retain players who haven't played international cricket in the last five years."I don't think the passion ever dies. MS' love for the game has not dwindled at all. I think his passion for the game keeps him going. At 43, I think he's got the fastest hands in the world as a wicketkeeper," Uthappa said.

"And if you've got those skills and if you've got the passion to keep going. I don't think anything should stop you. I won't be surprised if he retires at the end of the season. But I won't be surprised if he even goes on to play for another four seasons after this," Uthappa added.In 264 matches since the inaugural IPL edition back in 2008, Dhoni has notched 5243 runs at an average of 39.12 and a strike-rate of 137.53 with 24 fifties.

Team India gets Rs 58 crore cash reward from BCCI for Champions Trophy win - here's the break-up

New Delhi. The Indian team's triumph in the ICC Champions Trophy earlier this month has earned them a whopping cash reward of Rs 58 crore from the Board of Control for Cricket in India (BCCI), who made the announcement on Thursday.

"The Board of Control for Cricket in India (BCCI) is delighted to announce a cash reward of INR 58 Crore for Team India following their triumph at the ICC Champions Trophy 2025. This financial recognition honours the players, coaching and support staff and members of the Men's Selection Committee," the board said in a statement.

Go Beyond The Boundary with our YouTube channel. SUBSCRIBE NOW!

India defeated New Zealand in the final on March 9 at the Dubai International Cricket Stadium by four wickets to register their third Champions Trophy triumph.

How the prize money gets distributed

TOI has learnt that as per the breakup of this booty, each player in the 15-man squad will receive Rs 3 crore from the BCCI. In addition to this, the BCCI has decided that the entire ICC prize money for winning the 2025 Champions Trophy (US$ 2.24 million, or Rs 20 cr) will be shared by the Team India players alone.

India's unbeaten run to lift the trophy saw Rohit Shama & Co dominating the

tournament with five wins.

In the group stage, India defeated Bangladesh and Pakistan by an identical margin of six wickets, followed by a victory over New Zaland by 44 runs in the last group game.

In the semi-final, India defeated Australia by four wickets to secure a place in the title match."Winning back-to-back ICC titles is special and this reward recognizes Team India's dedication and excellence on the global stage," BCCI president, Roger Binny, was quoted in the press release.

"The cash award is a recognition of the hard work that everyone puts in behind the scenes. This was also our second ICC Trophy in 2025, following the ICC U19 Women's World Cup triumph and it highlights the strong cricketing ecosystem in place in our country," he added.

Prize money for Gambhir, Agarkar and other national selectors too

Meanwhile, India's head coach Gautam Gambhir too will receive the same amount (Rs 3 cr) as the players, while each member of the support staff will receive Rs 50 lakhs, from the BCCI for clinching the Champions Trophy.India's chief selector Ajit Agarkar will receive Rs 30 lakhs, while the other four national selectors will receive Rs 25 lakhs. The members of the BCCI staff, who were a part of the Team India's contingent in Dubai, will receive Rs 25 lakhs each.

The Champions Trophy final saw India restricting New Zealand to 251 for 7 after being asked to bowl by the Kiwi captain Mitchell Santner, as spinners Varun Chakravarthy and Kuldeep Yadav took two wickets each.In reply, India reahed the target with an over to spare, thanks to Rohit Sharma's 76 at the top, followed by title securing knocks from Shreyas Iyer (48) Axar Patel (29) and KL Rahul (34 not out).

"The BCCI is proud to honour the players and support staff with this well-deserved reward. Their dominance in world cricket is a result of years of hard work and strategic execution. This victory has justified India's top ranking in white-ball cricket, and we are sure the team will continue to excel in the years to come," said Devajit Saikia, BCCI's honorary secretary.

The board's vice-president, Rajeev Shukla also congratulated the team.

"This cash reward is a tribute to the outstanding performances delivered by the team throughout the tournament. The players exhibited remarkable composure under pressure, and their success is an inspiration to aspiring cricketers across the country. The team has once again proved that Indian cricket is built on a strong foundation of skill, mental toughness, and a winning mentality," Shukla said.

Swiss Open: Kidambi Srikanth ousts HS Prannoy, Isharani Barua pulls off major upset

New Delhi Kidambi Srikanth stormed into the second round of the Swiss Open 2025 after beating his countryman HS Prannoy in the opening round on Wednesday, March 19. After two closely-fought games in 48 minutes, Srikanth won the match 23-21, 23-21. The 32-year-old Srikanth also extended his head-to-head count against Prannoy to 7-3.

Srikanth will next be up against Shi Feng Li of China in the second round of the Super 300 badminton tournament on Thursday, March 20. Li got the better of Kantaphon Wangcharoen in the first round, winning the match 21-13, 21-10.In another men's singles match, World No. 64 Shankar Subramanian went through to the next round after he took 38 minutes to beat Magnus Joahnnsen 21-5 21-16.

Isharani knocks out Aakarshi

In a major upset, Isharani Barua stormed into the second round after beating fellow Indian Aakarshi Kashyap in 68 minutes at the St Jakobshalle Indoor arena. Barua, who is ranked No.78 in the world, came back from a game down to win the match 18-21, 21-17, 22-20 against World No.48 Aakarshi.

She will next lock horns with Qian Xi Han of China, who knocked out Beiwen Zhang of the United States with a 10-21, 21-19, 21-14. Anupama Upadhyaya beat compatriot Anmol Kharb and will next face Indonesia's Putri Kusuma Wardani.Among other Indians, Rakshitha Ramraj failed to advance after Line Christophersen of Denmark won 21-11, 21-17. Malvika Bansod was defeated by Canada's world No. 20 Michelle Li in a women's singles match, with the scores 22-20, 14-21, 19-21.Ayush Shetty also failed to make his way through to the second after World No. 13 Kenta Nishimoto defeated him 21-15 21-19. Amrutha Pramuthesh and Asith Surya faltered in mixed doubles after losing 10-21 9-21 to the Chinese pair of Yi Jun Zhu and Chi Zhang.

IPL 2025: KKR eye fourth title with 'freedom and no discrimination' philosophy

- KKR and RCB will be up against each other on March 22
- Fans were introduced to the KKR squad on 'Knights Unplugged 2.0'
- KKR are the defending champions after they beat SRH last year

New Delhi. The Indian Premier League (IPL) season opener is just around the corner, with the Royal Challengers Bangalore set to take on the Kolkata Knight Riders on March 22. As the teams prepare for the big match, the Knight Riders cricketers took a new oath to keep the championship title intact - an oath symbolised by the four stars on their jersey, representing their quest for a fourth IPL title.On Wednesday evening, the fans were introduced to the entire Knight Riders squad at an event dubbed "Knights Unplugged 2.0." The evening's festivities included a dazzling show, complete with music and rhythm, which set the mood of the Knight Riders' camp on a high note just three days before the match.

Captain Ajinkya Rahane and vice-captain Venkatesh Iyer took to the stage with a replica of the IPL trophy, while the entire team was introduced to the fans. The event also featured a special performance by the Knight Riders' new mentor, Dwayne Bravo, who sang his hit song "Champion."IPL 2025 Coverage | IPL Points Table | IPL Schedule

Speaking at the event, Knight Riders' coach Chandrakant Pandit attributed the team's success to the non-discriminatory atmosphere in the dressing room. "There is no discrimination amongst cricketers," he said. "Everyone is given the freedom to make their own decisions. The management gives them that freedom. Venky Mysore, Shah Rukh Khan, Jay Mehta, and Juhi Chawla have all contributed to this culture."Pandit also praised the team's new mentor, Dwayne Bravo, who has stepped into the role previously held by Gautam Gambhir. "It feels great to have the opportunity to work with Dwayne Bravo," Pandit said. "He has played so much cricket and won matches, so he knows the mantra of success. I am in regular discussions with him."Venkatesh Iyer, one of the most expensive cricketers in the Knight Riders' squad, expressed his pride at being part of the team. "I am proud to be called one of the best players in the team," he said. "My IPL journey started in KKR, and KKR changed my career and my life. No matter how I play in the match, the dressing room atmosphere is great. Russell, Narine, and other senior players always help, and there are some great Indian cricketers like Varun, Harshit, and Rinku. Everyone is confident, and I am optimistic about winning the IPL this time too."Knight Riders' captain Ajinkya Rahane, meanwhile, is looking to make a big impact in the upcoming season. Despite a lacklustre batting performance in the practice match, Rahane is confident that he can shine in his new role as captain. "It feels great to be back in KKR," he said. "It is an honour for me, and I am grateful to everyone who decided to take me. Our team is very good, and I want to keep everything simple. I am very happy as a captain."

IPL Multiverse: What if Sunil Narine became Mumbai's MVP instead of Kolkata

New Delhi. When you hear the name of Sunil Narine, you always tend to picture him in one jersey. The purple and gold of the Kolkata Knight Riders. Narine joined KKR in 2011 and has been one of the main reasons why the franchise are 3-time IPL champions.

In each of KKR's title-winning campaigns Narine has played the role of a true MVP. With 180 wickets and 1534 runs in 177 matches, the West Indian mystery spinner established himself as an IPL legend. But things would have been so different had Mumbai Indians got their hands on Narine in 2012.During the 2012 auction, the then-23-year-old was a novice in international cricket and with a base price of 20,000 US Dollars. KKR started the bidding and MI jumped in and what we saw was a war for the ages. Gautam Gambhir was adamant he wanted the West Indian in his side and Mumbai, with Harbhajan Singh at the table, weren't ready to budge.IPL 2025 Coverage | IPL Points Table | IPL Schedule

The price went up to 700,000 US Dollars before MI conceded defeat and KKR finally got their man. This was the only time Narine has come to the auction. So what would have happened if Narine was wearing the blue jersey of MI instead of the purple of KKR?

The solution for MI's spin woes

For years, MI's biggest struggle has been in the spin department. Since Harbhajan left, they have brought in many spinners to fill the role but things haven't worked. With Narine in the team, the MI bowling lineup would have been stronger and continue their dominance in the IPL. In the 2024 season, Narine had 17 wickets and scored 488 runs. For MI, Piyush Chawla got 13 wickets, while the rest of the spinners failed to make a mark.Narine formed IPL's most potent attack in MIImagine Mumbai Indians having a bowling attack of Lasith Malinga, Jasprit Bumrah and Sunil Narine. That would have been 12 overs that are locked down for Mumbai and leaving their opponents sweating to get runs.

Why Corbin Bosch Picked IPL Over PSL Mumbai Indians New Recruit Breaks Silence Ahead Of IPL 2025

- Corbin Bosch chose Mumbai Indians over Peshawar Zalmi in PSL, citing long-term career growth, but now faces a legal notice from PCB.

New Delhi. South African all-rounder Corbin Bosch has found himself at the centre of a heated debate after opting out of the Pakistan Super League (PSL) to join Mumbai Indians (MI) for the 2025 Indian Premier League (IPL) season. This decision, which resulted in a legal notice from the Pakistan Cricket Board (PCB), has fueled discussions on the increasing dominance of the IPL over other T20 leagues.According to reports, Bosch clarified to PCB officials that his decision to prioritize Mumbai Indians was based on long-term career prospects rather than any disrespect toward PSL. "It was a difficult decision, but Mumbai Indians have multiple franchises across different leagues, and this opportunity allows me to secure my future in franchise cricket," Bosch reportedly stated. The IPL franchise currently has teams in SA20 (MI Cape Town), Major League Cricket (MI New York), and the UAE's ILT20 (MI Emirates), giving Bosch a broader platform to showcase his talent on a global scale.Legal Trouble: PCB Issues Notice to BoschThe PCB reacted swiftly, serving Bosch a legal notice for breaching his PSL contract. Peshawar Zalmi had signed him in the Diamond category, expecting him to play a crucial role in their campaign. However, his sudden withdrawal has left the franchise scrambling for a replacement.

PCB's official statement reads:"The legal notice was served through his agent, and the player has been asked to justify his actions of withdrawing from his contractual commitments. Further actions, including a potential PSL ban or financial penalty, are under discussion."

Will Bosch Make His IPL Debut?

Bosch, who has previously been part of Rajasthan Royals but never made his IPL debut, now has a fresh opportunity with Mumbai Indians. He was signed as a replacement for injured South African pacer Lizaad Williams. However, with the match against Chennai Super Kings (CSK) set to take place at the spin-friendly MA Chidambaram Stadium, MI might opt for a specialist spinner like Mitchell Santner or Mujeeb Ur Rahman instead of Bosch.

With 86 T20 matches under his belt, 59 wickets, and two fifties to his name, Bosch is an experienced T20 cricketer. His recent performances in the SA20 league, where he played a key role in MI Cape Town's title-winning campaign, earned him a call-up to the Mumbai Indians squad.

The Bigger Picture: IPL vs PSL Rivalry

The IPL vs PSL debate has intensified, particularly since this is the first time both leagues will run concurrently. The IPL 2025 season is set to take place from March 22 to May 25, while the PSL will run from April 11 to May 18. Traditionally, PSL was scheduled in the February-March window, but the new scheduling has resulted in direct competition with the IPL, making it harder for the Pakistani league to attract top international players.Several PSL franchises have reportedly urged PCB to take strict action against Bosch, fearing that allowing such switches might set a precedent for other players to prioritize IPL over PSL. Some officials have even discussed the possibility of imposing bans on players who breach PSL contracts in favor of the IPL.

Priyanka Chopra

Flaunts Belly Button Diamond Ring As She Gets Papped At Airport, Fans React

Priyanka Chopra is currently shooting for SS Rajamouli's SSMB29 with Mahesh Babu. The actress was in Odisha for the shoot and has returned to Mumbai today. She was spotted at the airport but what grabbed our attention was her belly button diamond ring. Priyanka Chopra was seen flaunting while posing for the camera.In the video, shared by Viral Bhayani, we can see Priyanka greeting paps with a smile before heading towards the car. Fans dropped heart emojis. Recently, The actress took to her Instagram account to share pictures from Holi celebration on set with her team. PeeCee arrived in Odisha a few days ago, to resume shooting for SS Rajamouli's highly anticipated film, co-starring Mahesh Babu and Prithviraj Sukumaran. Priyanka Chopra shared a few pictures on Instagram, giving fans a sneak-peek into her Holi celebration on set. She wrote that this year, it has been a 'working Holi' for her, and she wished her fans on the special occasion. "It's a working Holi for us Here's wishing everyone celebrating a very Happy Holi full of laughter and togetherness with your loved ones," she wrote. A close-up photo of the actress shows her cheek smeared with gulaal. She looks overjoyed as she enjoyed a simple celebration with her team. The next picture shows the actress happily posing with her hairstylist, makeup artist and other team members.

Soon after the pictures surfaced, fans went gaga over Priyanka Chopra. While one fan wrote, "PC on the set of an Indian movie during holi!???? OMG are we back in 2010s or what. I'm living so blessed," another fan commented, "On the sets of SSMB29." A third comment read, "That's your song Happy Holi," while another one wrote, "HOLI with RAJAMOULI."As per reports, the second schedule of SSMB 29 is currently underway in Odisha. The film officially kicked off in January with a closed-door puja ceremony, and an initial schedule was already completed in Hyderabad before the team moved to Odisha.

Natasa Stankovic Urges All To Trust In God In Motivating Note: 'He Will Not Leave You...'

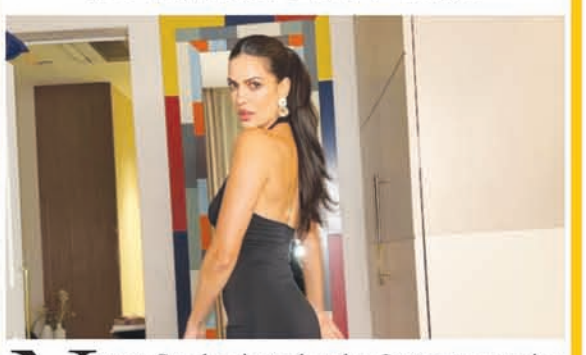

Natasa Stankovic took to her Instagram stories on Tuesday and penned down a motivating note. She urged everyone to trust in God and mentioned that the almighty will never leave you, come what may. Natasa also requested everyone to spread love and asked her followers to never lose hope."Don't let the devil in your head (or in human form) tell you all the lies. Don't let him question your worth. You are an amazing human that God has got to this world for a purpose. Trust in him and know that God loves you. He will not leave you nor forsake you. Keep walking in faith. And make sure you speak words of love and hope. Devil won't be able to touch you. Have an amazing day," she wrote.

This comes almost a year after Natasa parted ways from her cricketer husband Hardik Pandya. The two, who tied the knot in May 2020 and renewed their wedding vows according to the Hindu and Christian rituals in February 2023, confirmed their separation in July 2024. Following their separation, Natasa was brutally trolled by many on social media.

In November, Natasa spoke about her life after her split from Hardik and shared how she is still 'family' with Pandya because of their son."We (Hardik and I) are still a family. We have a child, and the child will always make us a family at the end of the day. I haven't done that anyway because Agastya needs to stay with both parents. It's been 10 years and I go every year at the same time back in Serbia," she told ETimes.

Natasa also talked about how she had to remain strong and learn to love herself for Agastya. "I've learned to love myself with Agastya, by being with him. I understood that for the child to be happy, he needs me – as a mother – to be happy and mentally healthy. So, there was no way for me to fall down. I just had to stand and be like – Nobody can touch me, nobody can touch him. No matter what someone says, the moment, you know your worth, you know who you are, and you know that your heart is clean, nobody can shake you. I've reached that point," she added.

Sreeleela Turns Airport Into Selfie Central For Fans

Sreeleela is grabbing attention amid rumours of her relationship with co-star Kartik Aaryan. Adding to the buzz, the actress turned heads with her recent airport appearance. Several pictures and videos have surfaced online, showing her warmly interacting with fans and paparazzi while clicking selfies.The Instagram clip captures Sreeleela striking a stylish pose for the paparazzi at the airport. As the video progresses, she is seen delighting her fans by clicking selfies with them. For her airport look, the actress opted for a vibrant co-ord set featuring a jacket and matching pants. She completed her ensemble with black shades and white sandals.

In no time, the comments section was flooded with reactions from fans. An Instagram user wrote, "Gorgeous." One of them commented, "Stunning." Another one shared, "Instead of giving attitude loaded walk she was humble and generous."

Recently, a statement by Kartik Aaryan's mother, Mala Tiwari, at the IIFA Awards 2025 in Jaipur has added fuel to the ongoing dating rumours between her son and actress Sreeleela.In a video from the event circulating on social media, Tiwari was asked about her expectations for her future daughter-in-law. She responded with a smile, saying, "The family's demand is a very good doctor." Interestingly, Sreeleela, who is rumoured to be dating Kartik, is also pursuing an MBBS degree.

However, neither Kartik nor Sreeleela have confirmed or denied their relationship. Yet, Kartik's mother's statement has only added fuel to the growing speculations.On the work front, Sreeleela is known for her work in the Telugu cinema and has appeared in films like Kiss, Pelli Sandad, Dhamaka and Bhagvanth Kesari. She shot to fame after her appearance in the song Kissik in the blockbuster film Pushpa 2 featuring Allu Arjun.

She will be making her Bollywood debut with an upcoming untitled romantic drama film opposite Kartik Aaryan. Helmed by Anurag Basu and backed by Bhushan Kumar, the film will be hitting the theatres on the occasion of Diwali 2025 and will face a big Bollywood clash with Ayushmann Khurrana's upcoming horror comedy Thama.

Confirmed! Karan Kundrra,

Tejasswi Prakash

To Tie The Knot This Year

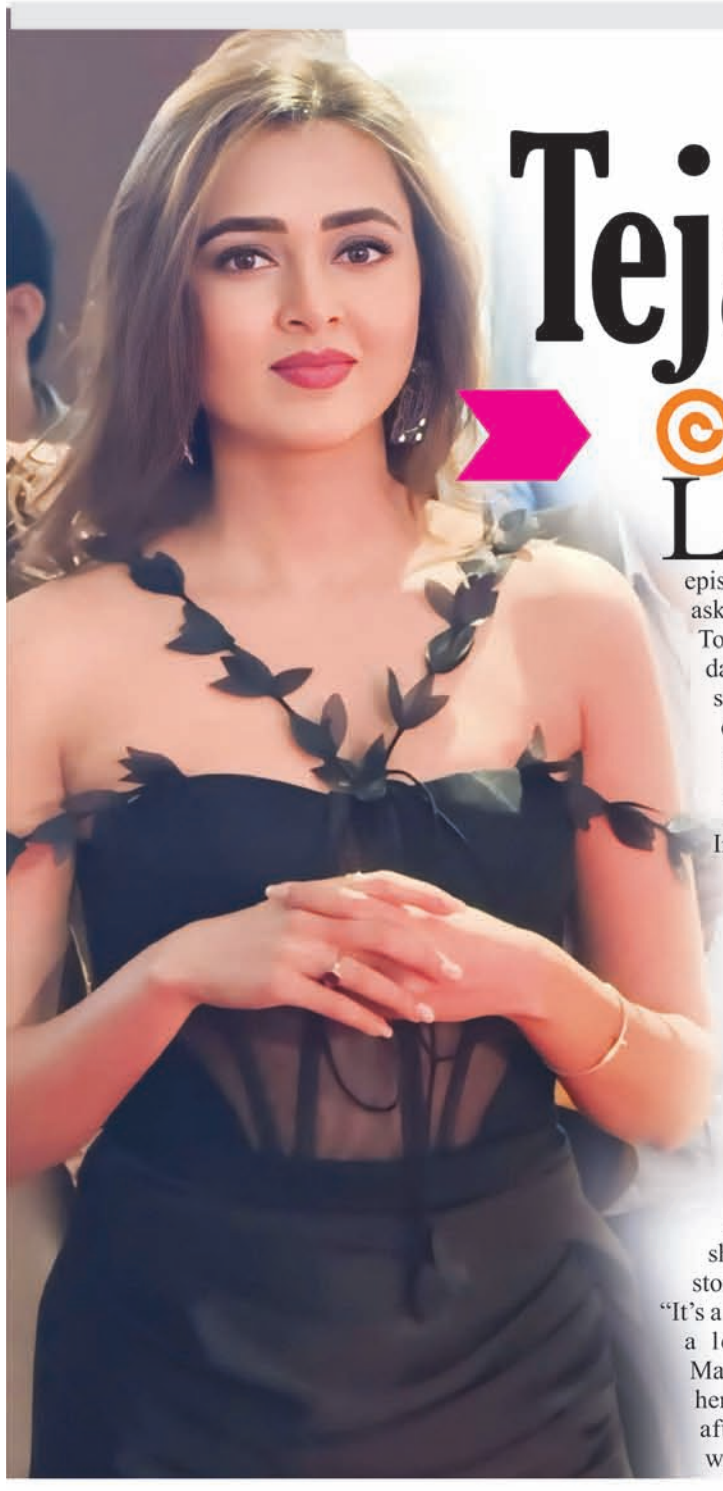

Looks like the wait is finally over! Karan Kundrra and Tejasswi Prakash are planning to get married soon. In the recent episode of Celebrity MasterChef, Farah Khan asked Tejasswi's mother, "Shaadi kab hogi?" To this, the actress' mother confirmed that her daughter will tie the knot this year only. "Issi saal ho jaaegi," she said.While Farah Khan congratulated Tejasswi Prakash following the confirmation, the actress was seen blushed and said, "Aise kuch baat nahi hui hai".

Interestingly, this comes days after Tejasswi Prakash also hinted that she will have a court marriage with Karan Kundrra. "I am not big on that. I am okay with a normal court marriage. Hum log phir ghumenge, phirenge, aish karenge types," she had said on the show.

Karan Kundrra and Tejasswi Prakash's love story is no secret. The two met inside the Bigg Boss 15 house and fell in love with each other. Recently, Karan also appeared on Celebrity MasterChef when he appreciated Tejasswi's efforts and shared that even though the format of the show is very "tough", his lady love leaves no stone unturned to perform her best.

"It's a very tough show, and everyone is putting in a lot of effort. Speaking of Tejasswi's MasterChef journey, I must say I've never seen her this sincere on any shoot. Bechari, even after reaching home, she's on her phone watching YouTube videos. Then she asks me, 'Should I make mutton in tamarind?' and I tell her, 'How would I know?' (laughs). She is extremely dedicated and sincere. If you know of Tejasswi's journey, there's hardly any reality show where she hasn't reached the top spot," Karan said."I just want to say she puts in a lot of hard work, and everyone is very proud of her. For me, you will always be the winner. Khana toh mujhe he hai na so all the best, and I love you," he added.

After Karan's video message was played, Tejasswi got emotional and said, "How cute!"